मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	42.1	30.2
जमशेदपुर	39.4	25.8
डालटनगंज	39.4	27.5

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

शुभम संदेश

धनबाद, रांची एवं पटना से प्रकाशित

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in

रांची, शुक्रवार 07 जून 2024 ● ज्येष्ठ शुक्ल प्रतिपदा संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 3 ● वर्ष : 2, अंक : 59

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद और एनडीए की सरकार बनने से पहले ही भाजपा के सहयोगी दलों खास कर जदयू और तेलुगुदेशम पार्टी ने दबाव बनाने की शुरुआत कर दी है. मोदी 3.0 सरकार बनने से पहले ही प्रेशर पॉलिटिक्स के तहत जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार ने अपनी बड़ी डिमांड रख दी है. नीतीश अग्विीर पर नए तरीके से विचार, समान नागरिक संहिता (यूसीसी) पर व्यापक चर्चा, जातिगत जनगणना, बिहार को विशेष राज्य का दर्जा और मंत्रालयों में भागीदारी पर गंभीर दिख रहे हैं. वहीं चंद्रबाबू नायडू आंध्र की नई राजधानी अमरावती के लिए एकमुश्त धनराशि चाहते हैं. साथ ही लोकसभा अध्यक्ष के पद के अलावा कम से कम पांच मलाईदार मंत्रीपद भी चाहते हैं. नायडू और नीतीश बिहार और आंध्र प्रदेश को विशेष राज्य का स्टेटस भी चाहते हैं. इस बीच, महाराष्ट्र से भी भाजपा के लिए अच्छी खबर नहीं है. वहां पर एकनाथ शिंदे सरकार में शामिल एनसीपी अजित पवार गुट के 15 से अधिक विधायक एकबार फिर से शरद पवार के संपर्क में हैं. यही नहीं बंगाल से टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी ने भी बम फोड़ा है. उनका दावा है कि बंगाल के कई सांसद और विधायक टीएमसी के संपर्क में हैं. इधर, यूपी भी में सबकुछ ठीक नहीं है. चुनाव हारने के बाद भाजपा नेतृत्व ने सीएम योगी आदित्यनाथ को दिल्ली तलब कर लिया है. इससे योगी समर्थक विधायक और सांसद काफी नाराज हैं. इन सबके बीच, शुक्रवार को एनडीए सांसदों की बैठक होनी है, जिसमें नरेंद्र मोदी को नया नेता चुना जाएगा. माना जा रहा है कि मोदी रविवार को प्रधानमंत्री पद की शपथ ले सकते हैं.

सत्ता की जोड़-तोड़ ▶ **सरकार बनी नहीं, सहयोगी दलों की प्रेशर पॉलिटिक्स शुरु, जदयू ने कहा**

अग्निवीर खत्म हो, यूसीसी को छोड़ें

लगातार न्यूज नेटवर्क। नयी दिल्ली

नरेंद्र मोदी को नेता चुनने के लिए शुक्रवार को भाजपानीत एनडीए के नवनिर्वाचित सांसदों की बैठक होने की संभावना है. सूत्रों ने कहा कि मोदी के राजग संसदीय दल का नेता चुने जाने के बाद तेदेपा सुप्रीमो एन चंद्रबाबू नायडू और जदयू प्रमुख नीतीश कुमार जैसे गठबंधन के वरिष्ठ सदस्य राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात करेंगे और उन्हें समर्थन देने वाले सांसदों की सूची सौंपेंगे. उन्होंने कहा कि मोदी संभवतः रविवार (9 जून) को शपथ ले सकते हैं. एनडीए के पास 293 सांसद हैं, जो 543 सदस्यीय लोकसभा में बहुमत के 272 के आंकड़े से अधिक है. अमित शाह और राजनाथ सिंह सहित भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने गुरुवार को दिनभर एक बैठक की और सरकार गठन के प्रयासों को गति देने को लेकर विचार-विमर्श किया. यह बैठक भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के आवास पर हुई. पार्टी नेताओं के मुताबिक, इस बैठक में भावी मंत्रिपरिषद के गठन में राजग के घटक दलों की भागीदारी सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा की गई. गठबंधन सरकार के मुखिया के रूप में तीसरी बार शपथ लेने की तैयारी कर रहे मोदी ने बुधवार को सत्तारूढ़ गठबंधन के सदस्यों की एक बैठक की अध्यक्षता की थी, जिन्होंने उन्हें सर्वसम्मति से अपना नेता चुना था.

4 सांसदों पर बनेगा एक मंत्री

क्या सहयोगी दलों को नई सरकार में शामिल करने का फार्मूला तैयार हो गया है? मोदी की अगुवाई में बननेवाली एनडीए की तीसरी सरकार से पहले मंत्रिमंडल गठन के फार्मूले पर तेजी से काम चल रहा है. एनडीए में भाजपा के सहयोगी दलों की तरफ से 4-1 का अनुपात का सूत्र प्रस्तावित किया गया है. सहयोगी दल चाहते हैं कि उन्हें उनके प्रत्येक चार सांसद पर एक मंत्री का पद मिले. अगर यह फार्मूला ही लागू हुआ, तो सहयोगी दलों के 25% सांसद मंत्री बन जाएंगे. तेदेपा के 16 सांसद हैं. उनके बाद नंबर नीतीश का है, जिनकी पार्टी के 12 सांसद बने हैं. टीडीपी के केंद्र सरकार में चार, जबकि जेडीयू के 4 मंत्री हो जाएंगे. इसी फार्मूले से शिवसेना और चिराग पासवान की पार्टी एलजेपी (आर) के दो-दो सांसद मंत्री पद की शपथ ले सकते हैं.

आज एनडीए के नेता चुने जा सकते हैं नरेंद्र मोदी, 9 जून को शपथ संभव

भाजपा बना रही रणनीति, साथी दलों के दबाव में नहीं आएगी

जदयू नेता केसी त्यागी ने बताया पूरा प्लान

जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता केसी त्यागी ने कहा, अग्निवीर योजना से बड़ा वर्ग नाराज है. हमारी पार्टी चाहती है कि जिन कमियों पर सवाल उठे हैं, उन पर विस्तार से चर्चा हो और उन्हें दूर किया जाए. यूसीसी (समान नागरिक संहिता) पर नीतीश पहले ही विधि आयोग प्रमुख को पत्र लिख चुके हैं. हम इसके खिलाफ नहीं हैं, लेकिन सभी से बात करके इसका समाधान होना चाहिए. संकेत हैं कि आगे भी जदयू अपनी बात रखेगा. केसी त्यागी ने इशारों में ही सही, भाजपा के लिए टेंशन बढ़ाने के संकेत दे दिए हैं. जदयू का यूसीसी, अग्निवीर, जातीय जनगणना जैसे मुद्दों पर हमेशा से अलग रुख रहा है. इसको लेकर भाजपा पर प्रेशर डाला जा सकता है. नीतीश चाहते हैं कि अग्निवीर योजना पर मोदी 3.0 सरकार बनने के साथ ही नए तरीके से सोचा जाए. इसके अलावा जेडीयू का मानना है कि समान नागरिक संहिता एक पेंचीदा विषय है. इस पर सबकी अलग राय है. इसलिए सभी राजनीतिक दलों और स्टेक होल्डर्स से इस पर व्यापक रूप से चर्चा हो. क्योंकि इस मुद्दे पर शुरू से सभी राजनीतिक दलों में गतिरोध रहा है. कोई दल चाहता है कि इसे फौरन लागू किया जाना चाहिए. वहीं, कई दल इसके पक्ष में नहीं है. वहीं, केंद्र सरकार के नहीं चाहने के बावजूद नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार सरकार ने जातीय सर्वे कराकर उसकी रिपोर्ट सार्वजनिक की थी. अब चाहते हैं कि केंद्र में बनने वाली मोदी सरकार पूरे देश में जाति गणना करवाये. केसी त्यागी ने बताया कि केंद्र सरकार के गठन में नीतीश कुमार और नरेंद्र मोदी की बातचीत में जो अहम बिंदु होगा, वो है 2025 में होने वाला बिहार विधानसभा चुनाव. सीएम के तौर पर नीतीश ने अपने लंबे कार्यकाल के दौरान बिजली के बुनियादी ढांचे को मजबूत किया है. नीतीश बिहार में तुरंत विधानसभा चुनाव कराने के पक्षधर भी हैं.

काट निकाल रही भाजपा

इस बीच, सूत्रों ने बताया कि भाजपा नेतृत्व नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू की जायज मांगें ही मानेगा. इसलिए, भाजपा एनडीए सांसदों की संख्या बढ़ाने पर जोर दे रही है. उम्मीद है कि भाजपा के साथ एनडीए में 303 सांसद आ जाएंगे. इतने सांसदों के आ जाने पर नीतीश या नायडू का प्रेशर कम किया जा सकेगा. इन लोगों के समर्थन वापस लेने पर भी भाजपा सरकार पर असर नहीं पड़ेगा. सूत्रों के मुताबिक भाजपा सहयोगियों को मुंहमांगा मंत्रालय या लोकसभा स्पीकर का पद नहीं देने जा रही है. अग्रिवीर जैसी स्कीम या यूसीसी पर भाजपा अपना कदम पीछे हटाने के मूड में नहीं है. हां, भाजपा अपने सहयोगियों की संख्या बढ़ा कर जदयू-टीडीपी को उनकी हैसियत में रखना चाहेगी.

महाराष्ट्र में होने वाला है बड़ा खेला!

अजित पवार के 15 विधायक शरद के संपर्क में, गिरेगी सरकार?

एजेंसी। मुंबई

चुनावों में एनडीए की हार के बाद महाराष्ट्र की सियासत गरमा गई है. शरद पवार गुट ने दावा किया है कि अजित पवार के 15 से अधिक विधायक पार्टी प्रमुख के संपर्क में हैं. इसके बाद राज्य में सियासी हलचल बढ़ गई है. दावा किया जा रहा है कि चुनावों में विपक्षी गठबंधन महाविकास आघाडी के 30 सीटें जीतने के बाद एनसीपी के 15 से अधिक विधायक फिर शरद पवार गुट में वापसी कर सकते हैं. शरद के खेमे से यह दावा रोहित पवार ने किया है. सियासी उथल-पुथल के बीच अजित पवार ने भी विधायकों के साथ बैठक की. लेकिन इसमें कई विधायक नहीं पहुंचे. 10 महीने पहले अजित चाचा शरद पवार को छोड़ कर महायुति में चले गए थे. बारामती में करारी हार के बाद अजित खेमा बैकफुट पर हैं. अजित की अगुवाई वाली एनसीपी को सिर्फ 1 सीट मिली है, तो वहीं शरद पवार की नई पार्टी ने नए सिंबल पर 10 सीटों पर चुनाव लड़कर 8 पर जीत हासिल की. अजित पवार की अगुवाई वाली एनसीपी के पास अभी 40 विधायक हैं. अगर विधायक फिर से शरद गुट में वापसी करते हैं तो राज्य में सियासी संकट खड़ा हो सकता है.

महाराष्ट्र में बीजेपी के पास 103 विधायक हैं, जबकि शिंदे की शिवसेना और एनसीपी के पास 40-40 विधायक है. 288 सदस्यों वाली विस में आठ सीटें खाली हैं. अगर एनसीपी के विधायक वापस लौटते हैं, तो कुछ विधायक शिवसेना के भी इस रास्ते पर चल सकते हैं. अक्टूबर-नवंबर में चुनाव होने हैं. रोहित पवार ने बातचीत में कहा कि अजित की पार्टी के कम से कम 19 विधायक हमारे संपर्क में हैं. अगले कुछ दिनों में विधायक क्या फैसला लेंगे, इसकी तस्वीर साफ हो जाएगी.

बंगाल में अभिषेक बनर्जी का दावा

भाजपा के सांसद व विधायक संपर्क में

कोलकाता। टीएमसी के अभिषेक बनर्जी ने बड़ा दावा किया है. उन्होंने कहा कि हम केंद्र में गठबंधन की सरकार बनाने के लिए समर्थन जुटा सकते हैं. बनर्जी टीएमसी के प्रतिनिधि के तौर पर इंडिया गठबंधन की बैठक में मौजूद थे. सूत्रों से पता चला है कि बंगाल से बीजेपी के तीन सांसद अभिषेक बनर्जी के संपर्क में है. अगर ऐसा होता है तो बीजेपी के लिए ये अच्छी खबर नहीं है. अभिषेक बनर्जी ने दावा किया है कि बंगाल से भाजपा के कई सांसद और विधायक उनके संपर्क में हैं. इन विधायकों-सासंदों ने कहा कि उनसे जो कहा जाएगा, वो वही करेंगे.

उत्तर प्रदेश से भी अच्छी खबर नहीं

योगी समर्थक सांसद और विधायक नाराज

लखनऊ। यूपी से भी भाजपा के लिए अच्छी खबर नहीं है. सपा नेता शिवपाल यादव ने दावा किया है कि चुनाव हारने के बाद योगी आदित्यनाथ को दिल्ली करने के बाद योगी समर्थक कई सांसद काफी नाराज हैं. योगी को छेड़ा गया, तो सांसद अलग राह पकड़ सकते हैं. शिवपाल ने दावा किया कि यूपी में आज चुनाव हो जाएं, तो विस में भी सपा को भारी जीत मिलेगी. इस बीच योगी और दोनों डिप्टी सीएम को केंद्रीय नेतृत्व ने दिल्ली तलब किया है. यूपी में खराब प्रदर्शन के लिए योगी पर गाज गिरने की चर्चा है. ऐसे में योगी के समर्थक सांसद नया गुल खिला सकते हैं.

चंद्रबाबू -नीतीश को अखिलेश ने दिया संदेश

इतिहास ने मौका दिया है, तो चूको मत

लखनऊ। चुनाव में एनडीए को बहुमत मिलने और पीएम नरेंद्र मोदी के तीसरी बार शपथ की तैयारियों के बीच इंडिया गठबंधन ने सरकार बनाने की उम्मीदें नहीं छोड़ी हैं. सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने गुरुवार को एक तरफ यह कह दिया कि सरकारें बनती हैं, तो गिरती भी हैं, तो दूसरी तरफ केंद्र की मोदी सरकार में अहम किरदार होने जा रहे चंद्रबाबू और नीतीश पर डोरे भी डालने की कोशिश की. अखिलेश ने कहा,भाजपा का साथ नामसमझी है. इतिहास ने मौका दिया, तो कतई चूकिए मत. साम्प्रदायिक राजनीति के चंगुल से मुक्त करने के अभियान में जनता का साथ दीजीए. अखिलेश ने एक्स पर लिखा-हमारी एकता ही शक्ति है और देश की जनता की नई उम्मीद भी! जनता ने भाजपा को बहुमत न देकर नैतिक रूप से हरा दिया है. बिना नायडू या नीतीश का नाम लिए अखिलेश ने लिखा कि आज जो भाजपा के साथ जाकर नासमझी दिखा रहे हैं. उन्हें भी जनादेश का सम्मान करना चाहिए और देश को साम्प्रदायिक राजनीति के चंगुल से मुक्त करने के अभियान में जनता का साथ देना चाहिए.

मोदी के सामने गहराता संकट

सुरजीत सिंह

त्वरित टिप्पणी

कार्यवाहक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संभवतः अपने राजनीतिक जीवन की सबसे कठिन परिस्थितियों से गुजर रहें हैं. पिछले दस सालों में मोदी-शाह ने जिसे चाहा मंत्री-मुख्यमंत्री बनाया, जब चाहा हटाया. किसी ने चूं तक नहीं किया. दस सालों में शायद ही किसी ने आवाज उठाई. भाजपा के कद्दावर नेता भी चुप ही रहे. लेकिन इस बार स्थिति अलग है. भाजपा को बहुमत से 32 सीटें कम आईं. इसका असर सामने दिखने लगा है. दिल्ली में भाजपा के दो सहयोगी जदयू और टीडीपी समर्थन के बदले शर्तें रख रहे हैं. ऐसा पिछले दस सालों में कभी नहीं हुआ. किसी सहयोगी ने शर्त रखने की हिमाकत नहीं की. टीडीपी व जदयू की शर्तों को मानना मोदी और भाजपा के लिए मुश्किलें खड़ी कर सकता है. क्योंकि पिछले दस सालों से मोदी और भाजपा जिस रास्ते पर चल रहे थे, उस रास्ते से यू-टर्न लेना उनके समर्थकों को कतई पसंद नहीं आएगा. जो समर्थक अयोध्या में हार पर हिंदुओं को गाली देने के अभियान में कूद पड़े हैं, वह नीतीश कुमार न चंद्रबाबू नायडू की शर्तें मानने पर मोदी-शाह को बख्शेंगे, इस पर संदेह है. मसलन टीडीपी का मुस्लिमों को आरक्षण देने और जदयू का जाति जनगणना का मुद्दा. इसके साथ ही यूनिवर्सल सिविल कोड पर जदयू की शर्तें.

उत्तर प्रदेश में करारी हार ने पार्टी के भीतर के विवाद को सतह पर ला दिया है. आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है. पार्टी ने योगी समेत यूपी भाजपा के बड़े नेताओं को दिल्ली बुलाया है. उनके समर्थक सांसद-विधायक नाराज हैं. उधर, महाराष्ट्र में एनसीपी (शिंदे गुट) के 18 विधायक टूटने वाले हैं. एनसीपी (शरद यादव) के नेता ने इसकी पुष्टि की है. इस बीच पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी ने यह बयान देकर सनसनी फैला दी है कि भाजपा के कई सांसद उनके संपर्क में हैं.

आम तौर पर भाजपा में ऐसे हालात कम ही दिखते हैं. भाजपा अनुशासन वाली पार्टी के रूप में जानी जाती है. खराब से खराब परिस्थिति में भी भाजपा के नेता टूटते नहीं. खास कर सांसद-विधायक. जो भी होता था भीतर ही भीतर, लेकिन इस बार चीजें बाहर आ रहीं है. भाजपा नेता मीडिया में बोल रहे हैं. खुल कर बोल रहे हैं. ऐसा लगता है पिछले पांच-सात सालों से दबा हुआ गुबार बाहर निकल रहा हो. महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडनवीस ने हार की जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफे की पेशकश की. फडनवीश की इस पेशकश को राजनीतिक विश्लेषक मोदी से जोड़ कर देख रहे हैं. क्योंकि चुनाव मोदी के नाम पर ही लड़ा गया. लिहाजा भाजपा का बहुमत से दूर रहने की जिम्मेदारी भी उनकी होनी चाहिए. उन्होंने अब तक किसी तरह की जिम्मेदारी नहीं ली है. नरेंद्र मोदी के सामने दिक्कत यह है कि वह सहयोगियों को खुश कर एकजुट करें या भाजपा व सहयोगियों पार्टियों को टूटने से बचायें. चुनाव से पहले यह स्थिति विपक्षी पार्टियों के सामने थी, चुनाव के बाद भाजपा व एनडीए की पार्टियों के सामने.

ना हम हारे न तुम जीते

बैजनाथ मिश्र

प्रसंगवश

बैजनाथ मिश्र

वरिष्ठ पत्रकार और झारखंड के पूर्व सूचना आयुक्त

लोकसभा चुनाव का परिणाम मजा दे गया. किसी को भी मतदाताओं ने इतना नहीं दिया कि उसकी बांछें खिल जायें सिवाय सपा और कुछ हद तक टीएमसी के. एक्जिट पोलरों के आंसू पोंछने और मातमपुर्सी के लिए भी कोई नहीं मिल रहा है. जनता ने नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाले एनडीए को सत्ता की चाबी जरूर सौंपी है. लेकिन भाजपा के पैरों तले बिछी लाल कालीन खींच ली है. वह साफ जरूर नहीं हुई है, लेकिन हांफ रही है. मोदी कह जरूर रहे हैं कि भाजपा को विपक्षी गंठबंधन को मिली कुल सीटों से ज्यादा सीटें मिली हैं, लेकिन यह "दिल बहलाने का गालिब ये ख्याल अच्छा है" जैसा ही है. इसी प्रकार मतदाताओं ने विपक्ष को उतना ही दिया है जिससे वह सरकार पर नकेल कस सके न कि वह तीन-तिकड़म से सरकार बना सके. यानी सत्ता के तोते उसके हाथ से दूर हैं. संसदीय जनतंत्र में मजबूत विपक्ष का होना एक शुभ संकेत है तो गंठबंधन की सरकार चलाना मोदी के लिए परीक्षा भी है. वह प्रधानमंत्री बनेंगे और इससे एक इतिहास भी बनेगा, लेकिन अब उनकी वह ठसक नहीं रहेगी जो पहले थी. यह कसक उन्हें हमेशा सालती रहेगी. अब वह मनमाफिक फैसले लेने के लिए स्वतंत्र, स्वछंद नहीं होंगे. संभव है एनडीए को नये सिरे से गठित करने और संयोजक बनाने की मांग भी उठे.

मतदाताओं ने अपने फैसले से चुनाव आयोग को बेईज्जत होने से और ईवीएम को गालियां खाने से बचा लिया है. नतीजे आने के पहले तक चुनाव आयोग विपक्ष के निशाने पर था. एक्जिट पोल के अनुमानों के बाद तो ऐसा माहौल बनाया गया मानो विपक्ष गह युद्ध के हालात पैदा कर देगा. लेकिन क्या मजेदार रिजल्ट आया कि न कुकुर भूंक रहा है, ना सियार जाग रहा है. सब खुश हैं और जो कराह रहे हैं, वे भी अपनी पीड़ा सार्वजनिक करने में लजा रहे हैं. क्या नहीं हुआ है, लोकतंत्र सुरक्षित हो गया है, जो बेचारा पूरे चुनाव भर खतरे में था. अब यह यकीन किया जा सकता है कि 2029 में लोकसभा के चुनाव फिर होंगे. नहीं तो हुंकार यही था कि मोदी प्रचंड बहुमत से आये तो अगला चुनाव नहीं होगा. अब संविधान भी सुरक्षित हो गया है जो दो महीने से असुरक्षा के आडम्बरी भाषणों से सिमटा सहमा था. पता नहीं अगले पांच सालों तक महंगाई-बेरोजगारी खत्म होगी या नहीं और विपक्ष इस मुद्दे पर सदन ठप करेगा या नहीं, लेकिन यकीन मानिए अगला चुनाव भी इसी मुद्दे पर होगा और उसके आगे के चुनावों में भी ये मुद्दे हावी रहेंगे. नरेंद्र मोदी पता नहीं सबका साथ सबका विकास का नारा बदलेंगे या मृग मरीचिका में भटकते रहेंगे. दोनों गंठबंधनों को वोटरों ने छाती पीटने और माथा कूटने के लिए विवश किया है, तो मुस्कराने के लिए भी मौका दिया है.

भाजपा यह चुनाव हारी जरूर है, लेकिन उसने बीजद से न केवल ओड़िशा छीन लिया है, बल्कि लोकसभा में भी स्वीप किया है, वह भी अपने बूते. तमिलनाडु में उसे कोई सीट भले ही न मिली हो, लेकिन उसकी धमक शिद्दत से महसूस की जाने लगी है. केरल में उसने खाता खोला है तो आंध्र प्रदेश में टीडीपी के साथ सरकार बना रही है, लोकसभा सीटें भी जीती है और तेलंगाना में अपनी ताकत दोगुनी कर ली है. लेकिन इन उल्लेखनीय उपलब्धियों पर उत्तर प्रदेश, बंगाल और कुछ हद तक राजस्थान, महाराष्ट्र ने पानी फेर दिया है. उत्तर प्रदेश में तो उसे दारुण पराभव झेलना पड़ा है और सपा ने अपने इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय जोड़ लिया है. ऐसा क्यों हुआ, कैसे हुआ, इस पर अगली किस्तों में चर्चा होगी, लेकिन इतना तय है कि यदि भाजपा की यही बेढंगी, लापरवाह रफ्तार जारी रही तो 2027 में वह विपक्ष में बैठने लायक भी नहीं बचेगी. कांग्रेस भी सपा के सहारे उत्तर प्रदेश में लौटी है. वह सेंचुरी के करीब पहुंच गई है, लेकिन मध्य प्रदेश, हिमाचल, उत्तराखंड में उसका सूपड़ा साफ हो जाना और बंगाल में बची-खुची जमीन भी गांवा देना उसके लिए सदमे से कम नहीं है. -शेष पेज 7 पर

शेयर बाजार में सबसे बड़ा घोटाला हुआ जांच के लिए जेपीसी गठित हो : राहुल

एजेंसी। नयी दिल्ली

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को आरोप लगाया कि पीएम नरेंद्र मोदी मोदी एवं गृह मंत्री अमित शाह द्वारा दी गई शेयर खरीदने की सलाह और फिर चुनाव के बाद आए झूठे एग्जिट पोल के कारण स्टॉक बाजार में सबसे बड़ा घोटाला हुआ है, जिसमें निवेशकों के 30 लाख करोड़ रुपये डूब गए.

उन्होंने कहा कि इस आपराधिक कृत्य में प्रधानमंत्री और गृह मंत्री और एग्जिट पोल करने वालों की भूमिका की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) का गठन किया जाए. राहुल गांधी ने संवाददाताओं से कहा, पहली बार हमने नोट किया कि चुनाव के समय प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और वित्त मंत्री ने स्टॉक बाजार पर टिप्पणी की...फिर एक जून को झूठे एग्जिट पोल आए. उन्होंने दावा किया कि भाजपा के आंतरिक सर्वे में 220 सीट मिल रही थी, लेकिन एग्जिट पोल में ज्यादा सीटें दिखाई गईं. राहुल गांधी का कहना था, तीन जून को स्टॉक बाजार सारे रिकॉड तोड़ देता है, चार जून को खटाक से नीचे चला जाता है. हजारों करोड़ रुपए का निवेश किया गया था.

▪ झूठे एग्जिट पोल के कारण निवेशकों के 30 लाख करोड़ रुपये डूब गए : राहुल गांधी

पीएम ने क्यों दी निवेश करने की सलाह?

राहुल गांधी ने सवाल पूछा, पीएम ने जनता को निवेश करने की सलाह क्यों दी. अमित शाह ने लोगों को शेयर खरीदने के लिए क्यों कहा. क्या बीजेपी और इन विदेशी निवेशकों के बीच कोई संबंध है तो क्या है. हम इसकी जेपीसी जांच की मांग करते हैं. नरेंद्र मोदी और अमित शाह की भूमिक की जांच हो. कांग्रेस नेता ने कहा, ये मामला काफी बड़ा मामला है. ये अडानी से संबंधित है, लेकिन बहुत बड़ा मसला है. इसका सीधा संबंध प्रधानमंत्री से है. बीजेपी के बड़े पदों पर बैठे लोगों ने ये घोटाला किया है.

हेमंत को चिंता, झारखंड को मणिपुर बनाने में जुटी है भाजपा

फादर स्टेन स्वामी की मौत का बदला है यह लोकसभा चुनाव: हेमंत

विशेष संवाददाता। रांची

पूर्व सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि हाल ही में संपन्न हुए लोकसभा चुनाव झारखंड के 84 वर्षीय जेसुईट पादरी और आदिवासी अधिकार कार्यकर्ता फादर स्टेन स्वामी की हिरासत में अनुचित मौत का बदला है. भाजपा झारखंड को मणिपुर बनाने में जुटी है. उक्त बातें हेमंत के फेसबुक अकाउंट से उनकी पत्नी कल्पना सोरेन ने साझा की है. पोस्ट में कहा गया कि इस राज्य को मणिपुर बनाये जाने की आशंका है. हेमंत के फेसबुक अकाउंट पर लंबा-चौड़ा पोस्ट के साथ उनकी और फादर स्टेन स्वामी की फोटो भी अपलोड की गयी है. पोस्ट में कहा गया है कि जो लोकसभा चुनाव संपन्न हुए, वह झारखंड के 84 वर्षीय जेसुइट पादरी और आदिवासी अधिकार कार्यकर्ता फादर स्टैन स्वामी की हिरासत में हुई अनुचित मौत का बदला है. उनकी मौत भारत की लोकतंत्र और मानवाधिकारों की स्थिति पर एक काला धब्बा है, उसका बदला लेने की यह शुरुआत है.

खास बातें

- हेमंत के फेसबुक पेज से कल्पना ने पोस्ट किया साझा
- हेमंत सोरेन के साथ भी ऐसा ही हो रहा है व्यवहार

हर झारखंडी को खड़े होने की जरूरत

दिवंगत स्टेन स्वामी। पूर्व सीएम हेमंत सोरेन.

फादर स्टेन की तरह हेमंत के साथ भी हो रहा जुल्म

पोस्ट में आगे कहा गया कि दशकों से आदिवासी समुदायों के अधिकारों के लिए वकालत व लड़ाई लड़ने वाले फादर स्टेन के उच्च आयु और पार्किंसंस रोग के बावजूद उन्हें भाजपा सरकार द्वारा लगाये गये झूठे आतंकवाद के आरोपों पर जमानत और समुचित चिकित्सा उपचार से वंचित रखा गया. पानी पीने के लिए 25 पैसे का स्ट्रॉ नहीं दिया गया. स्वामी की मौत मानवाधिकार कार्य का अपराधीकरण है. जेल की स्थितियों से बिगड़ते स्वास्थ्य के कारण, फादर स्टैन की दुर्भाग्यपूर्ण मौत 5 जुलाई, 2021 को हिरासत में हो गयी. उनकी मौत आतंकवाद के बहाने से विपक्ष और आदिवासियों को दबाने और मानवाधिकार कार्य को अपराधीकरण करने की भाजपा की नीति का उदाहरण है. जैसे सबसे कमजोर वर्ग के लिए आवाज उठाने वाले फादर स्टेन को संस्थागत उपेक्षा और अन्याय से चुप कराया गया. आज उसी तरह का जुल्म हेमंत सोरेन पर हो रहा है. कल्पना के मुताबिक, आज जरूरत है हर एक झारखंडी को हेमंत सोरेन के पक्ष में मजबूती के साथ खड़ा होने की, वरना ये झारखंड को मणिपुर बनाने से बाज नहीं आयेंगे.

बाबूलाल ने हेमंत पर कसा तंज, कहा-

'जेल के खेल' के खुद ही शिकार हो गए पूर्व सीएम

प्रमुख संवाददाता। रांची

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने पूर्व सीएम हेमंत सोरेन पर तंज कसा है. कहा है कि ईश्वर का न्याय देखिए कि जिस जेल के खेल को आपने शुरू किया, अपने कुकर्मों के कारण आप भी उसी खेल का शिकार हो गए. सोशल मीडिया एक्स पर बाबूलाल ने आगे लिखा है कि कि हेमंत सोरेन अब बेकार में ही मानवाधिकार और आदिवासी बंधुओं की चिंता में दुबले हुए जा रहे हैं. जब संथाल में सैकड़ों आदिवासी बेटियों को लव जिहाद में फंसाया गया, शरीर के टुकड़े-टुकड़े कर दिए गए, गाड़ियों से कुचला गया, तब आपको आदिवासियों की याद नहीं आई?

बैरक का सीसीटीवी फुटेज सार्वजनिक कराएं

बाबूलाल मरांडी ने सीएम चंपाई सोरेन को टैग करते हुए लिखा कि अगर हेमंत को जेल में कथित यातनाएं दी जा रही हैं, तो न्यायालय से अनुरोध कर वे अपने बैरक का सीसीटीवी फुटेज सार्वजनिक करवायें. जेल मैनुअल के अनुसार उन्हें सारी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए वे उनके पक्ष में खड़ा रहेंगे. चंपाई सोरेन सरकार को जेल मैनुअल के अनुसार सारी सुविधाएं देने के लिए मजबूर कर देंगे.

एक्शन में सरकार: तीन रिटायर हो चुके अफसरों पर चलेगी विभागीय कार्यवाही

भ्रष्टाचार की वैतरणी में डूबे राज्य सेवा के 13 अफसर, विभागीय एक्शन होगा

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड के ब्यूरोक्रेट्स ही नहीं बल्कि राज्य प्रशासनिक सेवा के अफसर भी भ्रष्टाचार की वैतरणी में डूब चुके हैं. चंपाई सरकार ने इन अफसरों के खिलाफ विभागीय कार्यवाही चलाने का निर्णय लिया है. राज्य सेवा के 13 अफसरों पर विभागीय एक्शन होगा. इन अफसरों के खिलाफ रैयतों की वंशावली में हेर फेर करने, मनरेगा में गड़बड़ी, जमीन का अवैध रूप से हस्तांतरण करने सहित कई गंभीर आरोप हैं. इनमें से तीन अफसर जो रिटायर हो चुके हैं, उनके खिलाफ भी सरकार ने विभागीय कार्यवाही चलाने का निर्णय लिया है. इन अफसरों रवींद्र कुमार सिंह, रविशंकर और मुकुंद दास के नाम शामिल हैं. जानिए अफसरों पर कैसे-कैसे लगे हैं आरोप.... पेश है रिपोर्ट

मनरेगा में जेसीबी के उपयोग का आरोप : मांडर के तत्कालीन बीडीओ गोपी उरांव पर कई गंभीर आरोप लगे हैं. गोपी उरांव पर स्वीकृत योजनाओं के पर्यवेक्षण में रुचि नहीं लेने, मनरेगा कार्य में जेसीबी का उपयोग करने का आरोप है. साथ ही डोभा के स्वीकृत और वास्तविक आकार में भिन्नता का आरोप है. मनरेगा मजदूरों की मजदूरी भुगतान में विलंब और प्रखंड में उपलब्ध कराए गए टैबलेट का उपयोग नहीं करने का भी आरोप है. राज्य सरकार ने गोपी उरांव के खिलाफ विभागीय कार्यवाही चलाने का निर्णय लिया है.

सजायाफ्ता को लाभ पहुंचाने का आरोप

राज्य सेवा के दो अफसरों पर सजायाफ्ता को लाभ पहुंचाने का आरोप है. इसमें स्कूली शिक्षा विभाग के तत्कालीन अवर सचिव अरविंद कुमार सिंह पर सजायाफ्ता प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी को अनुसचित तरीके लाभ पहुंचाने का आरोप है. वहीं राजेंद्र प्रसाद राजेश पर भी सजायाफ्ता को लाभ पहुंचाने का आरोप है. इन दोनों अफसरों के खिलाफ राज्य सरकार ने विभागीय कार्यवाही चलाने का निर्णय लिया है.

कर दी थी रैयतों की वंशावली में हेर-फेर

राज्य प्रशासनिक सेवा के अफसर महेंद्र मांझी के खिलाफ सरकार ने विभागीय कार्यवाही चलाने का निर्णय लिया है. साथ ही एक वेतन वृद्धि पर भी रोक लगा दी है. बोरियो के तत्कालीन सीओ महेंद्र मांझी पर रैयतों की वंशावली की सत्यता जांच किए बिना अग्रसारित करने और मुआवजा के लिए फाइल आगे बढ़ाने का आरोप है. आरोपों की जांच के बाद यह बात सामने आई कि भूमि का मुआवजा देने के लिए वंशावली बनाने में देरी की गई. साहिबगंज डीसी ने आरोप पत्र तैयार कर मुख्यालय में भेजा था.

कोडरमा के तत्कालीन सीओ पर होगा एक्शन

कोडरमा के तत्कालीन सीओ अशोक राम के खिलाफ सरकार ने विभागीय कार्यवाही चालने का आदेश दिया है. वहीं तत्कालीन भूमि सुधार उप समाहर्ता गोड्डा लखी राम बास्के को निंदन की सजा मिली है. अशोक राम के खिलाफ जमीन का सत्यापन किए बिना जमाबंदी धारकों के नाम से 24 एकड़ गैरमजरूआ खास भूमि का ऑनलाइन लगान रसीद निर्गत करने का आरोप है. इस मामले में कोडरमा डीसी ने आरोप पत्र गठित कर कार्रवाई की अनुशंसा की है. प्रथम दृष्टया आरोप प्रमाणित पाया गया है.

इन सात अफसरों पर भी चलेगी विभागीय कार्यवाही

राज्य प्रशासनिक सेवा सात अफसरों पर भी एक साथ विभागीय कार्यवाही चलाने का निर्णय लिया गया है. उनके पदस्थापन काल में अलग-अलग मामलों पर गड़बड़ी करने के आरोप है. जिन जगहों में ये अफसर पदस्थापित थे, उन जिलों के डीसी ने प्रपत्र क गठित कर सरकार को रिपोर्ट भेजी थी, जिसकी प्रथम दृष्टया जांच में आरोप प्रमाणित पाये गये. इसके बाद पूरे मामले को सीएम के पास भेजा गया था. कार्मिक विभाग ने इसका आदेश जारी कर दिया.

इन अफसरों को मिल चुकी है सजा

पदाधिकारी को प्रताड़ित किया, मिली चेतावनी

जामताड़ा की तात्कालीन बीडीओ अमृता प्रियंका एक्का पर प्रखंड पशुपालन पदाधिकारी प्रेमचंद को प्रताड़ित करने का आरोप लगा. उन्होंने प्रखंड पशुपालन पदाधिकारी को प्रताड़ित करने के उद्देश्य से उनके वेतन में कटौती कर दी. 14 वें वित्त आयोग की योजनाओं में रुचि नहीं ली. 17 दिन के अवकाश में रहने के बावजूद बिना सक्षम प्राधिकार से अवकाश स्वीकृत कराए बिना पद का दुरूपयोग करते हुए वेतन की निकासी की. साथ ही स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के कार्यों में रुचि नहीं ली. सरकार ने अमृता प्रियंका एक्का को भविष्य में सचेत रहने की चेतावनी दी है.

रिजेनरेशन के मामले को लंबित रखा, मिली चेतावनी

मनिका के तत्कालीन बीडीओ वीरेंद्र किड़ो पर भी गंभीर आरोप लगे. 2013 -14 से 2021-22 के बीच रिजेक्ट ट्रांजेक्शन की समीक्षा की गई, जिसमें मनिका में 33 रिजेक्ट ट्रांजेक्शन पाया गया. इसे रिजेनरेशन कराया जाना था, लेकिन इसे लंबित रखा गया. वीरेंद्र किड़ो को इसे शून्य करने का आदेश दिया गया था. इसके बाद भी सिर्फ 31 फीसदी ही रिजेनरेशन हो पाया. वीरेंद्र किड़ो को राज्य सरकार ने सचेत रहने की चेतावनी दी है.

आदेश की अवहेलना करने का आरोप, मिली निंदन की सजा

पोटका के तत्कालीन बीडीओ प्रभाष चंद्र दास पर उच्च पदाधिकारियों के आदेश की अवहेलना का आरोप है. इनके खिलाफ योजनाओं के क्रियान्वयन में उदासीनता बरतने का आरोप है. राज्य सरकार ने प्रभाष चंद्र दास को निंदन की सजा दी है.

गुणवत्ता की अनदेखी, दो वेतन वृद्धि पर रोक लगाई

राजनगर के तत्कालीन बीडीओ सुनील कुमार पर मनरेगा योजनाओं के क्रियान्वयन में प्राकलन के अनुसार काम नहीं कराने का आरोप है. इसके साथ ही उचित अनुश्रवण नहीं करने और गुणवत्ता की अनदेखी करने का भी आरोप है.

पशु शेड योजना में लापरवाही का आरोप, मिली निंदन की सजा

पाटन के तत्कालीन बीडीओ मनोज कुमार तिवारी पर पशुशेड योजना में मनमानी करने और लापरवाही बरतने का आरोप है. साथ ही मनरेगा में अयोग्य लाभुकों का चयन करने का भी आरोप है. राज्य सरकार ने मनोज कुमार तिवारी को निंदन की सजा दी है.

राशि भुगतान नहीं करने का आरोप, मिली चेतावनी

हेरहंज के तत्कालीन बीडीओ प्रदीप कुमार दास पर प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण में लापरवाही बरतने का आरोप है. उन्होंने 347 लाभुकों को पहली किश्त की राशि का भुगतान ही नहीं किया. आवास में कुल लक्ष्य 1511 के विरुद्ध सिर्फ 1201 परिवारों का ही निबंधन कराया. राज्य सरकार ने प्रदीप कुमार दास को सचेत रहने की चेतावनी दी.

अराजक माहौल के लिए जिम्मेवार, मिली निंदन की सजा

हुसैनाबाद के तत्कालीन बीडीओ लक्ष्मी नारायण किशोर पर अराजक माहौल के लिए जिम्मेवार होने का आरोप लगा. 2019 में लोकसभा चुनाव के दौरान लक्ष्मी नारायण किशोर ने चुनाव आयोग के निर्देशों का पालन नहीं किया, जिससे अराजक माहौल उत्पन्न हो गया. मतदान कर्मियों को समुचित व्यवस्था उपलब्ध नहीं करा पाए. सरकार ने लक्ष्मी नारायण किशोर को निंदन की सजा दी है.

ज्यादा नशीले पदार्थ मिलने पर डीआईजी स्थल जाएं : डीजीपी

संवाददाता। रांची

डीजीपी अजय कुमार सिंह ने नशा कारोबार के खिलाफ कार्रवाई को लेकर गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये समीक्षा बैठक की. इस बैठक में सभी जिलों के एसपी, एसएसपी, रेंज के डीआईजी और जोनल आईजी शामिल हुए. समीक्षा बैठक के दौरान डीजीपी ने निर्देश देते हुए कहा है कि जिस जिले में बड़े पैमाने पर नशीले पदार्थ की बरामदगी होगी, उस स्थान पर रेंज के डीआईजी को जाना अनिवार्य है. डीजीपी ने चतरा और खूंटी जिले में हो रहे नशीले पदार्थ के उत्पादन को लेकर नाराजगी जतायी. साथ ही दोनों जिले के एसपी को इस पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया. डीजीपी ने कहा कि जहां पर अफीम की खेती को नष्ट किया गया था, उसी स्थान पर फिर से अफीम की खेती हो रही है, इस पर भी कार्रवाई सुनिश्चित की जाये.

नशीले पदार्थों के उत्पादन को लेकर सवालों के घेरे में रहा है झारखंड

अफीम समेत अन्य नशीले पदार्थों के उत्पादन को लेकर झारखंड हमेशा सवालों के घेरे में रहा है. इसके उत्पादन और उपभोग में वृद्धि देखी गयी है. कई बार तो हाइकोर्ट ने भी संज्ञान लेते हुए कार्रवाई का निर्देश दिया है. झारखंड पुलिस के मुताबिक, बीते पांच सालों में करीब 2024 केस दर्ज किये गये हैं. अफीम उत्पादन और उपभोग के सबसे ज्यादा केस चतरा, पलामू, लातेहार और रांची में दर्ज किये गये हैं. जबकि एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स के जरिये उक्त कांडों में करीब 4949 लोगों की गिरफ्तार की गयी है. इस समस्या के समाधान के लिए दीर्घकालीन योजना तैयार की गयी है.

15 अधिकारियों की आईएएस संवर्ग में प्रोन्नति का रास्ता साफ

प्रमुख संवाददाता। रांची

राज्य प्रशासनिक सेवा के 15 अफसरों को आईएएस संवर्ग में प्रोन्नति का रास्ता साफ हो गया है. यह प्रोन्नति वर्ष 2023 की रिक्तियों के विरुद्ध दी जाएगी. इस राज्य प्रशासनिक सेवा के नौ और गैर प्रशासनिक सेवा के छह अफसर शामिल हैं.

यूपीएससी को भेजे जाएंगे 45 नाम : आईएएस संवर्ग में 15 अफसरों को प्रोन्नति देने के लिए यूपीएससी को 45 नाम भेजे जाएंगे. नियमतः एक पद के विरुद्ध तीन नाम भेजने का प्रावधान है. केंद्र ने इस संवर्ग पर 15 पदों पर प्रोन्नति देने के लिए मंजूरी दे दी है. केंद्र से मंजूरी मिलने के बाद कार्मिक विभाग ने सभी विभागों से योग्य अफसरों ऊर्जा विभाग, स्वास्थ्य, सहित अन्य विभागों से योग्य अफसरों का नाम मांगा गया है. जल्द ही यह सूची यूपीएससी को उपलब्ध करा दी जाएगी.

गैर प्रशासनिक सेवा से फिलहाल चार आईएएस हैं कार्यरत

झारखंड कैडर में गैर प्रशासनिक सेवा से आइएएस कैडर में प्रोन्नति पाए सिर्फ चार आईएएस ही कार्यरत हैं. इसमें मनोज कुमार, प्रभात कुमार, अजय नाथ झा और अक्षय कुमार सिंह के नाम शामिल हैं. वहीं राज्य प्रशासनिक सेवा से आइएएस कैडर में प्रोन्नति पाए 36 अफसर कार्यरत हैं. वहीं डायरेक्ट आइएएस अफसरों की संख्या 138 है.

44 आईएएस अफसरों की कमी है झारखंड में

राज्य में 44 आईएएस अफसरों की कमी है. राज्य में आईएएस संवर्ग के लिए 224 पद स्वीकृत हैं. इसमें वर्तमान में 180 अफसर ही कार्यरत हैं. इस हिसाब से 44 अफसरों की कमी है.

लैंड स्कैम केस

विनोद सिंह की अग्रिम बेल पर अब 19 जून को सुनवाई

संवाददाता। रांची

लैंड स्कैम केस के आरोपी झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के सहयोगी आर्किटेक्ट विनोद सिंह की अग्रिम जमानत पर अब 19 जून को सुनवाई होगी. गुरुवार की सुनवाई के दौरान ईडी की ओर से जवाब दाखिल करने के लिए समय देने का आग्रह किया गया, जिसे स्वीकार करते हुए कोर्ट ने अगली सुनवाई के लिए 19 जून की तारीख मुकर्रर की है. विनोद सिंह ने अपने अधिवक्ता के माध्यम से रांची पीएमएलए की विशेष कोर्ट में जमानत याचिका दाखिल की है. दरअसल ईडी ने हेमंत सोरेन से जुड़े लैंड स्कैम केस में प्रॉसिक्यूशन कम्प्लेन दायर की है, जिसपर कोर्ट ने संज्ञान भी ले लिया है. इस केस के प्रमुख आरोपी पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और बड़गाईं अंचल के हल्का कर्मचारी भानु प्रताप फिलहाल बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार में न्यायिक हिरासत में बंद हैं. अब आर्किटेक्ट विनोद सिंह और राजकुमार पाहन पर गिरफ्तारी की तलवार लटकने लगी है. क्योंकि अदालत ने विनोद सिंह और राजकुमार पाहन के विरुद्ध समन जारी कर दिया है.

खास बातें

- विनोद सिंह और राजकुमार पाहन को समन जारी
- मामले में दोनों की गिरफ्तारी भी हो सकती है

मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने मुख्य सचिव समेत सभी विभागों को दिया तैयारी का निर्देश

जुलाई में फिर शुरू होगा सरकार आपके द्वार

विशेष संवाददाता। रांची

लोकसभा चुनाव खत्म होते ही झारखंड सरकार हरकत में आ गयी है. मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने सरकार के अहम अभियान सरकार आपके द्वार कार्यक्रम शुरू करने जा रहे हैं. इसको लेकर मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव व सभी विभागीय सचिवों को निर्देश दिया है कि इसका ब्लू प्रिंट तैयार कर लें. बहुत जल्द अभियान को शुरू करने की लिए अहम बैठक होगी. मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद सचिवालय स्तर पर हलचलें तेज हो गयी हैं. बतातें चलें कि पूर्ववर्ती मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की महत्वाकांक्षी अभियान आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम की शुरुआत 12 अक्टूबर से शुरू की थी. अब तक कुल तीन चरण का अभियान चलाया जा चुका है,

मीटिंग में तय होगी तिथि

जुलाई में संभावित नगर निकाय चुनाव को देखते हुए सरकार मीटिंग की तिथि तय करेगी. पिछड़ा आयोग ने ट्रिपट टेस्ट अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंप दी है. सरकार का निर्देश आते ही आयोग ट्रिपल टेस्ट कराएगी. इसके बाद नगर निकाय चुनाव का बिगुल बज जाएगा. इसलिए सरकार आपके द्वारा की तिथि जुलाई में नगर निकाय चुनाव या फिर नगर निकाय चुनाव के बाद तय हो सकती है. इन सारी चीजों को लेकर मुख्यमंत्री जल्द ही बैठक करेंगे.

अब तक तीन चरण का अभियान चल चुका है

पूर्ववर्ती हेमंत सोरेन सरकार ने सरकार के तीन वर्ष का कार्यकाल पूरी होने के बाद 12 अक्टूबर 2022 से इस अभियान का शुभारंभ किया था, पहला चरण 12 अक्टूबर से 22 अक्टूबर तक चला था. दूसरा अभियान 2022 में ही 1 नवंबर से 12 नवंबर तक चला था. इस दोनों अभियान के तहत 55,44,554 आवेदन विभिन्न विभागों से संबंधित सरकार को प्राप्त हुए, जिसमें से 55,36,636 आवेदन निष्पादित कर दिए गए हैं. वहीं 7,918 आवेदन अभी प्रक्रियाधीन है. तीसरा चरण 24 नवंबर 2023 से 26 दिसंबर 2023 तक चला. इसमें सबसे अधिक मामले अबुआ आवास योजना के आए.

अभियान और शिविर में ये मामले आए

पंचायत और वार्ड स्तर पर आयोजित शिविरों में अबुआ आवास योजना, बिरसा सिंचाई कूप योजना, सामुदायिक और व्यक्तिगत वनपट्टा से संबंधित मामले, गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना का लाभ दिया जाएगा. इसके अतिरिक्त जाति, आय, जन्म, मृत्यु, दिव्यांगता प्रमाण पत्र में जरूरी संशोधन, भूमि से जुड़े मामले, आयुष्मान कार्ड, आम जनों के सामाजिक-आर्थिक बुनियादी जरूरतों से जुड़े मामले, सर्वजन पेंशन योजना, सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, किसान क्रेडिट कार्ड योजना, मुख्यमंत्री पशुधन योजना आदि की शिकायत का निवारण होगा.

क्लासिफाइड

विडंबना | 10 बोर्ड-निगम में अध्यक्ष ही नहीं, नौ बोर्ड निगम में आईएएस-आइईएफएस का कब्जा

कौन सुनेगा भ्रष्टाचार की शिकायतें, लोकायुक्त-सूचना आयुक्त ही नहीं

रवि भारती/ प्रवीण कुमार। रांची

झारखंड एक अजब राज्य है. हाल ऐसा है कि यहां पर भ्रष्टाचार की शिकायतों को सुनने वाला कोई नहीं है. तीन साल से अधिक समय गुजर गया, लेकिन झारखंड में लोकायुक्त की नियुक्ति नहीं हो पाई. लोकसेवकों के भ्रष्टाचार पर काबू पाने के लिए लोकायुक्त की नियुक्ति राज्य करते हैं.

झारखंड में भी लोकायुक्त बहाल होते रहे. अब तक तीन लोकायुक्त समय-समय पर झारखंड में नियुक्त हुए। अंतिम लोकायुक्त रिटायर्ड जस्टिस डीएन उपाध्याय थे. जून 2021 में तत्कालीन लोकायुक्त ने अस्वस्थता के कारण अपना दायित्व सचिव को सौंप दिया। उसी साल बाद में उनका निधन हो गया. तब से नये लोकायुक्त की नियुक्ति नहीं हो पायी है.

चार साल बाद भी सूचना आयुक्तों की नियुक्ति नहीं : लगभग चार साल गुजर जाने के बाद भी राज्य में सूचना आयुक्तों की नियुक्ति नहीं हो पाई है. सूचना आयुक्त हिमांशु शेखर चौधरी 8 मई 2020 को अपना कार्यकाल पूरा करने के बाद सेवानिवृत्त हुए थे. उसके बाद से ही राज्य सूचना आयोग निष्क्रिय है. एक मुख्य सूचना आयुक्त सहित छह आयुक्तों का सूचना आयोग में प्रावधान है. सभी छह पद मई 2020 से ही खाली पड़े हैं. सूचना आयोग में कोई काम नहीं होने से दफ्तर वीरान पड़ा है. जनवरी 2020 में हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली सरकार के कार्मिक प्रशासनिक सुधार और राजभाषा विभाग ने मुख्य सूचना आयुक्त और सूचना आयुक्तों के रिक्त पदों पर नियुक्ति का विज्ञापन निकाला था. करीब 300 आवेदन प्राप्त हुए थे. आवेदन मंगाने के तकरीबन चार साल बाद भी नियुक्ति के मुद्दे पर कोई प्रगति नहीं हो पायी है.

इन बोर्ड -निगम और आयोग में अध्यक्ष ही नहीं

झारखंड राज्य मानवाधिकार आयोग	इन बोर्ड निगम में आईएएस और आईएफएस हैं काबिज
झारखंड राज्य सूचना आयोग	जेएसएमडीसी
झारखंड राज्य विद्युत नियामक आयोग	**टीवीएनएल**
अनुसूचित जनजाति आयोग	झारखंड राज्य कर्मचारी चयन आयोग
झारखंड राज्य महिला आयोग	**झारखंड राज्य वित्त आयोग**
झालको	झारखंड फिल्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड
आरआरडीए	**झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड**
झारखंड राज्य खादी ग्रामोद्योग बोर्ड	झारखंड राज्य ऊर्जा विकास निगम
झारखंड राज्य समाज कल्याण बोर्ड	**डॉ रामदयाल मुंडा जनजातीय शोध संस्थान**
झारखंड शिक्षा न्यायाधिकरण	झारखंड राज्य लोक सेवा आयोग
लोकायुक्त	

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | धनबाद, शुक्रवार 07 जून 2024 ● ज्येष्ठ शुक्ल प्रतिपदा संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 3 ● वर्ष : 2, अंक : 59 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

ब्रीफ खबरें

डूबे बच्चों के परिजनों को मिलेंगे 4-4 लाख

पेटरवार : पेटरवार थाना क्षेत्र के पोड़दाग गांव में 29 मई को तालाब में नहाने गए तीन बच्चों की डूबने से मौत हो गई थी. इनमें दो सगे भाई थे. मृत बच्चों की पहचान गुलाम रसूल के दो बेटे आरिफ़ हुसैन (11 वर्ष) व तालिब हुसैन (8 वर्ष) तथा रितवरन महतो का इकलौता पुत्र विवेक कुमार महतो (9 वर्ष) शामिल है. उपायुक्त विजया जाधव के आदेश पर गुरुवार को आपदा राहत कोष से तीनों बच्चों के परिजनों को मुआवजा के रूप में 4-4 लाख रुपये देने की स्वीकृति दी गई. यह जानकारी जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी शक्ति कुमार ने दी.

रेल क्रॉसिंग से ही पार करें रेलवे लाइन : केके

धनबाद। धनबाद रेल मंडल में गुरुवार को अंतर्राष्ट्रीय लेबल क्रॉसिंग जागुरुकता दिवस मनाया गया.डीआरएम केके सिन्हा ने डीआरएम कार्यालय से लेकर धनबाद स्टेशन तक निकाली गई प्रभात फेरी का उद्घाटन किया. इस दौरान डीआरएम केके सिन्हा ने धनबाद स्टेशन में पंप्लेट का वितरण किया ,साथ ही नुक्कड़ नाटक का भी आयोजन हुआ. डीआरएम धनबाद रेल मंडल केके सिन्हा ने कहा कि कोई भी लोग गाड़ी से रेलवे लाइन वहीं से पार करें, जहां रेलवे क्रॉसिंग उपलब्ध हो. मंडल रेल प्रबंधक ने लोगों को जागरूक करते हुए कहा कि रेलवे फाटक पर जान जोखिम लेने का कोई जरूरत नहीं है, कुछ पल का इंतजार से लोगों को जिंदगी बचाया जा सकता है.

बीसीसीएल : 41 करोड़ के प्रोजेक्ट पर मंजूरी

धनबाद. बीसीसीएल मुख्यालय में गुरुवार को बोर्ड की बैठक में कई महत्पूर्ण प्रस्ताव की मंजूरी मिली.इस दौरान 16 करोड़ की सीएसआर योजना के प्रस्ताव पर बोर्ड ने अपनी सहमती दी. बीसीसीएल की उन्नति को लेकर बोर्ड में 41 करोड़ के नए प्रोजेक्ट पर मंजूरी दी गई.जानकारी के अनुसार सीएसआर पर करोड़ों रुपया की मंजूरी से जहां कई लाभदायक योजना पर सीधे जरूरतमंद को लाभ मिलेगा.बैठक के दौरान बीसीसीएल के सीएमडी समीरन दत्ता के अलावा सभी निदेशक मौजूद थे.

बीसीसीएल कर्मी गंभीर रूप से घायल

महुदा । महुदा थाना अन्तर्गत महुदा मोड़ स्थित फॉर लेन सड़क के समीप अज्ञात वाहन द्वारा पीछे से धक्का मारने से बीसीसीएल कर्मी सीताराम दास गंभीर रूप से घायल हो गए . स्थानीय लोगों ने एंबुलेंस के माध्यम से उसे ईलाज के लिए बोकारो के हस्पताल ले गए . प्रत्यक्षदर्शी लोगों ने बताया कि सुबह करीब 7.30 बजे पिंड्राजोरा थाना क्षेत्र के नारायणपुर गाँव का रहने वाला सीताराम दास अपने मोटरसाइकिल पर मुनीडीह कॉल वाशरी ड्युटी में जा रहा था. तभी पीछे से आ रही एक भारी वाहन ने टक्कर मार दी.

खाकी का जश्न : थानेदार के ठुमकों का वीडियो वायरल, एसपी ने कहा कराएंगे जांच

झामुमो के विजय जुलूस में थानेदार ने जमकर लगाए ठुमके

संवाददाता। दुमका

दुमका लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से नलिन सोरेन के निर्वाचित होने पर 05 जून को कुंडहित में झामुमो की ओर से विजय जुलूस निकाली गई थी. इस दौरान कुंडहित थाना प्रभारी सुरेश दूबे भी जुलूस में लॉ एंड ऑर्डर संधारण के लिए मुस्तैद थे. वह भी विजय जुलूस के रंग से सरोबर नजर आए. झामुमो कार्यकर्ताओं ने उन्हें भी हरे रंग का अबीर गुलाल लगा दिया. इस बीच विजय जुलूस में शामिल एक झामुमो कार्यकर्ता ने डांस दिखाने का आग्रह किया. इसके बाद थाना प्रभारी भी डीजे की धुन पर जमकर थिरकने लगते हैं. इधर किसी ने थाना प्रभारी के थिरकने का वीडियो बन लिया.गुरूवार को यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. इस संबंध में एसपी अनिमेष नैथानी ने झामुमो के विजय जुलूस में कुंडहित थाना प्रभारी के थिरकने के कथित वायरल वीडियो पर कहा कि वीडियो कब का है, इसकी सत्यता की जांच कराई जाएगी.

दुमका लोकसभा में नलिन सोरेन की जीत पर निकाला गया था जुलूस

कार में मोबिल फेंक कर कहा, आग लग गई

गोविंदपुर । गोविंदपुर बाजार में सरकारी अस्पताल के आगे जीटी रोड पर गुरुवार शाम बाइक सवार तीन युवकों ने पवन उद्योग आमाघाटा के संचालक महेश भुकानिया की कार पर मोबिल फेंक दिया.और कहने लगे कि आग लग गई है, उक्त बाइक सवार युवकों ने रतनपुर तक पीछा किया, परंतु भुकानिया ने गाड़ी नहीं रोकी और आगे बढ़ते चले गए. उन्होंने बताया कि वह बुधवार शाम शाम 7:00 बजे के आसपास पवन उद्योग आमाघाटा से पश्चिम बंगाल के बराकर जाने के लिए निकले थे. गोविंदपुर ऊपर बाजार मोड़ से बाइक पर सवार तीन युवकों ने उनका पीछा करना शुरू किया और गोविंदपुर बाजार में उनकी गाड़ी पर मोबिल फेंक दिया1 फिर हल्ला करते हुए आगे बढ़ते गए, परंतु उन्होंने युवकों की मंशा को भांप लिया और गाड़ी नहीं रोकी.

शर्मनाक मां पर जहर देकर मारने का आरोप, हो रही पूछताछ

5 साल के बेटे को मां ने उतारा मौत के घाट!

- गोमो के चैता गांव का मामला, पंद्रह दिनों में दो बच्चों की रहस्यमयी हालत में मिली लाश
- सास को चूड़ा लाने दुकान भेजा, वापस लौटी तो पड़ी थी पोते की लाश, गायब थी बहू
- परिजनों का आरोप प्रेम प्रसंग में महिला उठा रही कदम, रिश्तेदार के घर से पुलिस ने पकड़ा

संवाददाता। गोमो

हरिहरपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत चैता गांव में बुधवार की शाम मां के नाम को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है. एक मां के खिलाफ अपने ही पांच साल बेटे की हत्या का आरोप लगा है. पंद्रह दिनों पूर्व भी उसके एक और बेटे की संदिग्ध हालात में मौत हो गई. वारदात के बाद फरार मां को पुलिस ने रिश्तेदार के घर से पकड़ा है. उससे पूछताछ की जा रही है. दोनों बच्चों की मौत में मां का हाथ होने का आरोप लगाया जा रहा है. प्रेम प्रसंग में महिला द्वारा ऐसी हरकत की बात कही जा रही है.

मिली जानकारी के अनुसार चैता गांव निवासी दैनिक राज मिस्त्री पशुपति कर्मकार की पत्नी पायल देवी ने अपने बेटे सनी कर्मकार (5) को जहर देकर मौत के नींद सुला दिया और घर से फरार हो गयी. पशुपति की बूढ़ी मां ने पडोसियों की मदद से पुत्र पशुपति कर्मकार और अपनी बड़ी बेटी सुनीता देवी को सूचना दी. तत्काल ये लोग घर पहुंचे और आनन-फानन खाट में पडे.बच्चे को उठा कर कतरास अस्पताल ले जाया गया है. जहां चिकित्सक ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया. वापस आकर पति पशुपति कर्मकार उर्फ राजू और उसकी बडी बहन सुनीता देवी ने मामले की जानकारी हरिहरपुर पुलिस को दी. पशुपति ने पत्नी पायल देवी द्वारा बच्चे की हत्या कर देने की आरोप लगाया. पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए धनबाद भेजा. इसके बाद कार्रवाई करते हुए पत्नी पायल देवी को आमटाड़ (खरियो) से एक रिशतेदार के यहां थी, वहां से उसे हिरासत में लिया. इधर घर में खोजबीन के क्रम में परिवार वालों को कुछ संदिग्ध दवाइयां मिली हैं, जिन्हें वे पुलिस को ले जाकर सौंप दिया.

आरोपी महिला और इंसेट में मिली दवाई

मृत बच्चे की फाईल फोटो

काम करने गया था पिता

सुनीता देवी ने बताया कि उसका भाई पशुपति कर्मकार काम करने बाहर गया था. घर पर उसकी पत्नी पायल देवी और बूढ़ी मां थी. शाम चार बजे पायल देवी ने मां को 10 रु देकर चूड़ा लाने के लिए राशन दुकान भेज दिया. कुछ देर बाद मां वापस लोटी तो बच्चा सनी बेसुध खाट पर पड़ा था. वह कुछ बोल नहीं रहा था और पायल देवी गायब थी. सूचना पाकर जब वो घर पहुंची और बच्चे को उठा कर कतरास अस्पताल ले गई. जहां चिकित्सकों ने उसे मृत बता दिया. वापस लौट कर घटना की सूचना हरिहरपुर थाना पुलिस को दी गई.

पंद्रह दिनों में दो बेटों की संदिग्ध मौत

इधर पायल देवी ने बताया कि बच्चे को हिचकी आ रही थी. इसके बाद उसकी मौत खुद ब खुद हो गई. वहीं परिजनो ने बताया कि 15 दिन पूर्व उसके एक ओर तीन वर्षीय पुत्र की भी इसी तरह मौत हूई थी. संभवत उसकी भी हत्या कर दी गई थी.

इस तरह 15 दिन के दौरान दो बच्चों की मौत ने समाज को झकझोर दिया है. आरोप लगाया गया है पायल देवी का किसी अन्य व्यक्ति से प्रेम प्रसंग है. इस कारण अपने प्यार के लिए रास्ता साफ करने के इरादे से दोनों बच्चों की हत्या की गई है.

हर बिंदु पर हो रही पड़ताल : थानेदार

हरिहरपुर थाना प्रभारी गिरधर गोपाल ने बताया कि बच्चे के शव पोस्टमार्टम के लिए धनबाद भेजा गया है. पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का पता चल पायेगा. फरार पायल देवी को पकड़ लिया गया है. उससे पूछताछ में जुटी है. हर बिंदु पर पुलिस पड़ताल कर रही है.

माहुरी वैश्य मंडल का सम्मान समारोह

कतरास। माहुरी वैश्य मंडल कतरास के तत्वाधान गुरुवार को माहुरी समाज भवन में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया. जिसमें 10 प्लस टू के कॉमर्स जिला टॉपर एवं राज्य में तीसरा स्थान प्राप्त करने वाले संकेत गुप्ता के अलावे 32 छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र एवं शील्ड देकर सम्मानित किया गया .मौके पर समाज के केंद्रीय अध्यक्ष राजेश गुप्ता मंत्री राजकुमार गुप्ता, कतरास शाखा के अध्यक्ष बबलू गुप्ता,सचिव नीरज कुमार गुप्ता, निवर्तमान पार्षद विनायक गुप्ता, प्रकाश राम गुप्ता अधिवक्ता अवधेश प्रसाद गुप्ता बाल गोविंद गुप्ता, संजय गुप्ता, दिलीप गुप्ता, रजनीश गुप्ता,संदीप गुप्ता, राजेश गुप्ता महिला समिति के सचिव शिखा गुप्ता, रुचि गुप्ता, रजनी गुप्ता, संगीता गुप्ता, सुधा गुप्ता,अर्चना गुप्ता, शिल्पी गुप्ता, रेणू सेठ, दीप्ति गुप्ता, नीतू गुप्ता,संगीता सेठ सुनील गुप्ता राजेश गुप्ता रिंकू गुप्ता रमेश गुप्ता, राजीव गुप्ता अभिजीत कंधवे बबलू गुप्ता राजेश गुप्ता रोहित गुप्ता आदि उपस्थित थे. मंच का संचालन रजनी गुप्ता एवं रेखा गुप्ता ने की.

गोड्डा में पेड़ से लटका मिला नाबालिग प्रेमी युगल का शव

संवाददाता। गोड्डा

आम के बगीचा में पेड़ से लटकता एक प्रेमी युगल का शव बरामद किया गया है. घटना गोड्डा जिला के मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के अमडीहा स्थित आम बगीचा की है. गुरुवार की सुबह ग्रामीणों द्वारा पेड़ से झूलते हुए दो लाश को देखे जाने के बाद इसकी खबर फैल गई. दोनों की पहचान सोहिल राऊत के पुत्र छोटू एवं एक नाबालिग के रूप में की गई. ग्रामीणों के अनुसार दोनों नाबालिग हैं. लड़के का परिवार बाहर से आकर इस गांव में बसा था. घटना की क्या वजह है, यह स्पष्ट नहीं हो पाई है. घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चा है. मामला आत्महत्या का है या हत्या का इसपर पुलिस जांच कर रही है. घटना की जानकारी पर सदर एसडीपीओ जेपीएन चौधरी पुलिस निरीक्षक मधुसूदन मोदक और थाना प्रभारी ने पहुंचकर घटनास्थल का आवश्यक पड़ताल किया. पुलिस के अनुसार मामला प्रथम दृष्टया आत्महत्या का प्रतीत होता है. पोस्टमार्टम के बाद ही मामले का खुलासा हो सकेगा.

खास बातें

- गोड्डा के मुफ्फसिल थाना क्षेत्र अमडीहा की वारदात
- हत्या या आत्महत्या का संदेह, छानबीन में जुटी पुलिस

पत्नी कर रही थी लंबी उम्र की प्रार्थना, पति ने लगा ली फांसी

मधुबन के सिनीडीह का मामला, पत्नी का रो-रो कर बुरा हाल

संवाददाता। मधुबन

मधुबन थाना क्षेत्र के सिनीडीह पंचायत के उपर चौहान धौडा शिव मंदिर के पास रहने वाले मनोज चौहान का पुत्र 22 वर्षीय रवि चौहान नामक युवक ने गुरुवार को अपने ही आवास के कमरे में दुपट्टे से झूलकर अपना जीवन लीला समाप्त कर लिया. घटना के वक्त उसकी पत्नी महिलाओं के साथ गांव के बगल में बट वृक्ष के नीचे पति की लंबी उम्र के लिए पूजा कर रही थी.घटना से आस पास के माहौल गमगीन हो गया. पत्नी पूजा कुमारी सात महीने के गर्भवती है. पति की मौत की खबर पाकर पूजा समेत उसके स्वजनों का रो-रो कर बुरा हाल था. रवि लोकल सेल में काम करता था. दो वर्ष पूर्व प्रेम विवाह कर पत्नी के साथ रहता था. रवि की मौत कारण प्रथम दृष्टया आपसी गृहकलह को लेकर आत्महत्या बताई जा रही है. इधर घटना की सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर कर पोस्टमार्टम के लिये धनबाद भेज दिया है.घटना को लेकर कहा जा रहा है कि रवि शादी के बाद अपने माता-पिता से अलग अपनी पत्नी पूजा के साथ रहता था और नशे का आदी था, इसलिये पत्नी के साथ वाद-विवाद होते रहता था. दिन के दस बजे पत्नी पूजा कुमारी पूजा के लिये घर से बाहर गयी हुई थी. इसी बीच पड़ोस के बच्चों ने युवक को उसके कमरे में फंदे लटकता हुआ देखकर शोर मचा दिया. शोर सुनकर आस पड़ोस के लोगों ने मौके पर पहुंचकर युवक को फंदे से नीचे उतारा लेकिन तबतक उसकी मौत हो चुकी थी. इस संबंध में मधुबन थाना प्रभारी जयप्रकाश ने बताया कि मामले में जांच पड़ताल की जा रही है.फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया गया है.पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी.

रवि

रोती बिलखती पत्नी

उपलब्धि कुसुंडा एरिया उत्पादन में लगातार शीर्ष पर विराजमान, दूसरे स्थान पर बस्ताकोला एरिया

बीसीसीएल में हर दिन एक लाख 19 हजार टन से अधिक उत्पादन

ओम प्रकाश । धनबाद

- नियमित उत्पादन में फिर बीसीसीएल ने की बढ़ोतरी
- चालू वित्तीय वर्ष में रिकार्ड उत्पादन करेगा बीसीसीएल

बीसीसीएल ने अपने नियमित वर्तमान उत्पादन दर में एक बार फिर बढ़ोतरी की है. एक और जहां प्रतिदिन बीसीसीएल का उत्पादन एक लाख 19 हजार टन का उत्पादन क्रॉस कर रहा है .इसके साथ कुसुंडा एरिया उत्पादन में बीसीसीएल में आज भी नंबर एक की कुर्सी पर कायम है. वैसे ऐसी संभावना है कि पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में बीसीसीएल इस वर्ष रिकॉर्ड कोयला उत्पादन करेगा.

2024-25 में 45 मिलियन टन उत्पादन का लक्ष्य

सीआईएल द्वारा 2024-2025 के बीच निर्धारित कोयला उत्पादन का टारगेट 45 मिलियन टन निर्धारित किया गया है लेकिन बीसीसीएल की वर्तमान प्रदर्शन से ऐसा अनुमान है कि कंपनी बड़ी आसानी से 50 मिलियन टन से ज्यादा कोयला उत्पादन करेगा .मालूम हो कि सीआईएल में बीसीसीएल सबसे छोटा कंपनी है. जो अपने रिकॉर्ड कोयला उत्पादन के बल पर एक अलग पहचान बनाता है. बीसीसीएल पूरे कोल इंडिया में 90 प्रतिशत से ज्यादा कोकिंग कोल का उत्पादन करता है.

कुसुंडा एरिया उत्पादन में अव्वल

बीसीसीएल का उत्पादन एक और जहां प्रतिदिन एक लाख 19 हजार टन से ज्यादा हो रहा है. वहीं कुसुंडा एरिया सभी बारह एरिया में अपने कोयला उत्पादन के बल पर बीसीसीएल में शीर्ष पर विराजमान हैं .बीसीसीएल मुख्यालय के स्टैटिक रिपोर्ट के अनुसार कुसुंडा एरिया का प्रतिदिन का उत्पादन 18 हजार क्रॉस कर रहा है .वहीं दूसरे नंबर पर बस्ताकोला एरिया जिसका उत्पादन भी 18 हजार टन प्रतिदिन हो रहा है .इसके साथ तीसरे नंबर पर बरोरा एरिया है. जिसका उत्पादन प्रतिदिन 17 हजार टन से ज्यादा आंका जा रहा है. जानकारी के अनुसार इन तीनों एरिया के बदौलत पिछले वर्ष भी बीसीसीएल का प्रदर्शन सीआईएल में बेहतरीन हुआ था.

एक भी मजदूर की छंटनी नहीं करेंगे बर्दाश्त : ढुल्लू

- बोकारो स्टील प्लांट के गेट पर पहुंचकर मजदूरों का जताया आभार

संवाददाता । बोकारो

धनबाद लोकसभा के नव निर्वाचित सांसद ढुल्लू महतो चुनाव जीतने के बाद पहली बार गुरुवार को बोकारो पहुंचे. यहां उन्होंने सुबह में बोकारो स्टील प्लांट के गेट पर पहुंचकर ड्यूटी जा रहे मजदूरों से मुलाकात की और चुनाव में समर्थन देने के लिए आभार जताया. इसके बाद दिल्ली के लिए रवाना हो गए. ढुल्लू ने कहा कि उन्हें बीएसएल के मजदूरों की समस्याओं की जानकारी है. ठेका मजदूरों के शोषण से भी अवगत हूं. ठेका मजदूरों की मेडिकल जांच पर कहा कि यदि यह जांच मजदूरों को स्वस्थ रखने के ख्याल से हो रही है, तो स्वागत है, लेकिन यदि छंटनी की साजिश है, तो प्रबंधन कान खोलकर सुन ले, एक भी मजदूर की छंटनी नहीं होने दूंगा. ठेका मजदूरों के साथ भेदभाव व प्रताड़ना बर्दाश्त नहीं की जाएगी. उन्होंने मजदूरों के सुख-दुख में हमेशा साथ देने का वादा किया. विस्थापन की समस्या के समाधान का भी आश्वासन दिया. मौके पर जनता मजदूर सभा के अध्यक्ष साधु शरण गोप, प्रेम कुमार, संदीप कुमार, घनश्याम गोप, शंकर महथा, विस्थापित नेता सहदेव साव, बैद्यनाथ बेसरा, फूलचंद मंडल, मनोज सिंह, वकील अग्रवाल, टीना सिंह, शिबू महतो, माना सिंह, राजेश महतो, टीडी मंडल, मंटू राय, सुनीता देवी,उमाशंकर गोप आदि उपस्थित थे.

सुहागिनों ने की उल्लास के साथ वट सावित्री की पूजा

गोमो में वट सावित्री पूजा

परिसदन में पूजा करती महिलाएं

संवाददाता ।गोमो

रेल नगरी गोमो में वट सावित्री पूजा उल्लास के साथ मनायी गयी. रेल नगरी गोमो के कुमार वाटिका, काली पाडा, रेलवे फुटबॉल मैदान चौक, लोको कॉलोनी, बिशुनपुर ,आदि वट वृक्ष पूजा स्थल पर सुहागिन महिलाओं की भारी भीड़ रही. इस दौरान सुहागिन महिलाएं सुबह स्नान कर नव वस्त्र धारण कर इस व्रत को आरंभ करती हैं. मान्यताओं के अनुसार वट वृक्ष में मौली सुता बांधते हुए परिक्रमा की ताड़ के पंखे से वट वृक्ष को हवा देते हुए पति के लंबी आयु का आशीर्वाद लिया. इस दौरान महिलाओं ने सत्यवान-सावित्री के साथ यमराज की कथा सुनी. कथा सुनने के बाद महिलाओं ने वट वृक्ष में सूत को चारों ओर परिक्रमा कर लपेटा और पूजा अर्चना कर अपने पति की लम्बी आयु की कामना की. पूजा करवा रहे पंडित सुबोध कांत पांडेय,कौशल किशोर पांडेय ने बताया की यह पर्व महिलाओं के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है. इस दिन सुहागिन अपने पति की लंबी उम्र और सुखद वैवाहिक जीवन के लिए ये व्रत रखती हैं.

लोयाबाद में वट सावित्री पूजा करती महिलाएं

धनबाद

धनबाद

ब्रीफ खबरें

मटकुरिया गोलीकांड की सुनवाई

धनबाद। मटकुरिया गोलीकांड की सुनवाई जिला एवं सत्र न्यायाधीश दुर्गेश चंद्र अवस्थी के अदालत में हुई.सुनवाई के दौरान कांड के आरोपी पूर्व मंत्री बच्चा सिंह, मन्नान मल्लिक, व अन्य हाजिर नहीं थे. अपर लोग अभियोजक समिति प्रकाश ने गवाह पेश करने के लिए समय की याचना कीअदालत ने अभियोजन को गवाह पेश करने का आदेश देते हुए शुक्रवार की तारीख निर्धारित की है. मालूम हो कि 27 अप्रैल 11 को मटकुरिया में बीसीसीएल के आवासों को अतिक्रमण से मुक्त कराने गये पुलिस बल के साथ आंदोलनकारियों की हिंसक झड़प हुई थी. घटना में तत्कालीन एसपी आरके धान जख्मी हो गए थे. विकास सिंह समेत चार लोगों की मौत हो गई थी.

शीतल जल पिलाने वालों को सम्मान

पश्चिम वर्द्धमान एकता वेलफेयर सोसाइटी की ओर से विगत 6 मई से 6 जून तक एक महीने कुल्टी क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में ठंडे पानी के कैंप का आयोजन किया था. प्रत्येक कैंप सुबह आठ बजे से संध्या छह बजे तक चलाया जाता था. कैंप में महिला सेवा कार्यकर्ता की टीम द्वारा राह चलते लोगों को भीषण गर्मी में ठंडा शीतल पेय जल, गुड़ बताशा देकर उनकी प्यास को बुझने का कार्य किया गया. गुरुवार को उन कैंपों का समापन हो गया. इन पेयजल कैंप में अपना पूर्ण योगदान देने वाली सभी वॉलेंटियर को संस्था की ओर से सम्मानित किया गया. इस मौके पर पार्षद रोहित नोनिया ने कहा कि पिछले एक महीने से पश्चिम वर्द्धमान एकता वेलफेयर सोसाइटी की तरफ से ठंडे पानी का कैंप लगाया गया था.

अपहरण व दुष्कर्म के आरोपी को 20 वर्ष कैद

धनबाद। नाबालिग को शादी की नीयत से अपहरण कर दुराचार करने के आरोपी सरायढेला थाना क्षेत्र के कोलाकुसमा निवासी करण धीवर को पोक्सो के विशेष न्यायाधीश प्रभाकर सिंह की अदालत ने 20 वर्ष की कैद एवं 15 हजार रुपए जुर्माना से दंडित किया है. आरोपी फिलहाल न्यायिक हिरासत में जेल में बंद है. आरोपी के खिलाफ पीड़िता के पिता द्वारा बलियापुर थाना में 19 अक्टूबर 2023 को प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी. आरोप लगाया था कि उसकी 13 वर्ष से नाबालिग पुत्री 17 अक्टूबर 2023 को दिन के 12:00 बजे घर से बलियापुर जाने की बात कह कर निकली थी. उसे पता चला कि उसकी नाबालिग पुत्री गांव के ही सुंदरा मुखर्जी के साथ गई थी. सुंदरा मुखर्जी से पूछताछ करने पर उसके द्वारा कोई जवाब नहीं दिया गया.

कचड़ा उठाव बंद होने से लोग परेशान

चिरकुंडा। चिरकुंडा नगर परिषद क्षेत्र में पायनियर कंपनी के कर्मियों ने कुछ सफाई कर्मियों की छंटनी व वाहन में डीजल कम देने के विरोध में नगर परिषद क्षेत्र में कचड़ा उठाव गुरुवार की सुबह से बंद कर दिया. इस कारण क्षेत्र के लोगों को परेशानी झेलनी पड़ रही है. सफाई कर्मियों ने बताया कि कंपनी के पदाधिकारी कर्मियों की छंटनी की जाएगी. गुरूवार की सुबह कचड़ा उठाव करने वाले वाहनों में कंपनी के लोगों द्वारा डीजल कम दिया जाने लगा. कर्मियों ने विरोध स्वरूप वाहनों को नगर परिषद कार्यालय में लाकर खड़ा कर दिया और कचड़ा का उठाव नहीं हुआ.

आक्रोश ग्रामीणों ने जेसीबी में की तोड़फोड़, मशीन चलाने वालों को भी खदेड़ा

अवैध खनन स्थल में तस्कर व ग्रामीणों में बवाल

खास बातें

- दोनों पक्षों में तनाव कायम, ओपी प्रभारी ने कहा कि हमको नहीं पता है

झरिया । सूत्रों के अनुसार बोरागढ़ ओपी क्षेत्र के कपूरगढ़ा अवैध खनन स्थल में जेसीबी से कार्य के दौरान बुधवार की रात कोयला तस्कर और स्थानीय ग्रामीणों के बीच मारपीट हो गई. इस दौरान अवैध खनन का विरोध कर रहे लोगों ने जेसीबी का शीशा तोड़ दिया. साथ ही जेसीबी मशीन चला रहे लोगों को खदेड़ दिया. दोनों पक्षों के तनाव के कारण यहां का माहौल तनाव है. ईजे एरिया के महाप्रबंधक धर्मेंद्र मित्तल के निर्देश पर सेफ्टी आफिसर प्रताप सिंदे व आंतरिक सुरक्षा विभाग के प्रभारी कार्तिक पंडित के दो सदस्यीय टीम कपूरगढ़ा अवैध खनन स्थल पहुंची. इनलोगों ने पाया कि यहां अवैध खनन की तैयारी की जा रही है. टीम ने महाप्रबंधक को जांच रिपोर्ट सौंपी.जहां स्थानीय प्रबंधन ने इस अवैध खनन स्थल की डोजरिंग कर भराई कर दी. बता दें कि कुछ कोयला तस्कर यहां अवैध खनन करने के लिए मुहाने की साफ सफाई करवा रहे थे.रात में तस्कर जेसीबी लगाकर मिट्टी साफ कर रहे थे. तभी वहां कुछ लोग वहां पहुंच विरोध करने लगे. इस दौरान दोनों ओर से धक्का मुक्की होने लगी. विरोध करनेवाले लोग जेसीबी का शीशा तोड़ दिया. इसके बाद जमकर मारपीट हुई. सनद हो कि बुधवार को चार माह के बाद कोयला तस्कर कपूरगढ़ा जंगल मे अवैध खनन शुरू करने के मंशा से मोटर पंप से जल निकासी कर रहे थे.यहां पूर्व में अवैध खनन के दौरान दो लोगों की मौत हो चुकी है. बावजूद इसके ना तो प्रबंधन ना ही पुलिस चेती है. यहां तस्कर अपनी रैयत जमीन बताकर अवैध खनन कर रहे हैं.इस खनन स्थल को लेकर हमेशा विवाद होता रहा है. वहीं बोर्रागढ़ प्रभारी ने कहा कि मारपीट की सूचना नहीं है.किसी कीमत पर अवैध खनन नहीं होने दिया जाएगा.

अलकडीहा में अवैध उत्खनन, प्रबंधन ने चलाया बुलडोजर

झरिया । अलकडीहा ओपी के सुरुँगा शिव मंदिर के समीप चल रहे अवैध उत्खन्न स्थल पर गुरुवार को जिला खनन पदाधिकारी बी बी प्रामाणिक के नेतृत्व में छापामारी की गई . इस दौरान सीआईएसएफ के अधिकारी, बीसीसीएल प्रबंधन और अलकडीहा ओपी पुलिस मौजूद थी . छापामारी होते ही अवैध उत्खनन में लगे लोग और कोयला तस्कर भाग खड़े हुए .अवैध मुहानों की भराई कराई गई . चर्चा है कि शुक्रवार को भी भराई कराई जाएगी . इस घटना के बाद से कोयला तस्करों में हड़कंप मचा हुआ है . बताते हैं कि सुरुँगा शिव मंदिर के समीप एक बार फिर से अवैध उत्खनन कोयला तस्करों द्वारा शुरू करा दी गई है . अवैध उत्खनन की सूचना किसी ने जिला खनन पदाधिकारी को दी थी . उनके नेतृत्व में टीम गठन किया गया और छापामारी की गई . छापामारी होते ही कोयला तस्कर और चोर भाग खड़े हुए . बताते हैं कि इन दिनों अलकडीहा ओपी में धड़ल्ले से कोयला चोरी जारी है .चोरी का कोयला एक स्थानीय भट्टे में खपाया जा रहा है . वहां से रात के समय ट्रक के माध्यम से बाहर भेजा जा रहा है . सुरंगा के अलावे सेठ कोठी और गुड़-गुड़िया में अवैध उत्खनन चल रहा है .

लोयाबाद पुलिस व सीआईएसएफ ने किया बीस टन कोयला जब्त

लोयाबाद । पुलिस एवं सीआईएसएफ टीम संयुक्त रूप से गुरुवार को कोयला तस्करी के खिलाफ छापेमारी अभियान चलाकर बीस टन कोयला जब्त किया है . अचानक हुई कार्रवाई से कोयला चोरों में हड़कंप मच गया . टीम ने लोयाबाद थाना क्षेत्र के गोपा ग्राउण्ड और सेन्द्रा 10 नम्वर से बीस टन के आसपास कोयला जब्त किया है .जब्त कोयले को सेन्द्रा बांसजोड़ा कोलियरी को सूपूर्द कर दिया गया . लोयाबाद थाना प्रभारी सत्यजीत कुमार से बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर एएसआई हीरालाल दास एवं सीआईएसएफ क्राईम ब्रांच की टीम ने पुलिस संयुक्त रूप से छापेमारी कोयला बरामद किया है . सीआईएसएफ अधिकारी ने बताया कि सेन्द्रा और गोपा ग्राउण्ड से लगभग 15 टन के आस पास के झाड़ियों छिपाकर कर रहे कोयला को बरामद किया गया है .जो बीसीसीएल को सौंप दिया गया .

कोयला तस्करों पर पुलिस मेहरबान

चाल गिरने की खबर पाकर पहुंची पुलिस ने सिर्फ पूरा किया कोरम

संवाददाता ।कतरास/बरोरा

सोनारडीह ओपी अंतर्गत कोरिडीह के तीन नंबर बंद खदान में गुरुवार को चाल धरने की खबर इलाके में जंगल की आग की तरह फैल गई. यहां कोयला तस्करों के द्वारा बंद खदान का मुहाना खोलकर कोयला कटाई करवाया जा रहा था. इसी दौरान चाल धरने की बात कही जा रही है. खबर पाकर आनन-फानन में पहुंची बीसीसीएल अधिकारियों ने सीआईएसएफ व सोनारडीह ओपी पुलिस के मौजूदगी में तस्करों द्वारा खोले गए दो मुहाने में डोजर से ओबी डाल कर बंद कर दिया. आश्चर्य की बात रही कि कोयला तस्करों द्वारा अवैध खनन कर कोयले की कटाई कर तस्करों द्वारा मुहाने के बाहर रखे करीब बीस टन कोयले को ना तो बीसीसीएल ने अपने कब्जे में लिया और ना ही पुलिस ने अवैध कोयला को जब्त करने में कोई दिलचस्पी दिखाई . स्थानीय लोगों की माने तो यहां करीब एक महीने से अवैध मुहाना खोलकर मजदूरों को खदान के अंदर भेज कर कोयले की कटाई की जाती है.

ग्रीष्मकालीन बाल प्रतिभा का लगा शिविर

महुदा। महुदा बस्ती में मुफ्त शिक्षा केंद्र के कार्यालय प्रांगण में अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक कार्यक्रम किया गया. जिसकी शुरुआत पौधरोपण से की गई. केंद्र के बच्चों के बीच राष्ट्रीय युवा योजना एवं युवा भारत झारखंड के सहयोग से सात दिवसीय ग्रीष्मकालीन बाल प्रतिभा शिविर का उद्घाटन भी किया गया. शिविर का उद्घाटन महुदा पंचायत के पंचायत समिति सदस्य दिलखुश देहाती ने फीता काटकर किया. मुख्य अतिथि समाजसेवी पुनीत कुमार ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज सबसे महत्वपूर्ण विषय है.

भू-अधिग्रहण में जल्द मिले मुआवजा

29 जून को राजस्व संग्रहण भू अधिग्रहण पर विशेष लोक अदालत

खास बातें

- जिला जज ने पदाधिकारियों को दिया निर्देश
- ज्यादा से ज्यादा विवादों का निपटारा किया जाए

संवाददाता ।धनबाद

झारखंड विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा सिविल कोर्ट धनबाद में 29 जून 2024 को एक दिवसीय भू अधिग्रहण, राजस्व संग्रहण से संबंधित मुकदमों के निपटारे के लिए स्पेशल लोक अदालत का आयोजन किया गया है. इसको लेकर व्यापक स्तर पर तैयारी चल रही है. इसी कड़ी में गुरुवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकार के चेयरमैन सह धनबाद के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश राम शर्मा ने जिला प्रशासन, बीसीसीएल, ईसीएल, सेल, टाटा ,रेलवे, डीवीसी, पीएसयू अधिकारियों व नगर निगम के अधिकारियों, अधिवक्ताओं के साथ समीक्षा बैठक की. उन्होंने प्रशासनिक पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि अधिक से अधिक विवादों का निपटारा नेशनल लोक अदालत में कराएं ताकि पक्षकारों को परेशानी ना हो ,और उन्हें उचित मुआवजा मिल सके. इस बाबत जानकारी देते हुए प्राधिकार के सचिव सह अवर न्यायाधीश राकेश रोशन ने बताया कि 29 जून को भू अधिग्रहण राजस्व संग्रहण के मामलों के निपटारे के लिए विशेष लोक अदालत लगाई गई है. जिसके लिए 24 जून से लेकर 28 जून तक प्री-सीटिंग बैठक भी आयोजित की गई है. स्थाई लोक अदालत के अध्यक्ष हर विभाग में कैंप कोर्ट लगाकर मौके पर विवादों का निपटारा करेंगे.

शनिदेव मंदिर में 15 वां तीन दिवसीय श्री शनिजन्मोत्सव

संवाददाता ।चिरकुंडा

चिरकुंडा सोनारडंगाल स्थित श्री श्री शनिदेव मंदिर में 15 वां तीन दिवसीय श्री शनिजन्मोत्सव पर गुरुवार को तेलाभिषेक, कपड़ाभिषेक और विशेष हवन कार्यक्रम हुआ. शनिदेव के दरबार को अलौकिक तरीके से सजाया गया. मुख्य यजमान अमित गोयल एवं उनकी पत्नी कविता गोयल थी. रात को श्याम भजन, शुक्रवार और शनिवार को भंडारा होगा. मौके पर थाना प्रभारी सुनील कुमार सिंह, पुजारी पंडित श्याम लाल शर्मा ज्योतिषि, पंडित कृष्णानंद पांडेय, पंडित विनोद दुर्गा गुप्ता, संतोष यादव, पंकज आदि थे.

मधुबन वाशरी ब्लाक टू कार्यालय में सेंधमारी

चोरों ने उड़ाए कीमती सामान, सुरक्षा प्रहरी निलंबित, हिरासत में लेकर पुलिस कर रही पूछताछ

संवाददाता ।बरोरा/बाघमारा

मधुबन वाशरी के समीप स्थित बीसीसीएल के ब्लाक टू कोलियरी कार्यालय के परियोजना पदाधिकारी के कक्ष में बुधवार की देर रात चोरों ने सेंधमारी कर लाखों रुपए मूल्य की संपत्ति पर उड़ा लिया . चोरी हुए सामानों में इनवर्टर, एसी, प्रिंटर मशीन, स्टेब्लाजर सहित अन्य शामिल है. इसकी कीमत करीब नब्बे हजार आंकी जा रही है.गुरुवार को जब अधिकारी व कर्मी कार्यालय पहुंचे तब उन्हें घटना की जानकारी हुई. सूचना पाकर बाघमारा पुलिस और सीआईएसएफ की टीम घटनास्थल पर पहुंची और छानबीन में जुट गई . पुलिस ने घटनास्थल का जांच पड़ताल कर कार्यालय में लगे सीसीटीवी फुटेज को भी खंगाला. इसके बाद पुलिस ने चोरी के मामले को लेकर सुरक्षा प्रहरी सूबा हरिजन से पूछताछ की. पूछताछ के दौरान सुरक्षा प्रहरी ने बताया की रात दस बजे ड्यूटी पर आया था. 12 बजे के आसपास कार्यालय के चारों तरफ चक्कर लगाया. पीओ कार्यलय का ताला भी बंद था. कार्यालय के अंदर किसी को प्रवेश करते भी नहीं देखा. रात को अचानक कब आंख लग गई पता नहीं चला. सुबह 6 बजे पता चला कि कार्यालय के पीछे से चोरी हुई है. इस मामले को लेकर पीओ ने बताया की एकीकृत बीओसीपी माइन के कार्यलय में सुरक्षा प्रहरी सूबा हरिजन की ड्यूटी तृतीय पाली रात्रि 10 बजे से सुबह 6 बजे तक थी. कार्य के दौरान कार्यालय के इतनी मोटी दीवार पर सेंधमारी कर चोरों द्वारा कार्यालय के अंदर घुसकर एसी,इनवर्टर बैटरी समेत बगल के रूम से नया प्रिंटर मशीन ले जाना, और गार्ड को पता नहीं चलना आश्चर्य में डाल रहा है. घटना के बारे में सूबा हरिजन से पूछा गया तो उन्होंने बताया कि रात को कार्यालय के चारों तरफ घूम- घूम कर देखा सब कुछ ठीक था. रात को कब नींद आ गई पता नहीं चला. पीओ ने कहा की इस चोरी के मामले में उसकी संदिग्ध भूमिका लग रही है. वहीं कार्य में लापरवाही बरतने के आरोप में सूबा हरिजन को अगले आदेश तक निलंबित किया गया है. चोरी की मामले को लेकर बाघमारा पुलिस को लिखित शिकायत दी गई है. सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बाघमारा पुलिस ने सुरक्षा प्रहरी को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है.

रात में अचानक घर में होने लगा गैस रिसाव, परिवार में मची भगदड़

संवाददाता ।झरिया

भू-धंसान क्षेत्र बस्ताकोला सात नंबर बस्ती में बुधवार की देर रात कैलू पासवान के घर में अचानक गैस रिसाव होने लगा. जिससे इस परिवार के बीच भगदड़ मच गई. रिसाव होने से पूरा परिवार भयभीत है.वहीं यहां रह रहे अन्य परिवार के सभी सदस्य अभी भी गैस के बीच रहने को मजबूर हैं. बता दे कि सात नंबर क्षेत्र धंसान व अग्नि प्रभावित क्षेत्र है. जहां प्रबंधन ने यहां से एक किलोमीटर दूर जगह पर अब तक एक दर्जन लोगों को जमीन देकर बसाया है. जबकि अभी भी दर्जनों लोग यहां रहने को मजबूर है. इस बस्ती में निरंतर आग व गैस रिसाव बढ़ रही है.आग धीरे धीरे पूरे बस्ती को चपेट में ले लिया है. प्रबंधन के उदासीन रवैया के कारण पूरे क्षेत्र में आग व गैस रिसाव बढ़ने लगा है. जब कैलू के पूरा परिवार अपने अपने घर मे सोया हुआ था. उस वक्त अचानक उसका घर धंसने लगा, दीवार में दरार पड़ने के साथ-साथ गिरने लगे.देखते ही देखते दरारों से गैस रिसाव होने लगा. यह देख सभी परिवार के सदस्य वहां से भाग खड़े हुए. कैलू का कहना है कि प्रबंधन हमलोगों को जल्द सुरक्षित स्थान पर बसाए. इधर राजापुर कोलियरी के पीओ देवेंद्र सिंह ने बताया कि यह क्षेत्र अग्नि प्रभावित क्षेत्र है.अबतक कई लोगों को सुरक्षित जगह पर बसा दिया गया है.दो तीन लोग बचे.हैं.उन्हें भी जल्द बसा दिया जाएगा.

ब्रीफ खबरें

आरएसएस के वरिष्ठ प्रचारक का निधन

डुमरी। आरएसएस के वरिष्ठ प्रचारक देवनारायण जी (भारतीय किसान संघ) के निधन पर स्थानीय संघ के कार्यकर्ताओं, भाजपा कार्यकर्ताओं व एकल अभियान से जुड़े पदाधिकारियों ने शोक व्यक्त किया है. शोक व्यक्त करने वालों में आरएसएस के राजेश प्रसाद, चंदन जायसवाल, लखन कुमार, भाजपा नेता प्रशांत जायसवाल, जिवाधन महतो, कृष्णकांत शर्मा, अमिताभ जायसवाल, दिनेश महतो, केदार महतो, एकल अभियान से जुड़े नारायण रजक, महेन्द्र महतो आदि शामिल थे.

बजरंग बली प्रतिमा का चांदी का मुकुट चोरी

साहिबगंज। नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत स्टेशन चौक स्थित जीआरपी मंदिर में बजरंग बली की चांदी की मुकुट चोरी हो गई. सूचना मिलते ही पुलिस ने वहां पहुंच मामले की जांच-पड़ताल की. मंदिर के पुजारी पंकज मिश्र ने बताया कि नित्य दिन की तरह आज सुबह 4 से 4:15 के बीच मंदिर का पट खोल कर साफ-सफाई की. इसके बाद 5 बजे बाथरूम व स्नान के लिए चले गए. बाथरूम से फिर कुआं पर पहुंचे तो वहां से देखा कि कोई चप्पल बाहर रखा हुआ था. इतने में एक ब्लू रंग का हाफ पैंट व गुलाबी रंग का टी शर्ट पहने हुआ युवक मंदिर से निकल कर पूरब की तरफ जाता दिखा. फिर स्नान कर मंदिर पहुंच कर देखा कि 10 भर चांदी का मुकुट गायब था. नगर थाना इंस्पेक्टर अमित गुप्ता ने बताया कि मामले की छानबीन की जा रही है.

दो गांवों का ट्रांसफार्मर जलने से उपभोक्ता परेशान

जमुआ (गिरिडीह)। जिले के जमुआ प्रखंड के जगदवाटांड और प्रमाणिकडीह का ट्रांसफार्मर जलने से उपभोक्ता परेशान हैं. ग्रामीणों ने बताया कि इस उमस भरी गर्मी में ट्रांसफार्मर जल जाने के कारण काफी परेशानी हो गई है. शाम होते ही पूरा गांव अंधेरे में डूब जाता है. बच्चों को शाम के बाद पढ़ाई में दिक्कत हो रही है. मोबाइल भी दूसरे गांव में जाकर चार्ज करना पड़ता है. ग्रामीण बदरुद्दीन अंसारी, मो इम्तियाज, मो ताहिर हुसैन, मो मन्नान ने बताया कि जले हुए ट्रांफार्मर को बदल कर नया ट्रांसफार्मर लगाने की मांग की है. इधर बिजली विभाग के कनीय अभियंता राहुल विश्वकर्मा ने बताया कि ग्रामीणों का आवेदन मिला है. दोनो गांवों में जल्द ही नया ट्रांसफार्मर लगा दिया जाएगा.

जारंगडीह दक्षिणी पंचायत में पौधरोपण

कथारा। जारंगडीह दक्षिणी पंचायत में पर्यावरण सखी दिपमाला देवी द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधरोपण कार्यक्रम किया गया. साथ ही पर्यावरण के प्रति बच्चों में जागरूकता आए और पेड पौधे के महत्व को समझ सके. इसको लेकर चित्रकला, कविता और भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई. जहां बेहतर करने वाले को पुरस्कृत कर प्रोत्साहित किया. वहीं इस मौके पर दिपमाला देवी ने जुटी घरेलू महिलाओं को पर्यावरण संरक्षण कैसे किया जाए और अधिक से अधिक पेड लगाएं जाने की बातें विस्तार पूर्वक जानकारी दी.

सुहागिन महिलाओं ने की वट वृक्ष की पूजा

गोड्डा। पति के सौभाग्य और दीर्घायु के लिए सुहागिन महिलाओं ने वट सावित्री पूजा की. सुबह से ही विवाहित महिला नहा धोकर साफ सुथरे परिधान में पूजा थाल लेकर बरगद पेड़ की ओर पूजा करने को जाती दिखी. सार्वजनिक स्थानों पर लगे विशाल वट वृक्ष के नीचे महिलाओं की काफी भीड़ लगी रही. गुरुवार को ज्येष्ठ अमावस्या के दिन महिलाओं ने अपने पति की लंबी आयु के लिए व्रत किया. ऐसा माना जाता है कि व्रत का पालन करने से महिलाएं अपने पति के लिए सौभाग्य और समृद्धि लाने में सक्षम होती है. इस व्रत में महिलाएं बरगद पेड़ की पूजा करती है. बरगद पेड़ की पूजा का हिंदू धर्म में बहुत महत्व है. शुभ मुहूर्त के दिन पूजन करने से महिलाओं को सुखी वैवाहिक जीवन प्राप्त होता है.

आयुष्मान आरोग्य मंदिर अस्पताल बनकर तैयार

उद्घाटन नहीं होने ने ग्रामीणों को नहीं मिल रहा है इसका लाभ

दीपक कुमार पाठक। बेंगाबाद

बेंगाबाद के रघैड़ीह में आयुष्मान आरोग्य मंदिर अस्पताल का नवनिर्मित भवन बनकर तैयार है. निर्माण कार्य कराने वाले संवेदक ने इसे स्वास्थ्य विभाग को सौंप दिया है, लेकिन उद्घाटन के इंतजार में क्षेत्र के लोगों को इसका लाभ नहीं मिल रहा है. आकर्षक भवन देख लोगों में उम्मीद जगी है कि अस्पताल अब अन्य सुविधाओं से युक्त होगी. इसके लिए गिरिडीह गांडेय और बेंगाबाद तक चक्कर लगाना पड़ता था. भवन के निर्माण पर अनुमानतः 25 लाख रुपये व्यय किया गया है. स्थानीय मुखिया सदिक अंसारी, समाजसेवी हेमराज साव, नेशाब अहमद, मेराज आलम आदि ने बताया कि आयुष्मान

आरोग्य मंदिर का निर्माण रघैड़ीह महेश मुंडा में स्वीकृत होने एवं भवन बन जाने से क्षेत्र के लोग बेहद खुश हैं. इसका उद्घाटन न होने से लोगों को सुविधा नहीं मिल रहा है. इससे लोगों में निराशा है. बता दें कि प्राथमिक उप स्वास्थ्य केंद्र रघैड़ीह की भवन जर्जर अस्पताल भवन के कारण यहां लोगों को सरकारी स्वास्थ्य सुविधा का लाभ नहीं मिल रहा था. पंचायतवासी सरकारी सुविधा से महरूम थे. प्राइवेट से मरीजों का इलाज कराना पड़ता था. बेहतर इलाज के लिए बेंगाबाद, गांडेय या गिरिडीह जाना पड़ता था. बेंगाबाद के तत्कालीन बीडीओ कयूम अंसारी और स्थानीय मुखिया सदिक अंसारी के अथक प्रयास से महेश मुंडा के रघैड़ीह में आयुष्मान आरोग्य मंदिर अस्पताल का निर्माण कराने में अहम भूमिका है.

5000 से अधिक लोगों को मिलेगा स्वास्थ्य लाभ

बता दें कि आयुष्मान आरोग्य मंदिर अस्पताल के बनने से 5000 से अधिक लोगों को स्वास्थ्य लाभ मिलेगा. मधवाडीह पंचायत में पांच हजार से अधिक की आबादी बताया जाता है. इसके अलावे अन्य पंचायत के लोगों को भी लाभ मिलेगा. सरकारी स्वास्थ्य सुविधा के दृष्टिकोण से महेशमुंडा के रघैड़ीह में प्राथमिक स्वास्थ्य उपकेंद्र की व्यवस्था थी. लेकिन केंद्र भवन की स्थिति बदहाल बनी हुई थी. जर्जर भवन के कारण ग्रामीण चिकित्सा के नाम पर औपचारिकता निभाई जा रही थी. मुखिया सदिक अंसारी द्वारा लगातार पत्राचार के बाद विभाग हरकत में आया और नया अस्पताल भवन पंचायतवासियों के लिए सौगात के रूप में तोहफा दिया गया.

> बेंगाबाद के रघैड़ीह में आयुष्मान आरोग्य मंदिर अस्पताल के लिए बेड, ऑपरेशन टेबुल, ऑक्सीजन सिलेंडर, आईभी स्टैंड तथा अन्य आवश्यक सामग्री विभाग से उपलब्ध करा दिया गया है. जिस चीज की कमी है, उसके लिए विभागीय अधिकारी व जिलाधिकारी को अवगत कराया जाएगा. उन्होंने कहा कि संभावना है कि बहुत जल्द ही इसका उद्घाटन हो जाएगा और अस्पताल का विधिवत संचालन शुरू हो जाएगा.
>
> **सीएचओ, डा.सोनू कुमार**

जावेद हबीब सैलून के मालिक पर मारपीट, छेड़खानी का मामला दर्ज

स्टूडियो इलेवन की महिला स्टाफ पर कमेंट के बाद मामला बिगड़ा

खास बातें

- स्टूडियो संचालिका पर हुआ हमला
- जान से मारने की दी गई धमकी

संवाददाता। बोकारो

सेक्टर चार सिटी सेन्टर स्थित जावेद हबीब सैलून के मालिक अखिलेश सिंह उर्फ डब्बू सिंह व अन्य पर सेक्टर चार थाने ने अमिता कुमारी की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज की है.

सिटी सेन्टर में डब्बू सिंह के जावेद हबिब दुकान के बगल दुकान स्टूडियो इलेवन की पोप्राईटर अमिता मिश्रा ने सेक्टर चार थाना में डब्बू सिंह, चंदन, आलोक और दो अन्य के खिलाफ लिखित शिकायत की है. अमिता मिश्रा उर्फ एमी मिश्रा ने लिखित शिकायत में इस बात का उल्लेख किया है कि 04 जून को रात 10:20 बजे उसकी एक महिला स्टाफ दुकान से अपने घर जा रही थी. त्रिमूर्ति ज्वेलर्स के पास डब्बू, चंदन, आलोक और दो अन्य लोग शराब का सेवन कर रहे थे. स्टाफ को देख उनलोगों ने कमेंट किया. जिससे वो रोने लगी और अमिता को फोन किया. यह सुनकर अमिता उस स्थल पर पहूँची तो अचानक डब्बू सिंह ने बांस का डंडा निकाल कर अमिता को बुरी तरह मारना शुरू कर दिया. कुछ लोगों के बीच बचाव से वो बच पाई. अमिता ने शिकायत में यह भी लिखा है कि डब्बू इस क्रम में अश्लील हरकत भी करने की कोशिश की. वो हमेशा उसपर कॉमेंट करता है और उसे जान से मारने की धमकी भी दिया है. पत्र में अमिता ने यह भी उल्लेख की है कि डब्बू सिंह राजनीतिक शह की वजह से उन्मादी हो चुका है. उसने मुझे गलत तरीके से छुने और कपड़े फाड़ने की भी कोशिश की. अमिता ने अपने आवेदन में सदर अस्पताल के द्वारा जारी इंजूरी रिपोर्ट भी संलग्न की है, जिसमें उसके बायां पैर में हिंसा के निशान होने की बात कही गई है.

बाईक के धक्के से वृद्ध की मौत

साहिबगंज। राजमहल थाना क्षेत्र के तीनपहाड़-राजमहल मुख्य पथ पर काजी गांव के समीप सड़क पार कर रहे 60 वर्षीय वृद्ध भृगुनाथ पंडित को एक बाईक सवार ने धक्का मार दिया. जिसके कारण उनकी मौत हो गई. प्राप्त समाचार के अनुसार बरहरवा थाना क्षेत्र के आम शगाछी निवासी भृगुनाथ पंडित अपने पोता अमरनाथ पंडित के साथ समाधी के घर काजी गांव आये थे. ऑटो से उतरकर रोड पार करने का प्रयास कर ही रहे थे कि अचानक राजमहल की दिशा से तीनपहाड़ की ओर जा रहे बाईक सवार ने उन्हें धक्का मार दिया. जिसके कारण वे गंभीर रूप से घायल हो गए. ग्रामीणों ने आनन-फानन में ऑटो से उन्हें अनुमंडलीय अस्पताल राजमहल पहुंचाया. डॉक्टरों ने उनका प्राथमिक उपचार करने का प्रयास किया, लेकिन इसी दौरान उनकी मृत्यु हो गई.प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हाई स्पीड में ट्रिपल लोड होकर बाइक चला रहा था. अनियंत्रित होकर वृद्ध को रौंदने के बाद बाइक सवार नाले में गिर गया. बाइक चालक का प्राथमिक उपचार अनुमंडलीय अस्पताल में किया जा रहा है. वहीं बाईक को ग्रामीणों ने गांव में रखा है. घटना की सूचना राजमहल थाना प्रभारी गुलाम सरवर को दे दी गई है. पुलिस मामले की जांच कर रही है.

आठ हजार घूस लेते मुखिया पकड़ाई

जमुआ (गिरिडीह)। झारखंड सरकार के अबुआ आवास योजना के लाभुक से रिश्वत ले रहे एक मुखिया को एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने 8 हजार रुपये घूस लेते जमुआ से गिरफ्तार कर लिया. मुखिया की गिरफ्तारी के बाद इलाके में तरह-तरह की चर्चा हो रही है. जानकारी के अनुसार, चरघरा पंचायत के मुखिया महावीर दास ने प्रखंड के खरखो गांव की रहने वाली मुन्नी देवी से अबुआ आवास योजना का लाभ दिलाने के नाम पर 10 हजार रुपये रिश्वत की मांग की थी. रिश्वत की राशि नहीं दे पाने के कारण मुन्नी देवी का अबुआ आवास योजना पास नहीं हो रहा था. जिसके बाद मुनिया देवी ने एसीबी धनबाद से शिकायत की. एसीबी की टीम ने योजना बनाकर जाल बिछाया और मुखिया को रिश्वत लेते रंगे हाथ धर दबोचा. उसे तत्काल गिरफ्तार कर लिया गया.

साइकिल वितरण संबंधी बैठक आयोजित

साहिबगंज। गुरुवार को जिला कल्याण पदाधिकारी प्रमोद आनंद की अध्यक्षता में कार्यालय प्रकोष्ठ में वित्तीय वर्ष 2023-24 में 'उन्नति का पहिया निःशुल्क साईकिल वितरण योजना अंतर्गत सभी सरकारी विद्यालयों के अष्टम वर्ग में अध्ययनरत छात्र, छात्राओं का साइकिल वितरण को लेकर बैठक आहूत की गई. वहीं वित्तीय वर्ष 2023-24 में साहेबगंज जिला के सभी सरकारी विद्यालयों के अष्टम वर्ग में अध्ययनरत अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ीं जाति के छात्र छात्राओं को 'उन्नति का पहिया निःशुल्क साईकिल वितरण योजना हेतु प्रखंड स्तरीय साईकिल वितरण किया जाना है. उन्होंने बताया कि जिला में कुल अष्टम वर्ग में अध्ययनरत विद्यार्थियों की संख्या 19574 है. जिनमें छात्र की संख्या 9380 एवं छात्राओं की संख्या 10167 को निःशुल्क साइकिल वितरण किया जाना है, जिनमें अभी तक जिला में 2920 साइकिल वितरण हेतु आ चुकी है. जिनमें 9 प्रखंड में से वर्तमान में 4 प्रखंड में किया जाना है. बरहरवा 920 साइकिल वितरण किए जाएंगे. वहीं साहेबगंज में कुल 400 राजमहल में कुल 600 एवं उधवा में कुल 1000 वितरण किया जाना है. वितरण शीघ्र ही व्यवस्थित ढंग से किया जाना है. इस मौके पर सभी प्रखंड कल्याण पदाधिकारी उपस्थित थे.

थाना प्रभारी लंबित मामलों का करें निपटारा: एसडीपीओ

साहिबगंज। गुरुवार को अनुमंडल कार्यालय में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी किशोर तिर्की की अध्यक्षता में मासिक अपराध नियंत्रण गोष्ठी किया गया. वहीं इस मौके पर उन्होंने मौजूद पुलिस पदाधिकारियों को थाना प्रभारियों को साफ शब्दों में निर्देश देते हुए कहा कि लंबित मामलों का निपटारा जल्द से जल्द करें ताकि केस डायरी और 4 सीट न्यायालय को जल्द से जल्द समर्पित किया जा सके. वहीं लंबे समय से फरार अपराधी आरोपी की गिरफ्तारी सुनिश्चित होनी चाहिए. इसके लिए सघन छापेमारी अभियान चलाया जाए और आरोपियों की गिरफ्तारी जल्द से जल्द किया जाए. क्षेत्र में भी गस्ती दलों को भेजकर जायजा लेने को कहा गया. साथ ही एसडीपीओ ने कहा कि चौक चौराहे पर अत्याधिक भीड़ भाड़ होने पर भी इस पर विशेष नजर होनी चाहिए. जितना हो सके भीड़ को नियंत्रण करने का प्रयास करें. साथ ही बाइक चोरों की भी गिरफ्तारी हो, इसके लिए पूरी तरह से अपनी सूचना तंत्र को मजबूत रखें. बैठक में मौजूद बोरियो थाना अध्यक्ष सह डीएसपी रूपेश सिंह, जीरवाबाडी थाना प्रभारी अनीश कुमार पांडे, मुफस्सिल थाना प्रभारी शशि कुमार सिंह, मिर्जाचौकी थाना प्रभारी रोहित कुमार, महिला थाना प्रभारी सहित अन्य लोग मौजूद थे.

अंतरराष्ट्रीय समपार फाटक जागरूकता दिवस मना

बोकारो। रेलवे क्रासिंग पर होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए गुरुवार को आद्रा मंडल के संरक्षा संगठन द्वारा अंतरराष्ट्रीय समपार (लेवल क्रासिंग) फाटक जागरुकता दिवस मनाया गया. जिसका उद्देश्य रेलवे लेवल क्रॉसिंग पर सुरक्षा को बढ़ावा देना और लेवल क्रॉसिंग के अनुचित उपयोग से जुड़े जोखिमों के बारे में आमजन के मध्य जागरूकता बढ़ाना है. इस मौके पर दक्षिण पूर्व रेलवे के आद्रा मंडल का संरक्षा संगठन द्वारा 6 जून को मंडल के विभिन्न समपार फाटकों पर गेटमैनों, सड़क उपयोगकर्ताओं एवं आम नागरिकों को जागरूक करने के लिए संरक्षा अभियान चलाया गया. इस दौरान पंपलेट का वितरण किया गया. गेटमैन, सड़क उपयोगकर्ताओं तथा आम जनता की काउंसलिंग की गई, उन्हें जानकारी दी गई कि बंद क्रासिंग के नीचे से निकलना दंडनीय अपराध है. ऐसे में धैर्य रखें और फाटक खुलने पर ही रेलवे ट्रैक को पार करें. रेलवे ट्रैक पार करते समय ईयर फोन का उपयोग, मोबाइल फोन पर बात और म्यूजिक सिस्टम का प्रयोग नहीं करना चाहिए. इस दौरान मंडल के संरक्षा विभाग, सिविल डिफेंस, स्काउट्स एंड गाइड्स, रेलवे सुरक्षा बल तथा रेलवे के विभिन्न अधिकारी एवं कर्मचारीगण द्वारा विभिन्न रेल खंडों पर स्थित समपार फाटकों पर 11,349 नागरिकों एवं सड़क वाहन चालकों को सावधानियां बरतने के प्रति जागरूक किया गया. इस दौरान नुक्कड़ नाटक, वाकाथान एवं एसएमएस अभियान आदि का आयोजन किया गया.

अग्निवीर युवक का ग्रामीणों ने किया स्वागत

गावां (गिरिडीह)। गावां प्रखंड स्थित पिहरा पूर्वी के मधुसूदन प्रसाद यादव का पुत्र जितेंद्र कुमार का स्थानीय ग्रामीणों ने स्वागत किया. ग्रामीण जुलूस की शक्ल में युवक को पूरे गांव में घुमाया. इस दौरान भारत माता की जय व जय हिंद के नारों से लोगों ने उसका स्वागत किया . मौके पर उपस्थित समाजसेवी पप्पू यादव ने कहा कि अन्य युवकों में भी इस प्रकार की प्रेरणा मिले, इसके लिए युवक का गर्मजोशी से स्वागत किया गया है. मौके पर काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे.

नीट में तौसिफ कमर को मिला 99.55 प्रतिशत

संवाददाता। गिरिडीह

नीट-यूजी 2024 का रिजल्ट गत मंगलवार को जारी किया गया, जिसमें कोलडीहा स्थित किरण पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राओं का प्रदर्शन शानदार रहा. तौसिफ कमर ने 99.55 परसेंटाइल लाकर न केवल अपने परिवार का बल्कि स्कूल, समाज एवं शहर का नाम रौशन किया. उसने 677 अंक लाकर ओबीसी कोटे में ऑल इंडिया में 4223 रैंक हासिल किया.

वहीं आयुश वर्मा ने 639 अंक, पुनिता गुप्ता ने 537 अंक, अक्षरा राज 452 अंक रौनक सौरभ ने 420 अंक, तस्कीन हैदर ने 420 अंक एवं ओवेश रजा ने 415 अंक लाकर विद्यालय का मान बढ़ाया. विद्यालय के चेयरमैन अशोक कुमार सिंह, निदेशक राजीव रंजन सिंह एवं प्राचार्य राघव भोक्ता ने सफल सभी छात्र छात्राओं को बधाइयां एवं शुभकामनाएं दी. चेयरमैन अशोक कुमार सिंह ने अपने संकल्प को दोहराते हुए कहा कि इस विद्यालय में अध्ययनरत छात्र-

छात्राओं को बेहतर शैक्षणिक माहोल उपलब्ध कराकर स्वर्णिम भविष्य हेतु सभी आवश्यक कदम उठाएंगे. तौसीफ कमर सहित सभी सफल छात्र-छात्राओं को विद्यालय द्वारा सम्मानित किया गया. निदेशक राजीव रंजन सिंह, प्राचार्य राघव भोक्ता, शिखा स्वर्णिम, मोहम्मद जियाउद्दीन, छोटी रवानी, पंचानंद कुमार, प्रिंस सिंहा, प्रिंस प्रजापति, सावन मिश्रा, आकाश जलान, नंदू चौधरी, राज किशोर साव समेत सभी शिक्षक शिक्षिकाओं ने सफल छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं दी.

लंबित समस्याओं के निराकरण को लेकर महाप्रबंधक को लिखा पत्र

समस्या का समाधान नहीं हुआ तो तेज होगा आंदोलन: अजय

संवाददाता। कथारा

लंबे समय से क्षेत्र के समस्याओं को लेकर राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन मुखर रहा है. प्रबंधन द्वारा लंबे समय से समस्याओं के निराकरण को लेकर अस्वस्थ किया गया लेकिन समस्या यथावत बना हुआ है. प्रबंधन की उदासीन रवैया के कारण क्षेत्र के परियोजनाओं पर प्रश्न चिन्ह खड़ा है. एक तरफ प्रबंधन द्वारा आउटसोर्स को बढ़ावा दिया जा रहा है. वहीं डिपार्टमेंटल मशीन का सदुपयोग नहीं हो पाना चिंता का विषय है. प्रबंधन जारंगडीह परियोजना तथा कथारा परियोजना को प्रबंधन पूर्ण रूप से आउटसोर्स को देने पर आमादा है. विभागीय मशीन का फेस के अभाव में उत्पादन के दृष्टिकोण से बहुत ही बुरा परफॉर्मेंस है. जिससे डिपार्टमेंटल प्रोडक्शन दक्षता के अनुसार काफी कम है. जब तक प्रबंधन एक नंबर खदान को लेकर गंभीर नहीं होगा तब

तक डिपार्टमेंटल उत्पादन का रफ्तार नहीं बढ़ सकता है. वहीं क्षेत्र के लंबित समस्याएं यथावत है. प्रबंधन का लंबे समय से प्रयास विफल साबित हो रहा है. जहां आज भी 2% पेंशन मद में काटा गया पैसा की वापसी नहीं होना चिंता का विषय है. लंबे समय से कथारा चार नंबर दुर्गा मंडप के निकट से कथारा थाना तक रोड मरम्मत का कार्य अधूरा पड़ा है. डीएवी स्कूल कथारा जूनियर विंग के निकट बेकार पड़े भवन को डिस्मेंटल नहीं किया जाना प्रबंधन के इच्छा शक्ति पर प्रश्न चिन्ह खड़ा करता है. नियमित रखरखाव के अभाव में क्षेत्रीय अस्पताल का परिसर बदहाली का हालात झेल रहा है. दर्जनों श्रमिक पद की रिक्तियां रहने के बावजूद भी पदोन्नति से वंचित रहे. इस संदर्भ में राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन के क्षेत्रीय अध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि अजय कुमार सिंह ने कहा कि प्रबंधन अगर इस मामले पर गंभीर नहीं हुआ तो संगठन के द्वारा जोरदार आंदोलन के माध्यम से श्रमिक हितों की रक्षा होगी. साथ ही प्रबंधन के मनमानी का जोरदार विरोध प्रकट कर नकेल कसने का काम किया जाएगा. जल्द ही बैठक बुलाकर आंदोलन की रूपरेखा तैयार की जाएगी. औद्योगिक अशांति की जवाबदेही स्थानीय प्रबंधन की होगी.

आस्था ढिबरा खुदाई में मिली थी चमचमाती पत्थर की प्रतिमा

गावां में गोवर्धन पर्वत की महिमा अपरंपार

आदित्य कुमार। गावां

प्रखंड मुख्यालय से 7-8 किमी दूर पटना-पिहरा मुख्यपथ पर जमीन से करीब 300 फीट ऊंचे गोवर्धन पर्वत पर ग्रामीणों ने भव्य मंदिर का निर्माण कराया है. मान्यता है कि नंगे पांव पर्वत पर चढ़कर सच्चे मन से पूजा-अर्चना करनेवालों की हर मुराद पूरी होती है.

2004 के नवंबर माह में ढिबरा खुदाई के दौरान यहां एक चमचमाती पत्थर की प्रतिमा मिली, जिसका आकार देवी मां की तरह था. उसे देख लोग हैरान रह गए . पहले तो ग्रामीणों ने उसे कीमती पत्थर समझ बेचने की सोची. उसे बेचने के लिए कोलकाता तक गए. ग्रामीणों के मुताबिक तभी एक रात देवी मां ने सपने में आकर किशनपुर गांव के घनश्याम चौधरी से कहा कि जिस स्थान पर प्रतिमा मिली है, उसी स्थान पर और भी प्रतिमाएं हैं. उन्हें निकालकर स्थापित कर पूजा-अर्चना करने से क्षेत्र का कल्याण होगा. यह सुन ग्रामीणों ने उस स्थल पर खुदाई शुरू की तो माता शीतला, माता वैष्णो, भगवान शंकर, भैरवनाथ आदि की प्रतिमाएं मिलीं. ग्रामीणों ने सभी प्रतिमाओं को उसी स्थल पर स्थापित कर दिया.

हर मुराद होती है पूरी

ग्रामीणों की मानें तो जो भी इस पर्वत पर नंगे पांव चढ़कर मंदिर में पूजा-अर्चना कर सच्चे मन से मन्नत मांगता है, उसकी मुराद हर हाल में पूरी होती है. शनिवार-मंगलवार को पूजा करनेवाले श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है. इस मंदिर के प्रति लोगों की इस कदर श्रद्धा है कि वे नंगे पांव जाकर नारियल आदि चढ़ाते हैं.

ग्रामीणों ने पर्वत पर बनवाया भव्य मंदिर

जब ग्रामीणों ने आसपास के लोगों को इसके बारे में बताया तो सभी ने मंदिर बनवाने का बीड़ा उठाया. वर्ष 2005 में ग्रामीणों ने मंदिर बनवाने के लिए चंदा जुटाना शुरू किया. लोगों में आस्था बढ़ती गई और देखते-देखते जून 2006 में जमीन से 300 फीट की ऊंचाई पर स्थित गोवर्धन पर्वत पर मंदिर बनकर तैयार हो गया. इसके बाद नौ दिवसीय यज्ञ का आयोजन कर प्राण प्रतिष्ठा की गई. फिर ग्रामीणों के सहयोग से उसी स्थल पर एक और मंदिर का निर्माण कराया गया, जिसमें गदर पंचायत के पूर्व मुखिया ब्रह्मादेव मिस्त्री का भी काफी सहयोग रहा. पूर्व मुखिया के ही सहयोग से मंदिर के समीप सोलर लाइट लगाई गई.

सुहागिनों ने मांगी पति की लम्बी आयु

कथारा। बेरमो प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रों में वट सावित्री की पूजा हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया. बेरमो के फुसरो, चार नम्बर, जरिडीह बाजार, कुरपनिया, संडे बाजार, गांधीनगर, बैदकारो, कथारा, जारंगडीह में वट सावित्री की पूजा को लेकर काफी उत्साह देखा गया. जारंगडीह बनासो मंदिर में भी सुहागिनों ने पति की लम्बी आयु की कामना को लेकर वट सावित्री की पूजा विधिवत रूप से किया. वट सावित्री की पूजा को लेकर जारंगडीह स्थित मां बनासो मंदिर प्रांगण में स्थित वट वृक्ष की पूजा को लेकर अहले सुबह से ही सुहागिनों का जत्था पहुंचना आरम्भ हो गया. जहां राजू पंडित ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ पूजा अर्चना पूर्ण कराया. वट सावित्री की पूजा को लेकर मंदिरों में काफी संख्या में भक्तों का जुटान हुआ. वहीं जारंगडीह के बाबू क्वार्टर काली मंदिर के समक्ष तथा जारंगडीह भूमिगत बंद खदान के पास काली मंदिर प्रांगण, मनसा नगर के मनसा मंदिर में भी वट सावित्री की पूजा धूमधाम से की गई. पूजा के उपरांत वट सावित्री व्रत कथा का श्रवण महिलाओं ने की.

हरित भविष्य के लिए अपना योगदान दें : मंजीत सिंह

बोकारो। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर रोटरी क्लब द्वारा चास पुरूलिया रोड स्थित निजी फार्म हाउस में फलदार पौधरोपण किया गया. रोटरी क्लब चास की अध्यक्ष पूजा बैद ने कहा कि पर्यावरण की सुरक्षा के प्रति सामाजिक जागृति लाना बेहद आवश्यक है. कार्यक्रम के संयोजक मंजीत सिंह ने कहा कि पर्यावरण बचाने के इस महायज्ञ में एक-एक आहुति देकर हर व्यक्ति को अपनी ओर से पृथ्वी का ऋण उतारने के लिए प्रयास करना चाहिए. मंजीत सिंह ने कहा कि बरसात में हम अधिक से अधिक पौधरोपण करें, जिससे हरित भविष्य में हम अपना योगदान दे सकें.

नीट में चार विद्यार्थियों ने लहराया परचम

सरिया। सरिया के चार छात्र-छात्राओं ने नीट की परीक्षा में सफलता पाकर सरिया का नाम रौशन किया है. जिनमें से दो छात्र आपस में सगे भाई-बहन हैं. 4 जून को नीट का परीक्षा परिणाम आने के बाद से इन परिवारों सहित पास पड़ोस के लोगों में खुशी की लहर है. सरिया के मोकामो गांव निवासी सह प्लस टू हाई स्कूल सरिया के शिक्षक सुनील शर्मा व पत्नी निर्मला मिश्रा (सहायक अध्यापिका) के बेटे अर्पित कुमार शर्मा 626 अंक एवं बेटी स्वाति शर्मा ने 686 अंकों के साथ नीट में सफलता पाई है. स्वाति ने एसआरके डीएवी स्कूल सरिया से दसवीं की परीक्षा (जिला में टॉप 10) पास की थी. जबकि इंटर टेन प्लस टू सरिया से पास की. वहीं पुत्र अर्पित ने दसवीं की परीक्षा झुमरीतिलैया के सेकेंड हर्ट स्कूल से व इंटर की पढ़ाई चिन्मया स्कूल बोकारो से पूरा किया.

जनता मजदूर संघ का प्रदर्शन 8 को

कथारा। श्रमिक संगठन जनता मजदूर संघ के कथारा क्षेत्रीय सचिव कामोद प्रसाद ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर आगामी 8 जून को कथारा कोलियरी परियोजना कार्यालय में एक दिवसीय प्रदर्शन करने की जानकारी दी. उन्होंने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि सीसीएल कथारा क्षेत्र के कथारा कोलियरी परियोजना में आऊटसोर्सिंग में कार्य कर रही कम्पनी को स्थानीय विस्थापित को रोजगार में रखने की मांग को लेकर उक्त धरना प्रदर्शन किया जाना है और यह विस्थापित परिवार की हक, अधिकार की लड़ाई है.

जायसवाल ने लोकसभा चुनाव में हजारीबाग सीट पर करीब तीन लाख मतों से विजयी होकर विरोधियों की बोलती की बंद

आंतरिक व बाहरी चुनौतियों से जूझते हुए मनीष ने मारा मैदान

प्रमोद उपाध्याय। हजारीबाग

लोकसभा चुनाव के परिणाम पर शहर में खूब चर्चा हो रही है. भाजपा की जीत और कांग्रेस की हार पर मंथन किया जा रहा है. भाजपा के पक्ष में वो कौन से फैक्टर रहे, जिनके बल पर मनीष जायसवाल ने जय प्रकाश भाई के जातीय समीकरण को तोड़ते हुए करीब तीन लाख मतों से जीत हासिल की.

बताते चलें कि भाजपा प्रत्याशी ने अपने प्रचार अभियान की खुद अगुवाई की और 75 दिन लगातार क्षेत्र की जनता से मुलाकात करते रहे, एक-एक घर जाकर लोगों से अपने लिए वोट मांगे. इसके अलावा कई जनसभाएं और रैलियां कीं. इस दौरान उन्हें पार्टी के कार्यकर्ताओं का भी खूब सहयोग मिला. जायसवाल ने न जाति पर बात की, न किसी विरोधी प्रत्याशी पर आरोप लगाए, जबकि विपक्षी प्रत्याशियों ने उन्हें कभी व्यापारी, तो कभी शराब माफिया और स्कूल माफिया कहते रहे. अंत में क्षेत्र की जनता ने जात-पात से ऊपर उठकर भाजपा प्रत्याशी की बातों पर विश्वास करते हुए उन्हें तीन लाख वोट से विजयी बनाया. हालांकि कुछ पुराने कार्यकर्ता भाजपा प्रत्याशी से नाराज रहे और आरोप लगाते रहे. किसी ने मनचाहा क्षेत्र में नहीं भेजने का आरोप लगाया तो, किसी ने मान सम्मान नहीं देने की बात कही. इनमें लगभग 100 से 150 पुराने भाजपा कार्यकर्ता शामिल रहे.

यहां तक कि प्रत्याशी को डर भी महसूस करवाते रहे, विपक्ष को सहयोग करने के लिए अपने जाति वालों को भी उलझाते रहे, प्रेस वार्ता के माध्यम से भाजपा प्रत्याशी को गुमराह करते रहे. लेकिन भाजपा प्रत्याशी पर को इनकी बातों का कोई फर्क नहीं पड़ा. वह अपनी मेहनत पर विश्वास रखते हुए क्षेत्र की जनता के साथ संवाद करते रहे, अपने कार्यकर्ताओं का हौसला बढ़ाते रहे और अंत में रिजल्ट सामने आया, जिसमें जातिवाद फैलाने वालों की बोलती बंद हो गई.

भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ मनीष जायसवाल.

जनता से किए वादों को पूरा करने की चुनौती

अब जब सारी चुनौतियों से पार पाते हुए मनीष जायसवाल ने एक बड़ी जीत दर्ज कर ली है तो यह देखना है कि वह आम जनता से किए वादों को पूरा कर पाते हैं या नहीं. अगर वह अपने वादों खरा नहीं उतरे तो फिर उन्हें 2029 में जनता को जवाब देना होगा. इधर, इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी जयप्रकाश भाई पटेल को जनता ने जबरदस्त झटका दिया है. प्रचार अभियान के दौरान पटेल आरोप लगाते रहे, लेकिन जैसे ही चुनाव परिणाम आया अपने पुराने मित्र मनीष जायसवाल को बधाई देने पहुंच गए. यह देखकर जनता की आंखें फटी की फटी रह गईं. कई लोगों का कहना है कि चुनाव के समय दोनों प्रत्याशी एक दूसरे पर आरोप लगा रहे थे. यहां तक की अभद्र भाषा का भी प्रयोग किया जा रहा था, लेकिन अंत में दोनों प्रत्याशी एक हो गए और सहयोग देने वाली जनता और कार्यकर्ता जीते हुए प्रत्याशी की नजर से उतर गए.

रामगढ़ में मनीष जायसवाल का किया गया भव्य स्वागत

नवनिर्वाचित सांसद मनीष जायसवाल का स्वागत करते भाजपा कार्यकर्ता.

संवाददाता। रामगढ़

भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने गुरुवार को हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के नवनिर्वाचित सांसद मनीष जायसवाल का भव्य स्वागत सुभाष चौक पर किया. गुरुवार सुबह रामगढ़ पहुंचे जायसवाल ने कहा कि क्षेत्र की जनता ने जो मुझ पर भरोसा जताया है उसके लिए कोटि-कोटि धन्यवाद. कार्यकर्ताओं का भी आभार व्यक्त करता हूं. जनता की आशा व आकांक्षाओं पर खरा उतरने का हरसंभव प्रयास करूंगा. कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष प्रवीण मेहता, हजारीबाग लोकसभा के सह संयोजक कुंटू बाबू, उपाध्यक्ष राजू चतुर्वेदी, अखिलेश प्रसाद महामंत्री खिरोधर साहू, रंजन सिंह फौजी, मंत्री दिलीप सिंह, किरण देवी, बलराम महतो, वसुध तिवारी, राजू कुशवाहा विजय जायसवाल रॉबिन गुप्ता, मीडिया प्रभारी भीम सेन चौहान, राजीव रंजन, सोशल मीडिया प्रभारी शांतोष शर्मा आदि मौजूद थे.

ब्रीफ खबरें

तीन किग्रा अफीम के साथ युवक गिरफ्तार

कोडरमा। रेल एसपी के गुप्त सूचना पर ऑपरेशन नार्कोस के तहत आरपीएफ और जीआरपी की संयुक्त कार्रवाई में बुधवार की देर शाम कोडरमा स्टेशन से एक युवक को लगभग तीन किलोग्राम अफीम के साथ गिरफ्तार किया गया है. इसका अनुमानित मूल्य चार लाख रुपये बताया गया. इस संबंध में जानकारी देते हुए आरपीएफ निरीक्षक दीपक कुमार ने बताया कि रेल एसपी को मिली गुप्त सूचना पर कोडरमा स्टेशन पर चेकिंग अभियान चलाया गया. इस दौरान प्लेटफार्म संख्या 4 फुट ओवर ब्रिज के निकट संदिग्ध परिस्थिति में पिट्ठू बैग लिए खड़े एक युवक को पकड़ा गया.

कंचनपुर पंचायत भवन में लाखों की हुई चोरी

कटकमसाडी। थाना क्षेत्र ओपी पेलावल के कंचनपुर पंचायत भवन में देर रात चोर ताला तोड़कर दो लाख रुपये का सामान ले गए. इस संबंध में मुखिया पिंकी राणा और पंचायत सचिव नरेश पांडे ने थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है. आवेदन में कहा है कि सभी दरवाजों की कुंडी कतर से काटकर चोरी की गई है. चोरों ने बहुत ही चालाकी से छत के ऊपर से प्रवेश किया. भवन में लगा सीसीटीवी का एलसीडी सेट, इनवर्टर बैटरी, ज्ञान केंद्र का कंप्यूटर सेट सहित अन्य सामान चोर ले गए. पिछले दिनों पहले ओपी पेलावल थाना क्षेत्र के गदोखर पंचायत भवन और उत्क्रमित उच्च विद्यालय छड़वा और आंगनबाड़ी केंद्र छडवा में भी चोरों ने चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया था.

आरोप : गाड़ी छोड़ने का थाना प्रभारी लेते हैं 20 हजार, मुंशी का रेट 1500

कोर्रा थाने में चल रही है रिश्वतखोरी की दुकान!

संवाददाता। हजारीबाग

शहर का कोर्रा पुलिस थाना इन दिनों सुर्खियों में है, जहां रिश्वतखोरी की दुकान चल रही है. जब्त की गई गाड़ी छोड़ने की बात करे, या फिर चोरी, छिनतई, यौन शोषण के अलावा चाहे वह आरोपी हो या फिर आवेदन देने वाला, सभी का अलग-अलग रेट फिक्स किया हुआ है.

ऐसे में आम लोग अब कोरा थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराना नहीं चाहते. वे आरोप लगाते हुए कहते हैं कि थाने में अगर आवेदन देना हो तो उसके लिए भी थाना प्रभारी और मुंशी को तय रेट के मुताबिक रिश्वत देनी पड़ती है. अगर गलती से आरोपी पकड़ा जाए तो उसके लिए उनका अपना मनचाहा रेट होता है. हालांकि अगर कोई आरोपी वरिष्ठ अधिकारी की नजर में आ जाता है तो फिर मजबूरी थाना पुलिस द्वारा उसे जेल भेज दिया जाता है, लेकिन उससे भी नए अंदाज में सौदा किया जाता है.

आरोपी को डराया जाता है और कहा जाता है कि तुम्हारा सजा कम हो इसके लिए चढ़ावा देना पड़ेगा और अगर चढ़ावे दिए बिना जाना चाहोगे तो लंबे चक्कर में फंसना होगा. ऐसा ही एक मामला गुरुवार की शाम देखा गया. प्रभारी कोर्रा थाने में नहीं थे और मुंशी ट्रैक्टर छोड़ने के लिए 1500 रुपये मांग रहे थे. भुक्तहोगी पैसे देने से इनकार कर रहा था और वह मिठाई खाने के लिए 500 रुपये देना चाहता था, लेकिन मुंशी अपनी डिमांड पर अड़े हुए थे और अंत में उन्होंने 1500 रुपये लेकर ही ट्रैक्टर छोड़ा.

इस संबंध में भुक्तभोगी ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि 18 जून 2023 को माइनिंग विभाग द्वारा पत्थर लोड गाड़ी को पकड़ा गया था, जून 2024 में गाड़ी को छोड़ दिया गया और थाने के रिलीज के नाम पर पहले ही बड़ा बाबू 20 हजार ले चुके थे. पूरी कागजात के साथ गुरुवार को थाना पहुंचे तो मुंशी जी नाराज हो गए और वह अपनी डिमांड करने लगे. हाथ पांव जोड़ने के बाद 1500 रुपये लेकर ट्रैक्टर छोड़ा.

रिश्वत का सौदा करते मोबाइल फोन के कैमरे में कैद फोटो और छोड़ते हुए ट्रैक्टर.

खास बातें

- आम लोग शिकायत लेकर जाने से भी करते हैं परहेज
- थाने में आवेदन लेने की एवज में भी मांगी जाती है रिश्वत

क्या कहते हैं थाना प्रभारी व डीआईजी

वहीं इस संबंध में कोर्रा थाना प्रभारी शमशेर बहादुर ने पूछे जाने पर टाल मटोल करते हुए रिश्वत की रकम लेने के आरोप को निराधार बताया है. उन्होंने कहा कि यह माइनिंग विभाग का मामला था भुक्तभोगी के पास कुछ कागजात नहीं थे इसलिए वाहन छोड़ने में समय लगा है. उन्होंने यह भी कहा कि हम गुरुवार को थाने में नहीं थे. अगर मुंशी रिश्वत ले रहा था तो इसकी जानकारी मुझे नहीं है. वहीं इस संबंध में हजारीबाग उत्तरी छोटा नागपुर के डीआईजी सुनील भास्कर ने पूछे जाने पर कहा कि पुलिस और पब्लिक का संबंध अच्छा हो इसके लिए प्रयास किया जा रहा है. अगर थाना प्रभारी या मुंशी रिश्वत लेते हैं तो इस पर एसपी को लिखा जाएगा एवं जांच कराई जाएगी. दोषी पाए जाने पर कार्रवाई भी की जाएगी.

स्वास्थ्यकर्मियों की लापरवाही से नवजात की मौत

खास बातें

- केरेडारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्था बदहाल
- जीएनएम के विरुद्ध थाने में आवेदन, गिरफ्तारी की मांग

संवाददाता। केरेडारी

स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सक व जीएनएम की लापरवाही से नवजात शिशु की मौत हो गई. जोरदाग गांव निवासी रोहित साव ने स्वास्थ्य कर्मियों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए थाने में लिखित आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है. अपने आवेदन के माध्यम से साव ने कहा है कि 2 जून की अहले सुबह 3 बजे मुकेश साव अपने भाई की पत्नी कंचन देवी को लेकर केरेडारी सीएचसी पहुंचा था, जहां महिला प्रसव पीड़ा से छटपटाती रही, लेकिन किसी कर्मचारी व जीएनएम ने उस पर ध्यान नहीं दिया. ड्यूटी में तैनात जीएनएम भी तीन घंटे पहले ड्यूटी छोड़कर घर चली गई. अगर उक्त जीएनएम घर नहीं गई होती तो आज नवजात शिशु जीवित और स्वस्थ होता. आवेदक ने थाना प्रभारी से न्याय की मांग करते हुए अपनी ड्यूटी को लेकर लापरवाह जीएनएम को जल्द गिरफ्तार करने की मांग की है ताकि उक्त घटना भविष्य में दोहराई नहीं जा सके. बता दें कि बाद में गंभीर स्थिति में महिला की डिलीवरी ऑपरेशन से बड़कागांव अस्पताल में कराई गई, जहां बच्चे की हालत गंभीर होने पर उसे आनन फानन में हजारीबाग के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती कराया था, जहां उसने गुरुवार को दम तोड़ दिया. इसके बाद परिजन शव के साथ केरेडारी थाना पहुंचे और आवेदन देकर जीएनएम पर करवाई की मांग की.

स्वास्थ्य केंद्र में हंगामा करते लोग.

विधायक ने स्वास्थ्यकर्मियों को लगाई थी फटकार

उल्लेखनीय है कि केरेडारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्था बदहाल है. इसको लेकर की गई शिकायत पर बड़कागांव विधायक अंबा प्रसाद शनिवार को केरेडारी सीएचसी पहुंची थीं. कार्यालय में प्रभारी समेत सभी स्वास्थ्य कर्मियों को जमकर फटकार लगाई थीं. ग्रामीणों की शिकायत थी कि सभी चिकित्सक ड्यूटी नहीं करते, अस्पताल में डीजी जेनरेटर के रहते मरीज रात्रि के अंधेरे में रहते हैं. इसी दौरान मुकेश साव ने बताया था कि उक्त समय ड्यूटी पर कार्यरत जीएनएम रोशनी सोरेन गर्भवती महिला की जांच कर बताया कि अभी समय लगेगा. इसके बाद महिला प्रसव पीड़ा से तड़पने लगीं. जीएनएम को बुलाने गए पर वह नहीं आई और घर चली गई. इसके बाद अस्पताल के सभी दरवाजे खटखटाए. इसके दो घंटे बाद लगभग 7 बजे चिकित्सा प्रभारी डॉ. विक्रम कुमार आये और किसी दूसरी एनएम को बुलाया, जिसकी ड्यूटी उस वक्त नहीं थी. उसने जांच कर महिला व बच्चे की स्थिति को गंभीर बताया. हमने आनन फानन में महिला को और बड़कागांव ले गया, जहां ऑपरेशन से प्रसव कराया गया. बच्चे की स्थिति काफी गंभीर होने पर हमने आनन फानन में उसको हजारीबाग ले गया.

दो एंबुलेंस के भरोसे 1.40 लाख की आबादी

विधायक अंबा प्रसाद ने जीएनएम और चिकित्सा पदाधिकारी से पूछताछ की तो जीएनएम ने बताया कि हम जरूरी काम से घर गए थे. वहीं चिकित्सा पदाधिकारी विक्रम कुमार ने कहा कि कुछ चिकित्सक स्वास्थ्य केंद्र आते हैं, बाकी कभी कभी आते हैं. इस पर विधायक ने उपस्थिति पुस्तिका मंगवाई और देखा कि जो डॉक्टर ड्यूटी से गायब रहते हैं उनकी उपस्थिति बनी हुई थी. विधायक उपस्थिति पुस्तिका की फ़ोटो कॉपी करवा कर अपने साथ ले गईं. कहा कि केरेडारी अस्पताल में औपचारिक व्यवस्था चरमरा गई है. उन्होंने ड्यूटी छोड़ घर भाग गई जीएनएम व ड्यूटी से गायब चिकित्सकों पर कार्रवाई करने की बात कही थी. चिकित्सा प्रभारी ने बताया कि डॉक्टर सौम्या कभी-कभी अस्पताल आती है और डॉक्टर शिखा अभी छुट्टी पर है. केरेडारी प्रखंड में दो एंबुलेंस के भरोसे 1.40 लाख की आबादी है. केरेडारी प्रखंड के चिकित्सा प्रभारी विक्रम कुमार बताते हैं कि प्रखंड में मात्र दो एंबुलेंस की व्यवस्था है. बिजली की आम समस्या है और अल्ट्रासाउंड और एक्स-रे मशीन खराब है. अनेक समस्याएं हैं लेकिन मैं किनको सुनाऊं.

अफसरों ने प्रभावित गांवों का लिया जायजा

संवाददाता। केरेडारी

पूर्व मंत्री योगेंद्र साव की शिकायत पर विशेष टीम गठित कर सभी पहलुओं की जांच शुरू

पूर्व मंत्री योगेंद्र साव की शिकायत पर श्रम एवं रोजगार मंत्रालय भारत सरकार के अधीन खान सुरक्षा महानिदेशालय रांची के अधिकारियों ने केरेडारी प्रखंड के चट्टी बारियातू एवं केरेडारी कोयला खनन परियोजना से प्रभावित कई गांवों का निरीक्षण किया.

ज्ञात हो कि पूर्व मंत्री ने खान सुरक्षा निदेशक को पत्र लिखकर केरेडारी में नियम कानूनों को ताक पर रखकर किए जा रहे हैवी ब्लास्टिंग से घरों में हो रही कंपन, पड़ रही दरार एवं भय के साए में जीवन व्यतीत कर रहे लोगों के हित में कंपनी प्रबंधन पर कार्रवाई करने का अनुरोध किया था. इसी कड़ी में गुरुवार को खान सुरक्षा निदेशालय के डिप्टी डायरेक्टर हनुमंत कुमार ने चट्टी बारियातू, पगार, बिरहोर टोला, नावाडीह, पांडु, पेटो समेत विभिन्न गांव पहुंचकर ब्लास्टिंग से घरों में पड़ी दरार एवं सुरक्षा के संबंध में उठाए गए व्यापक कदमों की जांच की. बिरहोर टोला पहुंचने पर खनन क्षेत्र अति नजदीक होने पर अधिकारियों ने नाराजगी जताई. वहीं जोरदाग स्कूल के समीप किया जा रहे ओबी डंप समेत विभिन्न गांव, मोहल्ले पहुंचकर घरों में पड़ी दरारों का निरीक्षण किया. इस दौरान एनटीपीसी के भी कई अधिकारी साथ-साथ मौजूद रहे. पूर्व मंत्री ने कहा कि बगैर विस्थापित किए कंपनी घनी आबादी क्षेत्र में भी खनन कार्य कर रही हैं, लोग दहशत में जीवन यापन कर रहे हैं, ब्लास्टिंग के कारण घरों में भारी दरार पड़ गई है, तुरंत एनटीपीसी प्रबंधन पर कार्रवाई होनी चाहिए.

वहीं खान सुरक्षा महानिदेशालय के अधिकारियों ने बताया कि पूर्व मंत्री की शिकायत पर विशेष टीम का गठन करके सभी पहलुओं पर बारीकी से जांच की जा रही है. इस संबंध में शीघ्र ही रिपोर्ट तैयार करके कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी. मौके पर विधायक प्रतिनिधि सुरेश साव, प्रखंड कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सह 20 सूत्री उपाध्यक्ष रविंद्र गुप्ता, पूर्व मुखिया प्रतिनिधि सुंदर गुप्ता, 20 सूत्री सदस्य अत्ताउल्लाह, धीरेंद्र साव, तपेश्वर साव, मो. राजा, मोहम्मद शमीम, आदित्य साव, किशोर साव आदि मौजूद थे.

अधिकारियों ने कोयला खनन परियोजना से प्रभावित गांवों के लोगों से मिलकर वस्तुस्थिति की जानकारी ली.

कंटेनर व टैंकर भिड़ंत में बचे चालक व परिचालक

चौपारण। जीटी रोड पिपरा में एनएचएआई की कुव्यवस्था के कारण गुरुवार को दूध व परचून लदे वाहन आमने-सामने भिड़ गये, जिससे वाहन चालक एवं खलासी बाल-बाल बच गए. बताया जाता है कि एनएचएआई के निर्देशन में जीटी रोड पिपरा गांव में एक किलोमीटर सड़क को वन-वे कर दिया गया है, जिसके कारण एक तरफ हमेशा जाम लगा रहता है. वहीं दूसरी ओर फोर लेन से सटा हुए रैयतों के घरों के कारण वाहनों को परेशानी होती है. जानकारी के अनुसार कानपुर से रांची जा रहे दूध टैंकर का चालक नफीस और ओडिशा केकटक से गोरखपुर, उतर प्रदेश जा रहे कंटेनर का चालक गौरव कुमार बाल-बाल बच गए. दुर्घटना होने के बाद पिपरा के ग्रामीणों ने दो चालकों एवं एक खलासी को केबिन से बाहर निकाल कर थाने को इसकी सूचना दी. थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह ने क्रेन से वाहनों को हटाया.

विश्व पर्यावरण दिवस पर नीड फाउंडेशन ने किया पौधों का वितरण

पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

संवाददाता। हजारीबाग

विश्व पर्यावरण दिवस पर 'नीड फाउंडेशन' ने बड़कागांव के कांडतरी पंचायत में पर्यावरण संरक्षण के निमित्त एक कार्यक्रम का आयोजन किया. कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि 1857 की क्रांति के नायक जयमंगल पांडेय के वंशज अधिवक्ता सुनील पांडेय, जिला परिषद सदस्य सुनीता देवी, उपमुखिया राजदेव महतो, उपप्रमुख बचनदेव प्रसाद महतो उपस्थित थे. नीड के सचिव शिव शंकर दयाल ने पर्यावरण को हरा-भरा रखने का संकल्प दिलाया.

साथ ही हर घर एक पेड़ हो इसकी संकल्पना के साथ ग्रामीणों को जागरूक किया. मौके पर सुनील पांडेय ने नीड फाउंडेशन के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि संस्था हमेशा से सामाजिक कार्यों के साथ जुड़ी रहती है. इनके द्वारा किया जाने वाला हर कार्य काफी अलग और अनूठा होता है. शुद्ध हवा, पर्यावरण संरक्षण जीवन जीने का आधार है. जिला परिषद सदस्य सुनीता देवी ने पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता को बताते हुए कहा कि एक तरफ हम विकास की राह पर हैं तो दूसरी ओर पर्यावरण को नुकसान पहुंचाकर विनाश को भी आमंत्रण दे रहे हैं.

नीड फाउंडेशन के द्वारा वितरित पौधे को लगाकर वृक्ष बनाने तक भरपूर योगदान देने की बात कही. उपप्रमुख बचनदेव महतो ने पर्यावरण संरक्षण से संबंधित कई जानकारियां साझा की. नीड फाउंडेशन के कोषाध्यक्ष पप्पू यादव ने सभी को पेड़ लगाने हेतु जागरूक किया. इससे पहले फाउंडेशन ने ग्रामीणों के बीच 1000 से अधिक पौधे का वितरण किया. मौके पर वन समिति के अध्यक्ष बालेश्वर महतो, मनोहर मिंज, कुलेश्वर कुमार, प्यारी महतो, मुनिया देवी, गीता देवी, रीता देवी, अनिता देवी, संगीता देवी, बाली देवी, तुलेश्वर महतो, प्रकाश कुमार समेत कई लोग उपस्थित थे.

विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधे बांटते नीड फाउंडेशन के पदाधिकारी.

परंपरा पूजा के लिए सुबह से ही महिलाओं का वट वृक्षों के पास पहुंचना शुरू हो गया था

डीसी ने प्रशासनिक काम करते हुए की वट वृक्ष की पूजा

संवाददाता। हजारीबाग

उपयुक्त नैंसी सहाय ने गुरुवार को प्रशासनिक काम करते हुए भारतीय परंपरा के तहत अपने पति की दीर्घायु के लिए वट वृक्ष की पूजा की. वहीं पति की लंबी आयु के लिए जिले भर पर महिलाएं सुबह 5:00 बजे से वट वृक्ष की पूजा कर पति की लंबी आयु की कामना की. कटकमसांडी, चौपारण, बड़कागांव, केरेडारी, कटकम दाग, पदमा के अलावे विभिन्न गांवों में महिलाओं ने वट सावित्री पूजा कर कथा सुनी. वट सावित्री पूजा के बारे में पार्वती व गायत्री ने बताया कि इस पूजा का धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व बहुत अधिक है. इस व्रत के पालन से पति की आयु लंबी होती है और दांपत्य जीवन में सुख-समृद्धि आती है. महिलाएं परिवार की खुशहाली और समृद्धि के लिए यह पूजा करती हैं.

वट वृक्ष की पूजा करती डीसी नैंसी

सुहागिनों ने पति की लंबी आयु के लिए की बट सावित्री पूजा

रामगढ़। जिले में गुरुवार को सुहागिनों ने पति की लंबी आयु के लिए वट सावित्री पूजा की. सुबह से ही सिंगार कर सुहागिन महिलाएं पूजा की सामग्री लेकर बट बृक्षों के पास एकत्रित हुईं, जहां विधि विधान से पूजा की. पेड़ में कच्चा सूत बांध और परिक्रमा करते हुए पति की लंबी आयु की कामना की. इस दौरान सावित्री और सत्यवान की कथा सुनाई गई. वहीं सुहागिनों ने एक दूसरे को सिंदूर लगाकर अखंड सौभाग्य की कामना की. वट वृक्षों के पास बड़ी संख्या में सुहागिन महिलाएं अपने पति को तिलक लगाकर आरती और परंपरागत रूप से आशीर्वाद लिया. 30 वर्षों से वट वृक्ष के नीचे पूजा करते चली आ रही अनीता देवी ने बताया कि यह व्रत पतिव्रता सुहागिन नारियों के लिए ब्रह्मास्त्र का काम करता है. वहीं पूनम, गीता एवं विनीता ठाकुर ने बताया कि मान्यता है कि वटवृक्ष के नीचे इसलिए पूजा की जाती है क्योंकि इसी वृक्ष की जड़ में यमराज ने सत्यवान के जीवन को बांध दिया था. इसी को प्रतीक मानकर सुहागिन महिलाएं लाल रक्षा सूत्र चारों ओर घूम कर बांधते हैं.

रामगढ़ में वट वृक्ष की पूजा करने के लिए पहुंचीं महिलाएं.

हटिया-पटना सुपर एक्स. ट्रेन में यात्री की हुई मौत

कोडरमा। ट्रेन में सफर के दौरान एक अज्ञात व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थिति में मौत के बाद जीआरपी ने उसका शव कोडरमा स्टेशन पर उतारा. मृतक गुरुवार को (18626) हटिया-पटना सुपर एक्सप्रेस से सफर कर रहा था. इस संबंध में ऑन ड्यूटी स्टेशन मास्टर ने जीआरपी को ट्रेन में एक शव होने की सूचना दी, जिसके बाद जीआरपी ने आरपीएफ के सहायक उप निरीक्षक मुर्शीद आलम खान, उप निरीक्षक जेके सिंह और जीआरपी जवान के सहयोग से शव को कोडरमा स्टेशन पर उतारा. इसके पूर्व ट्रेन में सफर कर रहे यात्रियों से मृतक के सगे संबंधियों के बारे में पूछताछ में किसी भी प्रकार की कोई जानकारी नहीं मिली. बाद में यूडी केस दर्ज करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए कोडरमा सदर अस्पताल भेज दिया गया.

राधा गोविंद विवि में हुआ शपथ ग्रहण समारोह

पद शक्ति का नहीं, जिम्मेदारी का प्रतीक : कुलाधिपति शाह

संवाददाता। रामगढ़

राधा गोविंद विश्वविद्यालय में शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया. इसका शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बीएन साह ने किया. इस मौके पर उन्होंने कहा कि यह पद शक्ति का नहीं, बल्कि जिम्मेदारी का प्रतीक है. कुलपति प्रो. डॉ. समरेंद्र नाथ साहा, प्रति कुलपति प्रो. डॉ.रश्मि, कुलसचिव प्रो. डॉ. निर्मल मंडल, परीक्षा नियंत्रक प्रो.डॉ. अशोक कुमार, प्रोफेसर डॉ रंजन कुमार, डॉ अंजू तिवारी, डॉ आशा प्रकाश, डॉ मुकेश गुप्ता एवं एसोसिएट प्रोफेसर में डॉ रंजना पांडे, डॉ प्रेम प्रकाश, डॉ अमन वर्मा को मुख्य अतिथि पूर्व जिला न्यायाधीश महेंद्र प्रसाद ने सभी पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई.

शपथ ग्रहण समारोह में मौजूद पदाधिकारी व अन्य गणमान्य लोग.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष भाई के सहयोग से पराक्रम में वृद्धि होगा. गुरु के चलते भाई का सहयोग प्राप्त होगा. नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा. लाभ में वृद्धि होगी. जोखिम व जमानत के कार्य टालें. समय सुखपूर्वक व्यतीत होगा. किसी का दिल दुख सकता है.

वृषभ कुटुम्ब से विवाद हो सकता है. क्रोध पर नियंत्रण रखें. धन का आगमन होगा. मान-सम्मान मिलेगा. जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे. व्यापार लाभदायक रहेगा. निवेश शुभ रहेगा. नेत्र रोग से बचें.

मिथुन दिल दिमाग में कुछ गलत भावना भी उत्पन्न होगा. व्यापार लाभदायक रहेगा. जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे. भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा. मानसिक बेचैनी रहेगी. सभी तरफ से सफलता प्राप्त होगी. नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा.

कर्क उदर रोग से बचें. भोजन पर नियंत्रण रखें. स्वयं या कुटुम्ब पर खर्च अधिक होगा. यात्रा का भी मन बनेगा. बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे. समय की अनुकूलता का लाभ लें. स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है.

सिंह किसी बाहरी से कुछ आय होगी. साथ ही कोई नया आय का मार्ग मिलेगा. रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे. पार्टी व पिकनिक का आनंद प्राप्त होगा. मित्रों के साथ समय मनोरंजक व्यतीत होगा. प्रसन्नता में वृद्धि होगी.

कन्या पराक्रम और पिता का लाभ होगा. कीमती वस्तुएं संभालकर रखें, गुम हो सकती हैं. विवाद को बढ़ावा न दें. बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें. किसी व्यक्ति विशेष से कहासुनी हो सकती है. मेहनत अधिक होगी.

तुला धार्मिक यात्रा का योग बन रहा है. भोग विलास से दूर रहें. धर्म में मन लगेगा. लेन-देन में जल्दबाजी न करें. कीमती वस्तुएं संभालकर रखें. बनते कामों में विघ्न आ सकते हैं. चिंता तथा तनाव रहेंगे. बेकार की बातों की तरफ ध्यान न दें.

वृश्चिक फालतू कार्य से बचें. यह समय और धन दोनों बर्बाद करेगा. फालतू खर्च होगा. अपेक्षाकृत कार्यों में विलंब होगा. लेन-देन में जल्दबाजी न करें. किसी व्यक्ति के बहकावे में न आएं. परिवार के किसी व्यक्ति के स्वास्थ्य पर खर्च होगा.

धनु जीवन-साथी के साथ कही घूमने का योग है. कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी. व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा. निवेश में सोच-समझकर हाथ डालें. नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा. इत्र का दान करें.

मकर आय में वृद्धि होगी. लाभ में वृद्धि होगी. कारोबार में वृद्धि होगी. शेयर मार्केट से लाभ होगा. आपके व्यवहार से व्यापार ठीक चलेगा. आपके प्रभाव से नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा. समय की अनुकूलता का लाभ लें.

कुंभ किसी मित्र से विवाद भी हो सकता है. संतान को लाभ होगा. कार्य और व्यापार लाभदायक रहेगा. कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है. नए उपक्रम प्रारंभ हो सकते हैं. कार्यसिद्धि होगी. कोई अच्छा कार्य होगा जिससे प्रसन्नता में वृद्धि होगी.

मीन बेरोजगारी को दूर करने का प्रयास सफल रहेंगे. यात्रा लाभदायक रहेगी पर आज बचे. भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी. किसी बड़ी समस्या का हल सहज ही होगा. समय अनुकूल है. माता की सेवा करें. घर में मिठाई ले कर जाएं.

इंडिया गठबंधन की कांग्रेस प्रत्याशी यशस्विनी सहाय ने नवनिर्वाचित सांसद संजय सेठ को दी बधाई, कहा-

जनता के साथ सदैव खड़ी रहूंगी, जहां नहीं पहुंच सकी, वहां भी जाऊंगी

विशेष संवाददाता। रांची

कांग्रेस नेत्री एवं रांची से कांग्रेस प्रत्याशी रहीं यशस्विनी सहाय ने रांची की जनता का आभार जताया है. उन्होंने कहा कि काफी कम समय में जनता ने मुझे जो अपार स्नेह और प्यार दिया सके लिए मैं उनकी आभारी हूं और विश्वास दिलाती हूं कि यहां की जनता के साथ मैं सदैव खड़ी रहूंगी. उन्होंने लोकसभा के निर्वाचित प्रतिनिधि संजय सेठ को बधाई देते हुए कहा कि जनता ने उन्हें दोबारा मौका दिया है उम्मीद है जनता के मुद्दों पर वह खरे उतरेंगे. उक्त बातें उन्होंने कांग्रेस भवन में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान कही.

मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, सोनिया गांधी व गठबंधन को दिया धन्यवाद

सहाय ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, सोनिया गांधी सहित इंडिया गठबंधन दल के तमाम सहयोगियों को भी धन्यवाद दिया. कहा की कांग्रेस के प्रदेश,जिला, प्रखंड स्तर के सभी कांग्रेस के नेता कार्यकर्ता सहित मीडिया के साथीगण धन्यवाद के पात्र हैं, जिन्होंने चुनाव में भरपूर साथ दिया और समय-समय पर मार्गदर्शन करते रहे. हमारे पास सिर्फ 25 दिनों का समय था और इतने कम समय में जितना कर पायी किया. काफी लोगों तक मैं नहीं पहुंच पाई, जिसका मुझे अफसोस है लेकिन जहां मैं नहीं पहुंच सकी, वहां जरूर जाऊंगी.

पलायन की समस्या से जूझ रहे लोगों के लिए काम करती रहूंगी

उन्होंने कहा कि रांची सहित राज्य के अन्य क्षेत्रों में महिला अधिकार और बाल संरक्षण के क्षेत्र में कार्य कर रही थी और सामाजिक रूप से लोगों से जुड़ी रहती थी यह चुनाव व्यक्तिगत रूप से मेरा पहला राजनीतिक अनुभव था आगे भी मैं इन कार्यों से जुड़ी रहूंगी, इसके अलावा पलायन की समस्या से जूझ रहे लोगों की समस्या के समाधान के लिए प्रयासरत रहूंगी.

'चुनाव में उठाए मुद्दे उठाती रहूंगी पर्यावरण की रक्षा करनी होगी'

उन्होंने कहा कि चुनाव में जो मुद्दे हमने उठाए थे वह जारी रहेंगे. कल विश्व पर्यावरण दिवस था, जो रांची के लिए जरूरी है, यहां का आदिवासी समाज प्रकृति पूजक है और हमारे जीवन रक्षा का आधार भी है. हमें इसके बारे में गंभीरता पूर्वक सोचना चाहिए मैं इस विषय पर भी कार्य करूंगी. रांची इंडस्ट्रियल हब के रूप में कैसे अपनी पहचान बनाये इस बारे में भी मेरा ध्यान केंद्रित रहेगा कि इसमें मैं क्या भूमिका निभा सकती हूं. मुझे रांची की जनता से जो प्यार मिला है उसे आगे लेकर जाना है. इस मौके पर मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा प्रवक्ता सोनाल शांति, कमल ठाकुर उपस्थित थे.

हार के लिए जनता व माहौल कम, भितरघात के मामले सामने आ रहे

कांग्रेस की पांच सीटों पर हार : आरोप प्रत्यारोप, शिकायतों का दौर शुरू

- भितरघात, जिम्मेवार पदों पर बैठे लोगों का आपेक्षित सहयोग नहीं मिलने सहित कई तरह की शिकायतें पहुंच रही हैं नेतृत्व के पास
- बहुत जल्द हो सकती है गरमा-गर्म चुनावी समीक्षा, प्रभारी मीर ने दिया संकेत

कौशल आनंद। रांची

चुनावी महौल और गठबंधन की ताकत फेवर में होने के बावजूद कांग्रेस लोकसभा को पांच सीटों पर करारी हार का सामना करना पड़ा. प्रदेश नेतृत्व भले ही पिछले चुनाव की तुलना में वोट प्रतिशत बढ़ने को लेकर अपनी पीठ थपथपा ले, मगर हार के लिए जनता और माहौल कम अपनों की बेरुखी और भीतरघात के मामले सामने आ रहे हैं. प्रदेश प्रभारी और अध्यक्ष ने इसको लेकर बहुत जल्द समेकित रूप से चुनावी समीक्षा होने की बात कही है. मगर इतना तय है कि जिस दिन समीक्षा होगी, उस दिन उठा-पठक की पूरी संभावना है.

रांची लोस : रांची लोकसभा को लेकर सुबोधकांत सहाय बहुत अधिक उत्साहित थे. हालांकि गत चुनाव के हिसाब से इस बार एक लाख से अधिक वोटों का इजाफा हुआ. मगर सहाय खेमे को बहुत सारे मामले में अपनों से ही दुख और शिकायत है. मिली जानकारी के अनुसार कांग्रेस के अपने चार मंत्री थे. इसमें एक मंत्री तो रांची में निवास करते हैं. मगर एक दिन भी पार्टी प्रत्याशी के लिए सावर्जनिक कार्यक्रमों में देखे नहीं गए. एक मंत्री प्रियंका गांधी के साथ रांची की चुनावी सभा में केवल नजर आए. न तो इसके पहले ओर न ही इसके बाद वे रांची में अपने समुदाय के वोटों के लिए कोई मीटिंग की और प्रत्याशी के लिए कोई चुनावी सभा और लांबिंग की. यही हाल अन्य मंत्रियों का भी रहा. पार्टी की ओर से कई वरिष्ठ नेता बोर्ड-निगमों में विराजमान हैं, मगर वे निजी तौर पार्टी प्रत्याशी के लिए रांची में प्रियंका गांधी की चुनावी सभा को छोड़ कहीं भी नजर नजर नहीं आए. प्रदेश अध्यक्ष से लेकर पीसीसी कमेटी में भारी-भरकम पदाधिकारियों की सूची है,मगर कोई भी प्रत्याशी के लिए सार्वजनिक स्थलों पर खुलकर नहीं आए न ही निजी तौर कोई मेहनत की. सहाय खेमे को इस बात का भी मलाल है कि रांची विधानसभा झामुमो की प्रत्याशी रहीं राज्यसभा सांसद डा महुआ माजी का भी सहयोग खुलकर नहीं मिला. वे भी प्रियंका गांधी के सभा के दौरान ही एक दिन सार्वजनिक रूप से दिखीं.

धनबाद लोस : धनबाद लोकसभा में भी भीतरघात के मामले सामने आ रहे हैं. मिली जानकारी के पूरा चुनाव अनुप सिंह ने अपने कंधे पर लेकर लड़े. धनबाद में किसी भी पार्टी के राष्ट्रीय नेताओं की चुनावी सभा नहीं होने का मलाल अनुप सिंह को है. मिली जानकारी के अनुसार प्रियंका गांधी का प्रोग्राम शुरू में दो महिला प्रत्याशी यशस्विनी सहाय और अनुपमा सिंह के लिए तय किया जा रहा था. मगर ऐन मौके पर प्रियंका गांधी की चुनावी सभा धनबाद से काटकर गोड्डा कर दी गयी. इसके पीछे की वजह प्रदेश संगठन के अंदरूनी राजनीति को बताया जा रहा है. इसके अतिरिक्त लोकल झामुमो और कांग्रेस इकाई का अपेक्षित समर्थन नहीं मिलने की बातें सामने आ रही हैं.

गोड्डा लोस : गोड्डा लोकसभा में प्रदीप यादव को तो लोकल कांग्रेस, झामुमो और राजद कमेटी के लोगों का साथ मिला, मगर उन्हें अपने विधायक का ही पूरा साथ नहीं मिला. यह वही विधायक है जिन्हें पहले टिकट दिया गया तो और बाद में उनका टिकट वापस करके प्रदीप यादव को दिया गया. संसाधन के रूप में प्रदेश नेतृत्व से आपेक्षित सहयोग नहीं मिलने का मामला सामना आया है.

चतरा लोस : सबसे अधिक भीतरघात के मामले चतरा से आ रहे हैं. केएन त्रिपाठी के टिकट मिलने के बाद से ही लोकल राजद टीम उनके खिलाफ हो गया था. उलगुलान रैली में राजद और त्रिपाठी समर्थकों के बीच जबरदस्त मारपीट हुई थी. चतरा में शुरू से ही त्रिपाठी को बाहरी प्रत्याशी घोषित कर दिया गया था जो चतरा से नहीं थे. उपर से प्रदेश नेतृत्व और लोकल कांग्रेस इकाई के द्वारा भी सहयोग नहीं मिलने के मामले सामने आ रहे हैं.

हजारीबाग लोस : हजारीबाग में सीट से करीब-करीब यही मामले सामने आ रहे हैं. हजारीबाग संसदीय सीट के कांग्रेस विधायकों का आपेक्षित सहयोग नहीं मिलने और लोकल संगठन इकाई चाहे वह झामुमो हो या फिर कांग्रेस की बेरूखी की बातें सामने आ रही हैं.

प्रभारी ने कहा : हारी हुई सीट को लेकर कई तरह की शिकायतें मिल रही हैं. इसकी सामूहिक समीक्षा होनी चाहिए. बहुत जल्द चुनाव की जिम्मेवारी निभा रहे पदाधिकारियों के साथ बैठक परिणामों की समीक्षा होगी.

अध्यक्ष ने कहा : कांग्रेस को जिन सीटों पर हार मिली है, उसकी गहराई से समीक्षा होगी. अगर मैं भी जिम्मेवार हूं तो जिम्मेवारी तय होगी. समग्रता से सभी बिंदुओं पर विचार होगा, ताकि पार्टी आगामी विधानसभा की तैयारी में जुट सके.

11 और नक्सलियों पर इनाम घोषित, संख्या बढ़कर हुई 188

सौरभ सिंह। रांची

झारखंड पुलिस ने 11 और नक्सलियों पर इनाम घोषित किया है. इसके बाद झारखंड में अब इनामी नक्सलियों की संख्या बढ़कर 188 हो गयी. राज्य में जो इनामी नक्सली हैं, उसमें सेंट्रल कमेटी मेंबर व पोलित ब्यूरो मेंबर में एक करोड़ के चार, स्टेट एरिया कमेटी के 25 लाख के आठ, रीजनल कमेटी मेंटर के 15 लाख के 13, जोनल कमेटी मेंबर के 10 लाख के 14, सब जोनल कमेटी मेंबर के 5 लाख के 17, एरिया कमेटी मेंबर में दो लाख के 11 और साधारण सदस्यों में एक लाख के 21 नक्सली हैं. इसमें सीपीआई माओवादी, पीएफआई, जेजेएमपी और टीपीसी के उग्रवादी शामिल हैं.

नक्सलियों के साये से मुक्त रहा लोकसभा चुनाव : झारखंड में पहली बार सभी 14 सीटों पर नक्सली हिंसा के बिना मतदान संपन्न हुआ. राज्य में 3479 बूथ नक्सल प्रभावित थे, जबकि 9460 संवेदनशील श्रेणी के थे. लेकिन कहीं से भी किसी तरह की हिंसा नहीं हुई. झारखंड के अलग राज्य बनने के बाद यह पहला अवसर है, जब जवान फ्रंटफुट पर अभियान चला रहे हैं और नक्सली बैकफुट पर हैं. एक तरफ सुरक्षाबलों ने पिछले 17 महीने के दौरान 16 नक्सलियों को मुठभेड़ में मार गिराया है. वहीं 142 बड़े नक्सलियों को भी गिरफ्तार भी किया. साथ ही पुलिस की दबिश से परेशान होकर 52 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया. सुरक्षाबलों की तैयारी को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि अब झारखंड में नक्सली खत्म होने के कगार पर हैं.

इन 11 नक्सलियों पर किया गया इनाम घोषित

कुंदन खेरवार	10 लाख
सलमान उर्फ लोकेश	10 लाख
रवि गंझू	10 लाख
पकांडे होनहाना	05 लाख
मनीष यादव	05 लाख
शिवराज सिंह	05 लाख
शिव सिंह	05 लाख
अनिल तूरी	05 लाख
जितेंद्र सिंह	02 लाख
राजू भुइयां	02 लाख
बाबूलालजी	01 लाख

पुलिस-नक्सली मुठभेड़ में मारे जा रहे हैं ग्रामीण

सुरक्षाबलों की ओर से नक्सलियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है. इस अभियान के दौरान नक्सलियों को काफी नुकसान पहुंचा है. इस कार्रवाई से परेशान भाकपा माओवादी के नक्सली ग्रामीणों की हत्या कर रहे हैं. पिछले 16 महीने में नक्सलियों ने 20 ग्रामीणों की हत्या की है. साथ ही इस मुठभेड़ में सात पुलिस बल के जवान भी शहीद हुए हैं. इसके अलावा 36 मुठभेड़ की घटना हुई है.

डालटनगंज में 51 बच्चों का दृढ़ीकरण संस्कार

रांची । डालटनगंज स्थित पवित्र हृदय पल्ली चेतमा में गुरूवार को 51बच्चों ने दृढ़ीकरण और 35 बच्चों ने परमप्रसाद संस्कार ग्रहण किया. मुख्य अनुष्ठाता बिशप थियोडोर मस्कारेन्हास थे. उन्होंने 86 बच्चों को संस्कार प्रदान किया. इस अवसर पर बिशप ने कहा कि प्रभु ने विश्वासियो को बुलाया है, ताकि परमेश्वर का प्यार सबको मिल सके. उनके प्यार को महसूस कर सकें. ईश्वर के बताये मार्ग पर चल सकें. अपने भविष्य को उज्ज्वल बना सकें. विश्वासियों को परमेश्वर के प्रति बनना होगा. इसके लिए जरूरतमंद लोगों का सेवा करना होगा. मौके पर पुरोहित फादर मॉरिस कुजूर, पूर्व पुरोहित सेलेस्टिन, फादर अजय मिंज, सहायक पुरोहित विलियम खाखा, फादर अमरदीप केरकेट्टा, ब्रदर जेम्स, ब्रदर बीरबल तीन समेत अन्य धर्म बहनें शामिल थे.

राजद की हार पर रामदेव ने दिया इस्तीफा

मेदिनीनगर। राजद विधि प्रकोष्ठ के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष नेता रामदेव प्रसाद यादव ने पलामू लोकसभा सीट से राजद की हार से आहत होकर अपने पद से इस्तीफा दे दिया है. उन्होंने हार कि लिए संगठनन से जुड़े तमाम लोगों को जिम्मेदार बताया है. उन्होंने कहा है कि झारखंड में केवल एक सीट पर राजद प्रत्याशी ममता भुईयां चुनाव लड़.रहीं थीं, मगर चुनाव में राजद के मंत्री सत्यानंद भोगता प्रचार-प्रसार में नहीं लगे. प्रदेश के नेताओं को चुनाव में नहीं लगाया गया. स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं को चुनाव कार्य की जिम्मेवारी नहीं दी गयी. चुनाव के दौरान जिला अध्यक्ष ने मनमानी और उदंडता पूर्ण व्यवहार किया. बूथ मैनेजमेंट में भारी कमी हुई. प्रदेश अध्यक्ष द्वारा भी अपने नैतिक कर्तव्यों का निर्वहन नहीं किया गया. साथ ही इंडिया गठबंधन के घटक दलों के नेताओं ने भी ईमानदारी पूर्वक गठबंधन धर्म का पालन नहीं किया गया. यही सब राजद प्रत्याशी की हार का मुख्य कारण बना है. जितना भी मत मिला है वह बिना प्रचार-प्रसार के मिला है.

'राजभाषा कार्यान्वयन में प्रगतिशील दृष्टिकोण हो'

संवाददाता। रांची

गुरुवार को सीसीएल के दरभंगा हाउस में सीसीएल के सीएमडी निलेंदु कुमार सिंह की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक संपन्न हुई. बैठक की अध्यक्षता करते हुए अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक निलेंदु कुमार सिंह ने कहा कि राजभाषा कार्यान्वयन अत्यंत महत्वपूर्ण है. सभी विभागों के राजभाषा कार्यान्वयन में प्रगतिशील दृष्टिकोण होनी चाहिए. उन्होंने आगे कहा कि हिंदी की लोकप्रियता को लेकर विभागीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाना चाहिए. साथ ही हिन्दी में कार्य करने के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सभी विभागों की ज़िम्मेदारी दी. निदेशक (कार्मिक) हर्ष नाथ मिश्र ने कहा कि आपसी सहयोग व समन्वय से हमें कदम बढ़ाना होगा तभी हम राजभाषा के लक्ष्यों को प्राप्त कर सकेंगे. बैठक में मूल रूप से हिंदी में पत्राचार, टिप्पण आलेखन, कार्य करने संबंधी प्रोत्साहन योजना तथा हिंदी पुस्तक लेखन प्रोत्साहन योजना पर विस्तार से चर्चा हुई. राजभाषा में विगत तिमाही में उत्कृष्ट कार्य करने के शील्ड द्वारा पुरस्कृत किया गया. उपक्रम स्तरीय प्रतियोगिताओं में सीसीएल का प्रतिनिधित्व करने वाले विजयी प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह दिया गया. मौके पर निदेशक (कार्मिक) हर्ष नाथ मिश्र, महाप्रबंधक (का./राजभाषा) संजय कुमार ठाकुर, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष सहित सीसीएल के प्रतिनिधि उपस्थित थे.

ट्रैक्टर के धक्के से बाइक सवार दो युवक घायल

गुमला । गुमला सिमडेगा नेशनल हाइवे में पोजेंगा बाजार के समीप ट्रैक्टर के टक्कर से चोडांग पालकोट निवासी 28 वर्षीय जेतु खड़िया और ताज कमल सिंह घायल हो गए. दोनों घायलों को सदर अस्पताल लाया गया. दोनों युवक मुर्गा लाने पोजेंगा बाजार जा रहे थे तभी पोजेंगा बाजार के समीप पीछे से एक ट्रैक्टर टक्कर मार दिया. घटना के बाद ट्रैक्टर चालक घटनास्थल से फरार हो गया.

झारखंड की 14 लोकसभा सीटों के लिए हुए चुनाव में 171 उम्मीदवारों को नोटा से भी कम मिले वोट

प्रवीण कुमार। रांची

झारखंड की 14 सीटों के लिए हुए लोकसभा चुनाव में 171 उम्मीदवारों को नोटा से भी कम वोट मिले. इस बार के चुनाव में 1.92 लाख मतदाताओं ने नोटा का बटन दबाया, जबकि 1.72 करोड़ वोटरों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया. इस हिसाब से कुल मतदान का 1.12 फीसदी हिस्सा नोटा के खाते में गया. कुल 70 फीसदी उम्मीदवार नोटा से भी हार गए.

- 215 उम्मीदवारों की हो गई जमानत जब्त, 14 लोकसभा सीटों पर खड़े थे 244 प्रत्याशी

244 में से 215 उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई

राज्य की 14 लोकसभा सीटों पर 244 उम्मीदवार चुनावी अखाड़े में किस्मत आजमा रहे थे. इनमें से 215 उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गयी. यानि कुल 88.11 प्रतिशत उम्मीदवार जमानत बचाने में नाकाम रहे.

किस लोकसभा सीट में कितनों ने दबाया नोटा का बटन

कोडरमा	42,152
सिंहभूम	23,982
खूंटी	21,919
पलामू	23,343
राजमहल	18,217
लोहरदगा	11,384

किस लोकसभा सीट में नोटा से भी पीछे रहे उम्मीदवार

लोकसभा सीट नोटा से भी पीछे रहे उम्मीदवारों की संख्या

कोडरमा	13
सिंहभूम	11
खूंटी	05
चतरा	14
धनबाद	19
दुमका	09
गिरिडीह	08
गोड्डा	10
,हजारीबाग	11
जमशेदपुर	21
लोहरदगा	11
पलामू	06
राजमहल	10
रांची	23

एमेजॉन इंडिया मशीन लर्निंग समर स्कूल का शुभारंभ जुलाई में करेगा

छात्रों के लिए जुलाई में मशीन लर्निंग का निःशुल्क पाठ्यक्रम

संवाददाता। रांची

टेक्नोलॉजी के इस दौर में आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआइ) और मशीन लर्निंग को काफी बढ़ावा मिल रहा है. यही वजह है कि इन विषयों में पढ़ाई को लेकर छात्रों का रुझान भी काफी तेजी से बढ़ रहा है. वे इस क्षेत्र में अपनी स्किल्स और नॉलेज बढ़ा सकें, इस मकसद से एमेजॉन इंडिया मशीन लर्निंग (एमएल) समर स्कूल के चौथे संस्करण की शुरुआत कर रहा है. मशीन लर्निंग में अपना कॅरियर बनाने के इच्छुक छात्र 21 जून 2024 तक अपना

रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं. हालांकि रजिस्ट्रेशन 31 मई से ही शुरू हो चुका है. एमएलएसएस 2022 बैच के प्रभाष माले, जो वर्तमान में एमेजॉन में एप्लाईड साइंटिस्ट के रूप में काम कर रहे हैं, ने कहा, एमेजॉन एमएल समर स्कूल द्वारा हमारा उद्देश्य इस कमी को दूर करना और छात्रों को विज्ञान में कॅरियर बनाने के लिए इंडस्ट्री-रेडी बनाना है. यह एजुकेशनल कोर्स पूरी तरह निःशुल्क है, जिसे जुलाई महीने में चार सप्ताह तक चलाया जाएगा. इसके तहत आठ मॉड्यूल्स में छात्रों को मशीन लर्निंग की गहरी समझ और कौशल प्रदान किए जायेंगे.

एमेजॉन में एप्लाईड साइंटिस्ट प्रभाष माले ने बताया कि इस कोर्स में सुपरवाइज्ड लर्निंग, डीप न्यूरल नेटवर्क्स, डायमेंशन रिडक्शन, अनसुपरवाइज्ड लर्निंग, सीक्वेंशल मॉडल, रि-इन्फोर्समेंट लर्निंग, जेनरेटिव एआई व एलएलएम और कैजुअल इन्फेरेंस शामिल हैं. मशीन लर्निंग समर स्कूल में भारत के किसी भी मान्यता प्राप्त संस्थान से बैचलर, मास्टर्स या पीएचडी की पढ़ाई कर रहे इंजीनियरिंग के वैसे सभी छात्र हिस्सा ले सकते हैं, जो वर्ष 2025 या 2026 में अपनी डिग्री पूरी करने वाले हैं. पात्र छात्रों का एक विशेष टेस्ट होगा, जिसमें सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले 3000 छात्रों को एमएल समर स्कूल में प्रवेश दिया जाएगा.

एशियन कुश्ती चैंपियनशिप प्रतियोगिता के लिए भारतीय टीम का चयन आज होगा

झारखंड के 19 पहलवान दिल्ली में दिखाएंगे दमखम

संवाददाता। रांची

अंडर-17 सब जूनियर व अंडर-23 एशियन कुश्ती चैंपियनशिप का आयोजन अमान (जॉर्डन) में आयोजन होना है. इस प्रतियोगिता के लिए भारतीय टीम का चयन शुक्रवार को दिल्ली में होगा. भारतीय दल का हिस्सा बनने के लिए दिल्ली में झारखंड के 19 खिलाड़ी दम दिखाएंगे. दिल्ली में आयोजित प्रतियोगिता के चयनित खिलाड़ियों को एशियन कुश्ती चैंपियनशिप भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिलेगा. बता दें कि झारखंड की टीम प्रतियोगिता के लिए दिल्ली पहुंच चुकी है. झारखंड के पहलवानों को एशियन कुश्ती प्रतियोगिता के लिए चयन ट्रायल में उम्दा प्रदर्शन करने के लिए झारखंड राज्य कुश्ती संघ के अध्यक्ष जीशान कमर, अभिभावक के रवि कुमार, खेल निदेशक सुशांत गौरव, भोलानाथ सिंह, महासचिव रजनीश कुमार, विजय शंकर सिंह, कोषाध्यक्ष बबलू कुमार, उप निदेशक खेल राज किशोर खाखा एवं खेल विभाग झारखंड के पदाधिकारियों द्वारा शुभकामनाएं दी हैं.

जानिए वर्ग में ये खिलाड़ी नेशनल टीम के लिए करेंगे जोर आजमाइश

बालक- ग्रीको रोमन
1-रंजीत कुमार-45 केजी
2-विकास कश्यप-48 केजी
3-आदित्य कुमार गौरव-51 केजी
4-आकाश कुमार महतो-55 केजी
5-अभिषेक कुमार-60 केजी
6-अरविंद उरांव-65 केजी

बालक फ्री-स्टाइल
7-रोहित कुमार-55 केजी
8-चेतनानंद पटेल-60 केजी

बालिका फ्री-स्टाइल
9-खुशबू तिर्की-40 केजी
10-आरती कुमारी-43 केजी
11-रिचा कुजूर-46 केजी
12-स्नेहा कुमारी-49 केजी
13-पूनम उरांव-53 केजी
14-सिमरन विल्सन-57केजी

अंडर-23
15-रिंपा कुमारी-50 केजी
16-अंजीत कुमार मुंडा-55 केजी
17-अमित कुमार गोप-82 केजी

डीसी ने की शिक्षा विभाग के कार्यों की समीक्षा

गढ़वा। डीसी शेखर जमुआर की अध्यक्षता में गुरुवार को समाहरणालय स्थित सभागार में शिक्षा विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक हुई. इसमें शिक्षकों एवं छात्रों की उपस्थिति, विद्यालयों की साफ सफाई, पेयजल की उपलब्धता, शौचालय की साफ सफाई, पुस्तक वितरण, मध्याह्न भोजन का संचालन, बच्चों को दी जाने वाली स्वास्थ्य सुविधाएं, विद्यालयों के भवन निर्माण एवं रंग रोगन समेत अन्य विषयों पर एक-एक कर समीक्षा की गई. शिक्षा विभाग के उक्त समीक्षात्मक बैठक में डीसी ने जिला अंतर्गत सभी विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, शौचालय, पेयजल की व्यवस्था एवं विद्यालय की विधिवत्त साफ-सफाई, विद्युतिकरण, पोषाहार, पोशाक आदि बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित करने का निर्देश दिया.

पेज एक का शेष

ना हम हारे, ना तुम जीते...

इस चुनाव में भाजपा मुद्दे तय नहीं कर रही थी. सही या गलत विमर्श विपक्ष उछाल रहा था और भाजपा उस पर रिएक्ट कर रही थी. पिछले दस साल में ऐसा पहली बार हो रहा था. दूसरी बात यह कि भाजपा यह समझ ही नहीं पाई कि यह समय क्षेत्रीय दलों से जूझने का है न कि कांग्रेस से. वह कांग्रेस पर ज्यादा और क्षेत्रीय दलों पर कम हमलावर रही और कांग्रेस की सफलता का आधार क्षेत्रीय दल ही थे. यानी भाजपा ने क्षेत्रीय दलों को थामने, रोकने, संभालने की कोई रणनीति ही नहीं बनाई और जगह-जगह गच्चा खा गई.

बहरहाल, वर्तमान परिदृश्य उलट गया होता तो गरीब महिलाओं को एक-एक लाख रुपये मिलते, जातीय जनगणना होती, अग्निवीर योजना खत्म हो जाती, नौकरियों की बहार आ जाती, वेल्थ सर्वे होता, किसानों का कर्ज माफ हो जाता और भी बहुत कुछ हो जाता. लेकिन मतदाताओं ने एक तरफ बनाते-बनाते बिगाड़ दिया और दूसरी तरफ देते-देते हाथ खींच लिया. यानी यथार्थ यह है कि दोनों न हंस पा रहे हैं ना रो पा रहे हैं. मनोरथ किसी का पूरा नहीं हुआ है. फिर भी सब कह रहे हैं हमारी भी जय जय, तुम्हारी भी जय जय, न हम हारे ना तुम जीते.

गठबंधन साधने की चुनौती

नरेंद्र मोदी के तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने की राह आसान हो गयी है, लेकिन इस बार वे गठबंधन के नेता के बतौर इस पद पर पहुंचने वाले हैं. भारत में इसके पहले जवाहरलाल नेहरू अपनी पार्टी के बहुमत के सहारे तीन बार प्रधानमंत्री रह चुके हैं और इंदिरा गांधी भी ढाई साल के एक अंतराल के बाद तीन बार एक कांग्रेस के बहुमत के नेता के बतौर प्रधानमंत्री रह चुकी हैं, लेकिन इस बार की परिस्थितयां 2014 और 2019 की तुलना में बहुत भिन्न है. नरेंद्र मोदी को दो बैसाखियों को साधना होगा, जो टीडीपी और जदयू के रूप में उन्हें सहारा दे रहा है. नरेंद्र मोदी की सरकार की हनक इस बार कम रहेगी, क्योंकि एक मजबूत विपक्ष उनकी नीतियों और निर्णयों को चुनौती देने के लिए सदन और सदन के बाहर मुस्तैद है. विपक्ष ने जिस तरह की एकजुटता का प्रदर्शन किया है, उससे जाहिर होता है कि संविधान और लोकतंत्र की हिफाजत के लिए उसे जो जनादेश मिला है, वह उसकी रक्षा कर सकेगा. पिछले एक दशक में लोकतंत्र की वैश्विक कसौटियों पर भारत की गरिमा और मानक प्रभावित हुए हैं. नरेंद्र मोदी पहली बार वास्तविक अर्थ में गठबंधन का किस तरह नेतृत्व करते हैं, यह आने वाला समय ही बताएगा. उनके बारे में कहा जाता है कि वे स्वयं निर्णय लेने में सलाह नहीं लेते हैं. दो बार वे भाजपा के बहुमत के दम पर जिन आर्थिक नीतियों को गति दे रहे थे, क्या उस पर एनडीए लगाम लगाएगा या कारपारेट ताकतें गठबंधन के अन्य दलों को भी साधने में कामयाब होंगी. टीडीपी के नेता नायडू कारपारेट के पसंदीदा नेताओं में एक हैं. जनादेश समावेशी विकास नीति के पक्ष में है. चुनौती यह भी है कि जिन कारणों से लोग बेचैन हैं, उन्हें दूर करने की ठोस योजना पर विचार किया जाए? सियासी हलकों में यह आम राय है कि भाजपा को बहुत की राह रोकने में व्यापक बेरोजगारी और बढ़ती महंगाई प्रमुख कारण हैं. अपने सामने अवसरों का अभाव देख रहे लोगों- खासकर नौजवानों ने अनेक राज्यों में सत्ताधारी पार्टी को सबक सिखाने के मकसद से मतदान किया. यह अच्छी बात है कि इस राजनीतिक घटनाक्रम को अपनी जीत बताने के बजाय कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि यह चुनाव आम जन ने लड़ा. यानी उसे ही माहौल में आए बदलाव का श्रेय है. अब जबकि इंडिया गठबंधन बहुमत के आंकड़े से दूर है तो उसे इस अवसर का सही उपयोग करना चाहिए और जिन सवालों पर उसने चुनाव लड़ कर कामयाबी हासिल की है, मजबूती के साथ उस पर डटे रहना चाहिए. देश के युवाओं और अधिकांश आदिवासियों, अल्पसंख्यकों, दलितों, गरीब सवर्ण और पिछड़ों ने स्पष्ट संकेत दिया है कि उनके हितों की उपेक्षा नहीं होनी चाहिए और संविधान की प्रस्तावना के मूल्यों के अनुरूप देश में सहकार और सहभाग का समानतामूलक माहौल बनना चाहिए. नरेंद्र मोदी के लिए यह एक बड़ी चुनौती है कि वे चुनाव अभियान के दिनों में जिस तरह के विचार प्रस्तुत करते रहे हैं, उससे बरख्श स्वयं को परिमार्जित करते हैं या नहीं.

> दो बार वे भाजपा के बहुमत के दम पर जिन आर्थिक नीतियों को गति दे रहे थे, क्या उस पर एनडीए लगाम लगाएगा या कारपारेट ताकतें गठबंधन के अन्य दलों को भी साधने में कामयाब होंगी. टीडीपी के नेता नायडू कारपारेट के पसंदीदा नेताओं में एक हैं.

सुभाषित

वृश्चिकस्य विषं पृच्छे मक्षिकायाः मुखे विषम् ।
तक्षकस्य विषं दन्ते सर्वांगे दुर्जनस्य तत् ॥

बिच्छू का विष पीछे (उसके डंक में) होता है, मक्षिका (मक्खी) का विष उसके मुंह में होता है, तक्षक (सांप) का विष उसके दांत में होता है, किन्तु दुर्जन मनुष्य के सारे अंग विषैले होते हैं. इसलिए दुर्जनों से बहुत अधिक सावधान रहने की सलाह नीतिकार देते रहते हैं.

मोदी के राजनैतिक मॉडल का निषेध

संसद के भीतर विरोधी पार्टियों के सदस्यों को थोक के भाव से निकाल बाहर किया गया, उनके बयानों को कार्यवाहियों से हटाया गया. इस दौरान मोदी ने प्रेस या किसी भी तरह के उन्मुक्त संवाद से दूरी बनाये रखी. अलबत्ता ऐन चुनाव के वक्त पर उन्होंने 75 से अधिक साक्षात्कार देकर जनता को प्रभावित करने की कोशिश की. मोदी ने भारत के सामाजिक माहौल को भी खराब किया है. उनके सारे चुनावी भाषण नफरत पर आधारित और विभाजनकारी थे.

• देश-काल

डॉ. दीपक पाचपोर

एक बात जो स्पष्ट हो गयी है, वह यह कि देश की जनता ने निवर्तमान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नकारात्मकता एवं उनके द्वारा पिछले एक दशक में लागू राजनैतिक मॉडल को पूर्णतः अस्वीकृत कर दिया है. शाम तक भाजपा प्रणीत एनडीए व कांग्रेस के नेतृत्व में बने इंडिया गठबन्धन की बराबरी की टक्कर जारी थी. कभी किसी के आंकड़े ऊपर जा रहे थे तो कभी किसी के. हो सकता है कि जोड़-तोड़ में माहिर भारतीय जनता पार्टी सरकार बना ले और मोदी तीसरी बार पीएम बनने का अपना सपना भी पूरा कर लें, लेकिन यह निश्चित है कि मोदी बेहद कमजोर प्रधानमंत्री के तौर पर काम कर सकेंगे. उनके पास पहले दो कार्यकालों जैसा न तो रौब-दाब होगा और न ही वे सरकार व पार्टी के भीतर एकछत्र राज कर पायेंगे. इस लिहाज़ से कहा जा सकता है कि आने वाली राजनीति उन दुर्गुणों से मुक्त हो सकती है, जो मोदी लेकर आये थे. उल्लेखनीय है कि दोनों प्रमुख प्रतिद्वंद्वियों के शाम तक आये आंकड़े बहुमत के ईर्द-गिर्द थे. इसका अर्थ यह है कि जिसकी भी सरकार बनेगी, वह घटक दलों पर बहुत ज्यादा आश्रित रहेगी. मोदी को अपनी सियासत का वह स्वरूप छोड़ना होगा, जो उन्होंने बड़े बहुमत के बल पर गढ़ा था. उनकी व्यक्तिवादी राजनीति भाजपा पर भारी पड़ती नज़र आई है. इस लिहाज से कहें तो पार्टी भी उनके बारे में सोच सकती है कि क्या वह उन्हीं के नेतृत्व में सरकार बनाये या कोई नया चेहरा तलाश किया जाये. खैर, यह भाजपा व उसके सहयोगी दलों के सोचने की बात है परन्तु उन बिन्दुओं पर विचार किया जाना ज़रूरी है जो मोदी निर्मित राजनीति के हिस्से हैं. उनमें पहला तो है निरंकुशता का. याद हो कि 2014 में आये मोदी ने सारी शक्तियां अपने हाथों में ले ली हैं. संसद हो या कार्यपालिका अथवा कोई भी संवैधानिक संस्थाएं- सारी की सारी मोदी ने अपनी मुट्ठियों में कैद कर रखी थीं. जितने भी निर्णय लिये गये, वे सारे मोदी द्वारा या गिने-चुने लोगों के साथ मिलकर लिये गये. जीएसटी से लेकर नोटबन्दी व बुलेट ट्रेन से लेकर सेंट्रल विस्टा तक के फैसले अकेले मोदी ने लिये. संसद को कभी भरोसे में नहीं लिया गया. मंत्रिपरिषद नाममात्र की थी. फोकस मोदी पर ही रहा. समारोहों एवं विज्ञापनों में केवल मोदी ही होते थे. किसे चुनावी टिकट देने हैं और किन्हें नहीं- यह फैसला भी मोदी व उनके खासमखास केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह लेते रहे. पार्टी के अध्यक्ष जेपी नड्डा भी मुहर मात्र हैं.

अपने 'कांग्रेस मुक्त भारत' तथा बाद में 'विपक्ष मुक्त भारत' के सपने को पूरा करने के लिये मोदी-शाह की जोड़ी ने देश भर के उन सभी राज्यों में 'ऑपरेशन लोटस' चलाया, जिसके अंतर्गत विरोधी दलों की सरकारों को गिराया गया. इस दशक भर में 400 से अधिक विपक्षी विधायकों, सांसदों व नेताओं को खरीदकर या डरा-धमकाकर भाजपा में शामिल कराया गया. राजनैतिक विरोधियों ही नहीं, बल्कि वैचारिक रूप से उनके खिलाफ सभी लोगों को उन्होंने प्रताड़ित किया है. बड़ी संख्या में लेखकों, पत्रकारों, बुद्धिजीवियों, मानवाधिकार व सामाजिक कार्यकर्ताओं को इस दौरान जेल का रास्ता दिखाया गया. संसद के भीतर विरोधी पार्टियों के सदस्यों को थोक के भाव से निकाल बाहर किया गया, उनके बयानों को कार्यवाहियों से हटाया गया. इस दौरान मोदी ने प्रेस या किसी भी तरह के उन्मुक्त संवाद से दूरी बनाये रखी. अलबत्ता ऐन चुनाव के वक्त पर उन्होंने 75 से अधिक साक्षात्कार देकर जनता को प्रभावित करने की कोशिश की. मोदी ने भारत के सामाजिक माहौल को भी खराब किया है. उनके सारे चुनावी भाषण नफरत पर आधारित और विभाजनकारी थे. हिन्दू वोटों के ध्रुवीकरण के फेर में मोदी अपने पद की गरिमा से काफी नीचे उतर गये थे. उन्होंने कांग्रेस के घोषणापत्र पर 'मुस्लिम लीग की छाया' बतलाई तो वहीं यह झूठ बोला कि 'कांग्रेस की सरकार आई तो वह लोगों से मंगलसूत्र छीन कर कई-कई बच्चों वालों (मुसलमानों) को दे देगी.' उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि 'कांग्रेस व इंडिया गठबन्धन वाले लोगों के घरों में एक्सरे के द्वारा सोना निकाल लेंगे. यहां तक कि दो भैंसें हों तो एक भैंस खोलकर ले जायेंगे.' वे विपक्ष के नेताओं, खासकर कांग्रेस के खिलाफ बहुत अपमानजनक शब्दों का प्रयोग करते रहे. नतीजे बताते हैं कि उनकी शब्दावली का उन्हें फायदा तो मिला नहीं, उल्टे भारी नुकसान ही हुआ है. यह भी लोगों ने पूरी तरह से अस्वीकार किया कि उनके पीएम इस कदर अशालीन भाषा का प्रयोग करें. मोदी की राजनीति पूंजीवाद को बढ़ावा देने की रही है. 60 वर्षों के दौरान भारतीयों द्वारा कड़ी मेहनत कर बनाये गये अनेक सरकारी उपक्रमों को मोदी ने अपने मित्रों को औने-पौने भाव में बेच दिया या उपहारों की तरह सौंप दिया. निजीकरण को इस दौरान इस प्रकार से प्रचारित किया, मानो उसी के बल पर भारतीयों के घरों में लक्ष्मी बरसेगी. हुआ इसके विपरीत. आज देश के 80 करोड़ से ज्यादा लोग शासकीय राशन (5 किलो) पर जीवित हैं. मोदी ने उन्हें नागरिक से लाभार्थी बनाकर रख दिया. दरअसल यह भी उनकी राजनीति का ही हिस्सा है, जिसके पीछे नागरिकों को कमजोर करने का षडयंत्र छिपा हुआ है. मोदी ने जिस ध्रुवीकरण के बल पर तीसरी बार सत्ता पानी चाही है, हो सकता है कि उन्हें फिर से सरकार बनाने में कामयाबी मिल जाये, लेकिन अयोध्या जिस सीट के अंतर्गत आता है, यानी फैजाबाद, वहां से भाजपा प्रत्याशी लल्लू सिंह हार गये. इसी प्रकार से कैराना सीट, जो हिन्दू बहुल है- वहां इकरा हसन ने जीत दर्ज कर बतला दिया है कि यह एक धर्मनिरपेक्ष देश है और गंगा-जमुनी तहज़ीब ही इसकी प्रमुख पहचान है. पिछले कुछ समय से भाजपा यह बतलाने की कोशिश करती रही है कि भारत केवल हिन्दुओं का ही देश है और अल्पसंख्यक, विशेषकर मुस्लिम यहां दूसरे दर्जे के नागरिक बनकर रहेंगे.

• बोधि-वृक्ष | अनुराग शर्मा

योग की पहली मंजिल

योग के आठ अंग हैं. पहले अंग यम् में पांच तत्त्व हैं जिनमें से पहला ही “अहिंसा” है. मतलब यह कि योग की आठ मंजिलों में से पहली मंजिल की पहली सीढ़ी ही अहिंसा है. जीभ के स्वाद के लिए हत्या करने वाले क्या अहिंसा जैसे उत्कृष्ट विषय को समझ सकते हैं? श्रीमदभगवदगीता जैसे युद्धभूमि में गाये गए ग्रन्थ में भी श्रीकृष्ण भोजन के लिए हर जगह अन्न शब्द का प्रयोग करते हैं. अंडे के बिना मिठाई की कल्पना न कर सकने वाले केक-भक्षियों के ध्यान में यह लाना ज़रूरी है कि भारतीय संस्कृति में मिठाई का नाम ही मिष्ठान्न = मीठा अन्न है. पंचामृत, फलाहार, आदि सारे विचार अहिंसक, सात्विक भोजन की और इशारा करते हैं. हिंदू मंदिरों की बात छोड़ भी दें तो गुरुद्वारों में मिलने वाला भोजन भी परम्परा के अनुसार शाकाहारी ही होता है. संस्कृत ग्रन्थ हर प्राणी में जीवन और हर जीवन में प्रभु का अंश देखने की बात करते हैं. ग्रंथों में औषधि के उद्देश्य से उखाड़े जाने वाले पौधे तक से पहले क्षमा प्रार्थना और फ़िर झटके से उखाड़ने का अनुरोध है. वे लोग पशु-हत्या को जायज़ कैसे ठहरा सकते हैं? अब रही बात प्रकृति में पायी जाने वाली हिंसा की. मेरे बचपन में मैंने घर में पले कुत्ते भी देखे थे और तोते भी. दोनों ही शुद्ध शाकाहारी थे. प्रकृति में अनेकों पशु-पक्षी प्राकृतिक रूप से ही शाकाहारी हैं. जो नहीं भी हैं वे भी हैं तो पशु ही. उनका हर काम पाशविक ही होता है. वे मांस खाते ज़रूर हैं मगर उसके लिए कोई भी अप्राकृतिक कार्य नहीं करते हैं. वे मांस के लिए पशु-व्यापार नहीं करते, न ही मांस को कारखानों में काटकर पैक या निर्यात करते हैं. वे उसे लोहे के चाकू से नहीं काटते और न ही रसोई में पकाते हैं. वे उसमें मसाले भी नहीं मिलाते और बचने पर फ्रिज में भी नहीं रखते हैं. अगर हम मनुष्य इतने सारे अप्राकृतिक काम कर सकते हैं तो शाकाहार क्यों नहीं? शाकाहार को अगर आप अप्राकृतिक भी कहें तो भी मैं उसे मानवी तो कहूंगा ही. अगर आप अपने शाकाहार के स्तर से असंतुष्ट हैं और उसे पौधे पर अत्याचार करने वाला मानते हैं तो उसे बेहतर बनाने के हजारों तरीके हैं आपके पास. मसलन, मरे हुए पौधों का अनाज एक पसंद हो सकती है. और आगे जाना चाहते हैं तो दूध पियें और सिर्फ़ पेड़ से टपके हुए फल खाएं और उसमें भी गुठली को वापस धरा में लौटा दें. नहीं कर सकते हैं तो कोई बात नहीं - शाकाहारी रहकर आपने जितनी जानें बख्शी हैं वह भी कोई छोटी बात नहीं है. दया और करुणा का एक दृष्टिकोण होता है, जिसमें जीव-हत्या करने या उसे सहयोग करने का कोई स्थान नहीं है.

परिणामों को व्यापक नजरिए से समझना जरूरी

• सामयिकी

विश्वनाथ सचदेव

> संविधान को लेकर इधर चर्चाएं भी हो रही हैं. यही वह समय है, जब यह ज़रूरी हो गया है कि देश में संविधान की महत्ता और उसे लेकर उठाये जा रहे सवालों पर देश का प्रबुद्ध नागरिक विचार करे. हमारे संविधान-निर्माताओं ने इस बात को रेखांकित करना जरूरी समझा था कि यह देश हर भारतीय का है. जाति, धर्म, वर्ग, वर्ण के आधार पर किसी के साथ किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया जा सकता.

दुआशाओं और आशंकाओं के बीच झूलते हुए लोगों ने आम-चुनाव के परिणामों को देखने-समझने की कोशिश की है. इसी समझ का एक परिणाम यह भी है कि सारा चुनाव-प्रचार इस बात का साक्षी रहा है कि संकल्प-पत्र की गारंटियों और घोषणापत्रों के दावों के बावजूद कम से कम भाजपा की ओर से यह चुनाव मुद्दों से कहीं अधिक पार्टी के 'एकछत्र नेता' के नाम पर अधिक लड़ा गया था. हमारे संविधान में भले ही ऐसी कोई व्यवस्था न हो, पर पिछले चुनाव की तरह ही इस बार भी अमेरिका की राष्ट्रपति-प्रणाली की तरह चुनाव लड़ने की कोशिश सत्तारूढ़ दल ने अवश्य की थी. ऐसा नहीं है कि इस बार मुद्दे थे ही नहीं, पर मुद्दों की जगह जुमले ज़्यादा उछले. 'इंडिया एलायंस' ने ज़रूर संविधान की रक्षा जैसे सवाल उठाये और महंगाई बेरोज़गारी की बात की, लेकिन यह भी हमने देखा कि चुनाव-प्रचार के दौरान संविधान को बदलने की कोशिशों के संकेत भी दिये गये. भाजपा पर संविधान को बदलने की कोशिशों की बात कांग्रेस पार्टी ने उठायी थी. आरोप यह था कि भाजपा संविधान को बदलकर देश को तानाशाही की ओर ले जा सकती है. भाजपा ने इस बात का पुरजोर खंडन किया और हमारे संविधान के मुख्य शिल्पी बाबा साहेब अंबेडकर की दुहाई देकर संविधान में अपनी आस्था प्रकट की. यह कहना तो मुश्किल है कि संविधान को लेकर उठे इस मुद्दे का चुनाव के नतीजे पर क्या और कितना असर पड़ा, पर इतना तो कहा ही जा सकता है कि संविधान के साथ छेड़छाड़ की इस बात ने देश के नागरिकों के एक वर्ग को चौकन्ना अवश्य बना दिया था. संविधान को लेकर इधर चर्चाएं भी हो रही हैं. यही वह समय है, जब यह ज़रूरी हो गया है कि देश में संविधान की महत्ता और उसे लेकर उठाये जा रहे सवालों पर देश का प्रबुद्ध नागरिक विचार करे. हमारे संविधान-निर्माताओं ने इस बात को रेखांकित करना जरूरी समझा था कि यह देश हर भारतीय का है. जाति, धर्म, वर्ग, वर्ण के आधार पर किसी के साथ किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया जा सकता. हमारा संविधान नागरिक के कर्तव्य और अधिकारों की स्पष्ट व्याख्या करता है. था एक वर्ग जो समान अधिकार के नाम पर 'राजा और गंगू तेली' को समानता देने के तर्क को समझ नहीं पाया था, पर देश की सामूहिक चेतना ने हर नागरिक को वोट का अधिकार देकर यह सुनिश्चित कर दिया था कि जनतांत्रिक व्यवस्था में विश्वास करने वाला हमारा गणतंत्र क्षमता, स्वतंत्रता, न्याय और बंधुता के ठोस आधारों पर खड़ा है. यहां हर एक के वोट का अधिकार समान है; यहां हर एक को न्याय पाने का अधिकार है. यहां हर एक को विकास का समान अधिक अवसर मिलेगा; यहां हर एक को अपनी आस्था के अनुसार जीवन-यापन करने की सुविधा मिलेगी. देश के नागरिक को यदि किसी बात की गारंटी की आवश्यकता है तो वह इस बात की है कि उसे एक सार्वभौम स्वतंत्र देश के गौरवशाली नागरिक के रूप में जीने का अधिकार और अवसर प्राप्त हो. हमारा संविधान इस बात की गारंटी देता है. 18वीं लोकसभा के लिए हुए चुनावों में हमारे राजनीतिक दलों ने बहुत से वादे और दावे किये हैं. नई सरकार को एक वादा देश के हर नागरिक के साथ करना होगा- संविधान के बुनियादी ढांचे की रक्षा करने का वादा. कोई नयी बात नहीं है यह. हमारा हर निर्वाचित प्रतिनिधि और निर्वाचित सरकार का हर सदस्य संविधान की रक्षा की शपथ लेता है. इस रक्षा का सीधा-सा अर्थ यह है कि हम उन बुनियादी मूल्यों-आदर्शों के अनुरूप जीवन जीने का ईमानदार प्रयास करेंगे जो हमारे संविधान को एक पवित्र ग्रंथ बनाते हैं. सिर्फ माथा टेकने से संविधान की रक्षा नहीं होगी. संविधान के अनुरूप आचरण ही यह रक्षा करेगा. इस आचरण की पहली शर्त हर नागरिक को समान समझना है. इन चुनाव में हमने देखा है कि किस तरह वोट की राजनीति राष्ट्र के निर्माण की राजनीति पर हावी हो जाती है. हमने यह भी देखा है कि सत्ता की राजनीति करने वाले किस तरह धर्म और जातियों में नागरिकों को बांटकर हमारे संविधान की मूल अवधारणा पर प्रहार करते हैं. यह राजनीति बंद होनी चाहिए. हम सबके पास कुछ सपने होते हैं– अपने लिए, अपनों के लिए. सपनों की ये लक्ष्मण रेखाएं बंधन बन रही हैं. इन बंधनों से उबरना होगा– जब हमारा सपना सबके लिए सपना बनेगा, तब हमारा जनतंत्र सही अर्थ में सफलता की राह पर चलेगा. यह सफलता ही हम सब का सपना होना चाहिए. आज हमारे नेता विकसित भारत की बात कर रहे हैं– परिभाषित करना होगा इस विकास को. यह विकास तभी सही माने में अर्थवान होगा जब यह सबका विकास होगा.

भारत में गठबंधन सरकार की वास्तविक वापसी

• सियासत

हेमेत के. झा

> मोदी की चमक दिन प्रति दिन अब फीकी पड़ती जाएगी. लेकिन, तब भी, उनकी प्रायोजित लोकप्रियता और उनके वाग्जाल का लाभ उठा कर कॉर्पोरेट अपने मंसूबे साधते रहेंगे. वे मोदी को निचोड़ेंगे, गाड़ेंगे और एक “मजबूत नेता” की कृत्रिम छवि में कैद कर नैतिक मानकों पर निहायत ही कमजोर, गरीब विरोधी नेता के रूप में इतिहास में दर्ज करवाएंगे.

जो सरकार थी वह एनडीए सरकार नहीं थी, भाजपा सरकार भी नहीं थी, वह “मोदी सरकार” थी. अब नौबत है कि मोदी सरकार तो नहीं ही बननी है, भाजपा सरकार भी नहीं बननी है. बनेगी तो “एनडीए सरकार” बनेगी. मोदी सरकार अपने अहंकार और अपनी नाकामियों के गड्ढों में जा गिरी है. नरेंद्र मोदी चाहे जितना गाल बजा लें, वे भारत का प्रधानमंत्री बने रहने का नैतिक हक खो चुके हैं. उन्हें इस्तीफा दे कर ध्यान, योग आदि में खुद को लगाना चाहिए. नाटक वाला ध्यान नहीं, असली वाला ध्यान. लेकिन, ध्यान लगाना इतना आसान भी तो नहीं. दिमाग में जब हजार खुराफातें चल रही हों तो ध्यान लग ही नहीं सकता. अभी तो बैंकों को रसातल में पहुंचा कर उन्हें प्राइवेट हाथों में सौंपने का कार्पोरेट का “टास्क” अधूरा ही पड़ा है. उधर रेलवे, हवाई अड्डे, बंदरगाह आदि भी पूरी तरह कहां कब्जा सके हैं वे लोग! कई जगह कई पेंच फंसे पड़े हैं. मुक्त अर्थव्यवस्था के नाम पर अभी कितने खेल करने बाकी हैं. ऐसे दौर में, जब अमेरिका और यूरोप में मुक्त आर्थिकी से उपजी अराजकताएं वैचारिक चुनौतियों की जद में हैं, भारत में मोदी जी उसका झंडा उठाए शान से घूम रहे हैं, जितना बन पड़ रहा है, उल्टा पुल्टा कर रहे हैं, राष्ट्रीय साधनों और संसाधनों का कारपोरेटीकरण कर रहे हैं. फिर से प्रधानमंत्री बन जाने के समर्थन में हजार तर्क ढूंढ लेंगे. मोदी सरकार न सही, भाजपा सरकार भी न सही, एनडीए सरकार के नाम पर राज करेंगे. राज ही क्यों, भारत को “नए दौर” में ले जाने का टास्क पूरा करेंगे. नायडू को “हैंडल” कर लेना कार्पोरेट आकाओं के लिए कोई बड़ी बात नहीं होगी. नीतीश कुछ टेढ़े जरूर हैं, लेकिन अब वे नीतीश कुमार रहे ही कहां. अब तो पता ही नहीं चलता कि उनकी तरफ से फैसले कौन सी चौकड़ी ले रही है. उस चौकड़ी के इरादे और निष्ठाएं संदिग्ध प्रतीत होती हैं. राहुल गांधी की वैचारिक चुनौतियां बेशक राहों में रोड़े अटकाएंगी. लेकिन, कोई बात नहीं. भांड़ की जमात में तब्दील हो चुके एंकर एंकरानियों की भीड़ है न. वे नैरेटिव्स गढ़ेंगे, जैसे गढ़ते रहे हैं. वैचारिक बातें करने वालों को बदनाम करेंगे, विकास विरोधी ठहराएंगे. फेसबुक जैसे मंच इसी तरह वैचारिक विमर्शों की रीच को प्रतिबंधित करेंगे, लिखने वालों को हतोत्साहित करेंगे. हिन्दी अखबार वाले फालतू की खबरों से पन्ने भरेंगे, जरूरी खबरों से पब्लिक को दूर रखने की हर कोशिश करेंगे. मोदी की चमक दिन प्रति दिन अब फीकी पड़ती जाएगी. लेकिन, तब भी, उनकी प्रायोजित लोकप्रियता और उनके वाग्जाल का लाभ उठा कर कॉर्पोरेट अपने मंसूबे साधते रहेंगे. वे मोदी को निचोड़ेंगे, गाड़ेंगे और एक “मजबूत नेता” की कृत्रिम छवि में कैद कर नैतिक मानकों पर निहायत ही कमजोर, गरीब विरोधी नेता के रूप में इतिहास में दर्ज करवाएंगे. अब तक के राज में मोदी ने आम करदाताओं की चाहे जितनी फजीहतें की हों, देश का चाहे जो हाल किया हो, खुद मोदी की फजीहत नहीं हुई. अब होगी. अतीत में अपनी ही खड़ी की गई आर्थिक समस्याओं से निपटने में उनकी सफलता निहायत ही संदिग्ध है. उनसे बातें चाहे जितनी ले लो, सब्जबाग चाहे जितनी गढ़वा लो, गंभीर आर्थिक चिंतन उनके या उनके थिंक टैंक के बस का नहीं. तो, आर्थिक चुनौतियों के मद्देनजर मोदी जी अब आलोचकों और विरोधियों के निशाने पर अधिक रहेंगे और देश उनकी राजनीतिक फजीहतों का साक्षी बनेगा. फर्जी आंकड़े अखबारों में, न्यूज चैनलों में विकास की गाथा के रूप में हमारे सामने आते रहेंगे. जैसे, आज ही चुनाव “जीतने” के बाद मोदी जी ने कहा “हमारी सरकार ने 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकाला है.” अब कह दिया तो निकाला होगा. कौन गिने इतनी मुंडियां, वह भी गरीबों की. इतिहास में मोदी भारत के ऐसे पहले प्रधानमंत्री हैं, जो राजनैतिक नैतिकता के नए प्रतिमान गढ़ते हैं, भले ही नकारात्मक अर्थों में. उनकी अपनी नैतिकता है. तो, अगर मोदी जी प्रधानमंत्री बनते हैं, जो कि वे बनेंगे ही, वे बने बिना मानेंगे नहीं, कार्पोरेट प्रभु उन्हें बनवाए बिना मानेंगे नहीं. अगर थोड़ी भी गुंजाइश है तो कोई क्यों माने? यहां तो एनडीए की जीत के नाम पर बड़ी गुंजाइश है. उन्हें बनना ही चाहिए. वैसे भी, दस वर्षों में अर्थव्यवस्था की और देश की भावात्मक एकता की जो ऐसी की तैसी मोदी सरकार ने करवाई है, एनडीए सरकार के रूप में उसका प्राप्तव्य भोगना होगा. जनता ने इस बार लड़ाई लड़ी है. मुकम्मल नहीं लड़ी. वक्त तो लगता ही है. लेकिन, संतोष है कि सत्ता परिवर्तन भले न हो रहा हो, अहंकार टूटा है और राजनीतिक परिवर्तन की ओर देश मुड़ चुका है.

मीडिया में अन्यत्र

चुनाव नतीजों का कांग्रेस के लिए सबक

वर्ष 2014 और 2019 के आम चुनाव में ऐतिहासिक गिरावट के बाद ऐसा प्रतीत होता है कि कांग्रेस पार्टी ने अपनी नाकामियों से सबक लिया और अब संसद में उसके सदस्यों की संख्या तकरीबन दोगुनी हो गई है. पार्टी ने ऐसे गठबंधन बना लिए, जिसने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दबदबे को खत्म किया. इसमें पारंपरिक रूप से भाजपा के मजबूत क्षेत्र भी शामिल थे. कांग्रेस के व्यापक चुनाव प्रचार में शायद ही कुछ नयापन था. वही मुफ्त उपहारों जैसी पुरानी बातों के बीच इस राजनीतिक दल ने आखिरकार उस तीक्ष्ण राजनीतिक सूझबूझ का परिचय दिया, जो पिछले एक दशक से नदारद थी. इस वापसी की बुनियाद कांग्रेस नेतृत्व की उस समझ में निहित है, जिसके तहत उसने अपनी सीमाओं को पहचाना और गठबंधन साझेदारों की राजनीतिक क्षमताओं को बेहतर ढंग से सराहा. इसके परिणामस्वरूप पार्टी ने केवल 328 लोक सभा सीटों पर प्रत्याशी उतारे. यह पहला मौका था जब पार्टी 400 से कम लोक सभा सीटों पर चुनाव लड़ी. 2014 और 2019 में पार्टी ने क्रमशः 464 और 421 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे थे. इस बार पार्टी ने इंडियन नैशनल डेवलपमेंट इन्क्लूसिव अलायंस यानी 'इंडिया' गठबंधन के साझेदारों को 100 से कुछ अधिक सीटें दीं. दिलचस्प बात यह है कि सबसे बड़ी कमी उत्तर प्रदेश में आई. 2019 की 67 सीटों के मुकाबले इस बार कांग्रेस वहां केवल 17 सीटों पर लड़ी और अन्य सीटें अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी को दे दीं. सबसे मुख्य बात थी भारतीय जनता पार्टी को उसके गढ़ में पछाड़ना. उत्तर प्रदेश की 80 लोक सभा सीटों में से 'इंडिया' गठबंधन को 43 सीटों पर जीत मिली. समाजवादी पार्टी 37 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी. याद रहे कि 2019 में उसे केवल पांच सीटों पर जीत मिली थी. पार्टी ने इस चुनाव में कई मझोले और निचले तबके से चुनकर उम्मीदवारों को मैदान में उतारा. कांग्रेस गठबंधन महाराष्ट्र तथा तमिलनाडु जैसे अन्य बड़े राज्यों में भी कारगर साबित हुआ. क्षेत्रीय दलों के साथ गठबंधन ने भी पार्टी की मदद की क्योंकि चुनाव में कोई प्रमुख राष्ट्रीय मुद्दा नदारद था. ऐसे में कांग्रेस और क्षेत्रीय दलों ने बुनियादी और स्थानीय मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया. अगर 'इंडिया' गठबंधन पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में मजबूती से लड़ा होता तो पार्टी को और फायदा हो सकता था. जरूरत पड़ने पर अपने कदम पीछे रखने की रणनीति ने इंडिया और कांग्रेस दोनों को फायदा पहुंचाया. पार्टी का चुनाव प्रचार भी सामाजिक न्याय आरक्षण और संविधान बचाने पर केंद्रित रहा. **(बिजनेस स्टैंडर्ड)**

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

हरि/हरी

गोस्वामी तुलसीदास कहते हैं-हरि अनंत हरि कथा अनंता, गावहिं सुनहिं कहहिं मुनि संता. इस चौपाई में हरि की महिमा का बखान किया गया है. इससे मिलता जुलता शब्द है हरी, जिसका अर्थ हरि से बिल्कुल अलग है. हरि शब्द पर विचार करने से पहले एक पौराणिक लघुकथा का अनुशीलन करते हैं. देवर्षि नारद एक अत्यंत सुंदर राजकन्या पर मुग्ध हो गये. राजकुमारी का स्वयंवर होने लगा तो नारद जी उसमें भाग लेने को उत्सुक हो गये और भगवान विष्णु के पास जा कर उनसे कुछ समय के लिए हरि रूप मांगा. भगवान ने एवमस्तु कह दिया. स्वयंवर में आये तो कन्या उन्हें देखकर डर गयी. लोगों के कहने पर नारद जी ने अपनी छाया देखी तो पता चला कि उन्हें भगवान के बजाय बंदर का रूप मिल गया है. हरि तत्सम संज्ञा पुल्लिंग शब्द है, जिसका अर्थ भगवान के अलावा बंदर, सिंह, सूर्य, इंद्र, ईश्वर तथा बौद्धों के अनुसार एक बहुत बड़ी संख्या भी होता है. वैसे हरि शब्द का आशय मुख्य रूप से भगवान विष्णु, श्री रामचंद्र और श्रीकृष्ण के रूप में ही लिया जाता है. कुछ शब्दकोशों में हरि का अर्थ चमकना, फलना-फूलना, हरा-पीला बताया गया है, जिससे फारसी शब्द ज़ार यानी सोना', ग्रीक ख्लोरोस हरा, स्लाविक जेलेन हरा और ज़ोल्टो 'सोना', साथ ही अंग्रेजी शब्द पीला और सोना भी उत्पन्न हुआ. यही मूल शब्द अन्य संस्कृत शब्दों जैसे हरिद्रा में भी पाया जाता है, जिसे सामान्यतः हल्दी कहते हैं. इसका नाम इसके पीले रंग के कारण रखा गया है. हरि की व्युत्पत्ति संस्कृत के हृ धातु से हुई है, जिसका मतलब हड़पना, जब्त करना, चुराना है. वैष्णववाद के संदर्भ में इसकी व्याख्या ₹बुराई या पाप को दूर करने या हटाने₹ के रूप में की जाती है. विष्णु के रूप में हरि का अर्थ है, वह जो संसार को नष्ट करता है. हरी संज्ञा स्त्रीलिंग के लिए लगनेवाला विशेषण शब्द है. जैसे हरा रंग, हरी धरती.

रामनाम की लूट है, लूट सके तो लूट!

• तीर-तुक्का

सुशील यादव

राम नाम की लूट है, लूट सके तो लूट, अंत काल पछताइहे ,प्राण जाइहे छूट. राम नाम को लूटने की परंपरा का विगत बीस पच्चीस सालों से ह्रास हो गया है. जिन मंदिरों में ले जाकर, दादा-दादी बच्चों को राम-नाम का इंजेक्शन दिया करते थे, वहां बच्चों का जाना कम हो गया. प्ले–ग्रुप, केजी स्कूल से लेकर मास्टर डिग्री तक बच्चों को पढाई के बोझ से फुर्सत नहीं. दादा-दादी बच्चों को अगर मंदिर ले जाने के लिए तैयार करते हैं, तो ऐन चलते वक्त मां-बाप बच्चों को आंखें दिखा देते हैं, राहुल, होमवर्क हो गया? पिंकी प्रोजेक्ट का काम फिनिश कर लेते बेटा, फिर मंदिर की सोचना? मंदिर जो राम-नाम की पाठशाला हुआ करती थी, बच्चों के बचे हुए समय में भी समा नहीं रहा. राम के नाम को लूटने की परवाह ही नहीं? व्यस्तता इतनी कि ट्यूशन आते-जाते भी दर्जनों मंदिर आ जाते, जिन्हें वे जानते भी नहीं. हमारे समय में किसी पेड़ को प्रणाम कर लेना, सूरज को अर्घ्य देना, सुबह उठ कर, धरती मैय्या को, आस्था के साथ स्पर्श करना अपने-आप हो जाता था. हम लोग सही मायने में राम-नाम को, 'राम-नाम सत्य' हो जाने तक तन-मन से जपते थे. आजकल राम-नाम पर, एक पार्टी का एकाधिकार हो गया है. पार्टीवाले रामनामी पिटारे को हर पांचवें साल इस उम्मीद से खोलते हैं, कि 'दो' से 'दो-सौ' सांसद वाला, चमत्कार अयोध्यावासी के हाथों में अब भी है. वे राम-नाम को लूटने कि बजाय वोटरों को लूटने की तरफ चल देते. लूटने के इतिहास पर गौर किया जाये तो बेचारे 'महमूद गजनवी' का उनके देश में एक्सप्लेनेशन पूछ लिया जाये, 'खाली हाथ वापस आ गए? देश का नाम मिट्टी में मिला दिया, कमीने. जहां तू लूटने गया था, क्या नहीं था वहां? तुझे दो-चार मुकुट, मुट्ठी-भर हीरे-जवाहरात ही दिखा तुझे? देखना था तो घपले वाला बांध देखा होता, वीरप्पन वाले चन्दन के जंगल देखे होते, यदुरप्पा टाइप माइनिंग खंगाला होता? रेल के ठेके, कोयला खदान की दलाली देखी होती. सुखराम के संचार, राजा के 'टू जी –थ्री जी' के लिए इन्तजार किया होता? कहां गए थे, वे हथियार के सौदे, ट्रांसपोर्ट में, बिजली में, मिड डे मील, नरेगा-वरेगा सब जगह तो इफरात पैसा था, पाने को. ठहर के वेट तो करना था ,क्या जल्दी थी वापस आने की? घोड़े, भूखो तो नहीं मर रहे थे? दो एक पीढ़ी तू रह लेता तो सौ पीढ़ियों का इन्तिजाम हो जाता. खूंटे से रस्सी तोड़ के भाग आया छि'.......एक तेरे वहां रहने से आज हम लोग स्विस बैंकों के मालिक होते, सुपर पावर होते, दुनिया हमारे इशारों पर नाचती? गधे तूने क्या किया? इंडिया जैसे 'लूट के स्वर्ग' को, जहां साधू के भेष में लूटने का स्कोप है, छोड़ आया बेवकूफ ....

धर्म अध्यात्म

सिखों के पांचवें गुरु अर्जुन देव जी का बलिदान दिवस : 10 जून

शहीदों के सरताज एवं मानवता के पुजारी गुरु अर्जुन देव जी

डॉ सुरिन्दर कौर नीलम

शहादत की कलम से लिखे गए शहीदों के ऐतिहासिक पृष्ठ, मानवता की रक्षा हेतु तय की गई दुर्गम यात्रा की कथा सुनाते हैं एवं उस यात्रा की अभी और कितनी दूरी तय करनी है, इसका आभास कराते हुए हमें मंजिल तक पंहुचने की प्रेरणा भी देते हैं. सिखों के पांचवें गुरु अर्जुन देव जी का नाम इसी कड़ी में शामिल है जिन्होंने 30 मई सन् 1606 ई. को सिख धर्म के शहीदों के इतिहास का प्रथम पृष्ठ अपनी शहादत से लिखा.

गुरु अर्जुन देव जी का अवतार ग्रहण 15 अप्रैल सन् 1563 में गोइंदवाल (अमृतसर) में हुआ. इन्हें पंचम नानक भी कहा जाता है. अत्याचारों और अन्याय के बोझ से दबे लोगों को जीने का अधिकार दिलाने और उनमें नूतन आत्मविश्वास जगाने हेतु गुरु जी ने अपनी कुर्बानी दी. उन्हें यह प्रेरणा गुरु नानक जी से मिली थी, जिन्होंने सिख धर्म की स्थापना के समय यही मूल लक्ष्य अपने सेवकों के समक्ष रखा था-

" जो तौ प्रेम खेलन का चाओ
सिर धर तली,गली मोरी आओ"

अर्थात यदि तुम लोग प्रभु प्रेम का दावा करते हो तथा मेरे साथ चलना चाहते हो तो सिर हथेली पर रखकर मेरे पास आओ." इसी प्रेरणा के तहत गुरु अर्जुन देव जी मानवता के रक्षार्थ कुर्बानी देकर **"शहीदों के सरताज"** कहलाए.

कुर्बानी के कारण

अकबर के बाद जब जहांगीर सिंहासन पर बैठा तो उसने इस्लाम के उन सारे नियमों को उजागर किया जिन्हें बादशाह अकबर के समय तिलांजलि दे दी गई थी. गुरु जी के प्रचार और प्रयास से सिख धर्म की बढ़ती हुई शक्ति से जहांगीर ईर्ष्या करने लगा. गुरु जी की बढ़ती लोकप्रियता एवं प्रभाव से भयभीत होकर जहांगीर ने गुरु जी को इस्लाम धर्म कबूल करवाने अन्यथा शहीद कर देने का फैसला किया.

शहजादा खुसरो जहांगीर का छोटा बेटा था. अकबर द्वारा शहजादे सलीम को गद्दी देने के कारण खुसरो नाराज़ था. वह आगरा छोड़कर अपने तीन सौ पचास सैनिकों के साथ गुरु जी के पास पंहुचा. गुरु जी ने उसे आशीर्वाद देते हुए उसकी सहायता की. परंतु खुसरो को गिरफ्तार कर लिया गया और गुरु जी पर उसकी सहायता करने का दोष मढ़ दिया. मौके की तलाश में प्रतीक्षारत जहांगीर ने गुरु जी को बंदी बनाकर शहीद करने का हुक्म दिया.

शहीदों के सरताज

30 मई 1606 ई , लाहौर में गुरु जी को शहीद किया गया. गुरु जी को खौलते पानी में उबाला गया. गर्म तवे पर बैठाकर नीचे आग जला दी गई और नग्न शरीर पर गर्म बालू डाला गया. परंतु शांति के अवतार गुरु जी के मुंह से यही बोल निकले- तेरा कीया मीठा लागे... इस तरह गुरु जी ने इस्लाम धर्म कबूल नहीं किया और मानवता के कल्याण हेतु शहीद हो गए.

निभाए मानवता के ये कर्तव्य

- मानवता के प्रति अपने कर्तव्यों का पालन गुरु जी ने बखूबी किया. इन्होंने गुरु रामदास जी द्वारा प्रारंभ किये गये अमृतसर सरोवर कार्य को पूरा कर सरोवर के मध्य में हरमंदिर साहिब की स्थापना की. इन्होंने गुरु नानक जी एवं अन्य 36 संतों और महापुरुषों की वाणी का संकलन कर गुरु ग्रंथ साहिब में सजाकर संपादन किया. इन्होंने करतारपुर शहर की नींव रखी और तरनतारन शहर भी बसाया. लाहौर के मुगल सूबेदार ने गुरु जी से प्रभावित होकर गुरु जी की योजना के अनुसार ' दामी बाजार' में पानी की सुविधा हेतु एक बावली खुदवाई. वर्षा की कमी को देखते हुए अमृतसर से पांच किलोमीटर दूर छः रहटों का कुआं भी खुदवाया जहां आज प्रसिद्ध गुरुद्वारा ' छरहटा' दर्शनीय है. गुरु जी ने अनेक धर्मशालाओं का निर्माण कराया. तरनतारन में कोढ़ियों के लिए ' पिंगलवाड़ा' बनवाया तथा निर्धन लोगों के लिए दवा और इलाज के प्रबंध किए. जीवन पर्यन्त वे नशाखोरी और सती प्रथा उन्मूलन हेतु प्रयत्नशील रहे. अपनी महान रचना ' सुखमनी' में उन्होंने मन को वश में रखते हुए शांतिपूर्ण ढंग से सुखों की प्राप्ति का संदेश दिया है.
- सचमुच गुरु जी का जीवन कुर्बानी की ऐसी मिसाल है कि जिस पर कुर्बान होने को जी चाहता है. हमें उनके जीवन मूल्यों को प्रेरणास्रोत मानकर मानवता की रक्षा हेतु स्वयं का बलिदान देने की भावना जागृत करनी चाहिए.

घर के सुख-सौभाग्य के प्रहरी ये जानवर

स्वामी विमलेश
वास्तु शास्त्री

फेंगशुई वास्तु शास्त्र में मछली, कछुआ, मेंढक, ड्रैगन, ऊंट और हाथी आदि के प्रतीक/ शोपीस/ पेंटिंग/ मूर्ति/ चित्र की घर में मौजूदगी और किसी खास दिशा में रखा जाना सुख-सौभाग्य में वृद्धिकारक माना जाता है. ऐसी मान्यता है कि इनसे वातावरण को सकारात्मक ऊर्जा मिलती है. हमारे भाग्य में वृद्धि होती है. आइए, आज वास्तु में उपयोग होने वाले ऐसे ही जानवरों की करें चर्चा...

- **ऊंट**
फेंगशुई में ऊंट को आर्थिक लाभ, कारोबार बढ़ाने और जॉब में तरक्की पाने के लिए बहुत लाभकारी माना गया है. वर्कप्लेस पर ऊंट की मूर्ति रखते ही कुछ ही दिन में फर्क नजर आने लगता है. वर्क प्रोडक्टिविटी बढ़ जाती है. काम पर फोकस बढ़ता है. करियर में ग्रोथ होता है. स्टडी टेबल पर ऊंट की स्टेच्यू रखने से करियर में सफलता मिलने लगती है. घर की उत्तर-पश्चिम दिशा में ऊंट जोड़े की मौजूदगी आय बढ़ाती है.

- **हाथी**
घर के मुख्य द्वार पर सूंड उठाए हुए हाथी की मूर्ति समृद्धि लाती है तो मुख्य दरवाजे के दोनों ओर हाथी की मूर्ति के जोड़े को रखने से सुख, सुरक्षा, सौभाग्य और संपत्ति का आवागमन होता रहता है. स्टडी टेबल पर हाथी की मूर्ति की मौजूदगी छात्रों की एकाग्रता बढ़ाती है. वहीं हाथी के ऊपर बंदर या मेंढक के स्टैच्यू को रखने से करियर में स्थिरता आती है और उन्नति के द्वार खोलता है. सात हाथियों की मूर्ति संतान सुख दिलाती है.

- **कुत्ता**
दक्षिण-पश्चिम कोने में कुत्ते की शोपीस रखने से परिवार जनों के आपसी रिश्ते में मधुरता आती है. यदि आप धन के अपव्यय से परेशान हैं तो इसे दक्षिण-पूर्व कोने में रखें. इससे धन का संचय होता है.

- **बंदर**
फेंगशुई के अनुसार, घर पर बंदर की मूर्ति का उत्तर, दक्षिण पूर्व या दक्षिण दिशा में रखना शुभ प्रभाव दिलाता है. इससे करियर में ग्रोथ होती है. सोचने की क्षमता में रचनात्मक वृद्धि होती है. बुद्धि बढ़ती है. धन का अगमन होता है और प्रसिद्धि मिलती है.

- **सांप**
फेंगशुई में मान्यता है कि सांप के शोपीस नकारात्मक ऊर्जा को दूर करते हैं. घर में इससे सकारात्मकता का वास होता है. घर के दक्षिण-पश्चिम कोने में सांप के शोपीस रखना सबसे अच्छा होता है. इससे कार्यक्षेत्र में भी सफलता हासिल होती है. बुद्धि में इजाफा होता है.

- **चमगादड़**
फेंगशुई के अनुसार, घर की दक्षिण दिशा में चमगादड़ की मूर्ति या फोटो को रखना भाग्य का दरवाजा खोल देता है. किस्मत चमक जाती है और सुख- समृद्धि का आगमन होता है.

- **हिरण**
घर की पूर्व दिशा में लंबी सींग वाले हिरण को रखना स्वास्थ्य के लिए अच्छा माना जाता है. ऐसी मान्यता है कि घर में हिरण की मूर्ति की मौजूदगी से कानूनी जंग में जीत हासिल होती है.

- **ड्रैगन**
चीनी फेंगशुई में ड्रैगन को ताकत का प्रतीक माना जाता है. ड्रैगन के शोपीस को अगर आप घर के दक्षिण-पूर्व दिशा में रखते हैं तो यह नकारात्मक ऊर्जा को दूर करता है.

- **सुअर**
चीनी वास्तु में सुअर को काफी शुभ और आर्थिक लाभ दिलाने वाला माना जाता है. संभवतः इसीलिए कई घरों में सुअर के शोपीस गुल्लक के रूप में होती है. इसकी शोपीस या स्टैच्यु दक्षिण-पश्चिम कोने में रखना चाहिए.

भजहु राम सब काम बिहाई

मानव जीवन अमूल्य है. इसे सार्थक बनाने के प्रयत्न हम सभी को करने चाहिए. जीवन तभी सार्थक हो सकता है, जब हम ऐसे काम करें जिन पर हमें तो गर्व हो ही, हमसे जुड़े हुए लोग भी उन कार्यों से खुश रहें. जीवन की सार्थकता मानवीय मूल्यों के विकास में है. व्यक्ति यदि अपने भीतर करुणा, सदाशयता, सौशील्य आदि गुणों का पूर्ण विकास कर लेता है तो वह कालजयी, अजातशत्रु होता है, अभय होता है. इसके लिए सबसे पहले तो हमें अपने आपके प्रति ईमानदार होना चाहिए, तभी हम अपनी संतान को सदाचरण की सीख दे पाएंगे.

मोहन मंगलम

जीवन की सार्थकता के महत्वपूर्ण बिंदु हैं - लोक कल्याण, आत्मकल्याण, ईश्वर का सामीप्य, मानव हित को सर्वोपरि मानना. हम शरीर को साधन मानकर जीवन के उद्देश्य निर्धारित करें. हमें साधन नहीं जुटाते रहना है, क्योंकि ऐसा करते हुए हम स्वयं ही साधन बन जाते है.

नीतिशास्त्र भी कहता है -

विद्या ददाति विनयं विनयाद्याति पात्रताम्।
पात्रत्वात् धनमाप्नोति धनात् धर्मः ततः सुखम्।।

विद्या व्यक्ति को विनम्र बनाती है, विनम्रता से योग्यता आती है, योग्यता से धन और समृद्धि आती है, समृद्धि से सही आचरण होता है और सही आचरण से संतुष्टि आती है.

बुद्धिमान व्यक्ति अपार धन और विद्या की प्राप्ति होने पर विनम्र बन जाता है.

यदि कोई व्यक्ति गुण और विद्या में कुछ कम भी हो, पर यदि वह विनम्र हो तो लोग उसे अधिक मान देते हैं. नम्रता का व्यवहार सभी को प्रिय लगता है.

धर्म कर्म ही जाता साथ

यदि आत्मोन्नति करनी है तो भौतिकता के मार्ग को छोड़कर आध्यात्मिकता का मार्ग अपनाना चाहिए. जीवन की सार्थकता आध्यात्मिकता एवं प्रामाणिकता से सिद्ध होती है. लोक और परलोक दोनों को सुधारने के लिए धर्म का अनुपालन जरूरी है. यही सच्चा साथी है. मृत्यु होती है तो सगे-संबंधी, धन-सम्पत्ति, मकान-दुकान सब कुछ यहीं छूट जाता है. कुछ भी साथ नहीं जाता है. केवल धर्म और कर्म ही साथ जाता है.

औरों का दुःख करें दूर

जिन्दगी होड़ है. जिन्दगी दौड़ भी है, परंतु यदि यह होड़ और दौड़ दूसरों का दुःख दूर करने के लिए नहीं है तो ये सारे प्रयत्न व्यर्थ हैं. सपनों का संसार बहुत लुभावना होता है और उन प्रलोभनों से ऊपर उठकर केवल इसी एक गुण को अर्जित कर लें तो भी जीवन धन्य-धन्य हो जाएगा. यह मनुष्य होने का लक्षण है. अपने दुःख से सब परेशान रहते हैं; पर कितने लोग ऐसे हैं जो दूसरों के दुःख को अपने ऊपर लेकर उसी को आनन्द का विषय बना लें. ऐसे लोगों को भारतीय परम्परा सन्त कहती है. परम भागवत रन्तिदेव दुःख पीड़ित व्यक्तियों के दुःख को दूर करना ही अपनी एकमात्र अभिलाषा मानते थे. स्वर्ग और मोक्ष को भी उन्होंने प्राथमिकता नहीं दी. आम भारतवासी नित्यप्रति सभी के सुखी, निरोगी, दुःखमुक्त होने की कामना करता है -

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःखम् आप्नुयात्।।

कोई दुःखी न हो, यही चाह रहती है; पर इससे इतने मात्र से दुःख दूर नहीं हो सकता. दूसरे के दुःख को अपना मान लेना अथवा अपने ऊपर ले लेना साधना का विषय है. यदि किसी के आंसुओं को पोंछने की क्षमता अर्जित नहीं की तो जीवन के सबसे बड़े सौभाग्य से वंचित रह गए. संसार में दुःख तो है. तब दुःखी को देखकर पसीजने और उसको दूर करने की क्षमता वाले व्यक्ति भी होने चाहिए. सर्वोत्तम व्यक्ति वही है जो रोते हुए के आंसू पोंछने के लिए हर समय प्रयत्नशील हो.

ऐसे थे संत ज्ञानेश्वर

सन्त ज्ञानेश्वर के जीवन की घटना है. एक दिन वे बाजार से जा रहे थे कि किसी ने एक गाय को डण्डा मार दिया. उसका निशान ज्ञानेश्वर की पीठ पर बन गया. वे पीड़ा से तड़पने लगे. ऐसी लोकोत्तर संवेदना गहरी साधना से ही सम्भव हो सकती है. सन्त ही पर दुःखकातरता का ऐसा उदाहरण प्रस्तुत कर सकते हैं. ऐसी उत्कट मानवीय संवेदना प्रत्येक व्यक्ति में जागे तो भले ही दुःख पूरी शक्ति से प्रहार करते रहें, लोग उनकी पीड़ा अपने ऊपर लेकर उसमें आनन्द की अनुभूति कर लेंगे.

त्याग तप के मायने

आज आए दिन शोषण, अत्याचार, अनाचार, अपहरण और हत्याकाण्ड होते रहते हैं. आदमी कहीं सुरक्षित नहीं है. प्रशिक्षित पुलिस है, संगठित सेना है, व्यवस्थित प्रशासन तन्त्र है. इसके बावजूद ऐसा हो रहा है क्योंकि दूसरे की पीड़ा को गहराई से अनुभव करने वालों की संख्या कम होती जा रही है. यदि परदुःख कातरता का भाव मानव समुदाय में नहीं पनपा तो मानवता ही लुप्त हो जाएगी. यह मनुष्य होने का लक्षण है. हमारा देश भारतवर्ष त्यागियों, तपस्वियों की भूमि है. क्या त्याग और तप अपने लिए किए जाते हैं? नहीं, सबका दुःख दूर करने के लिए ही हैं त्याग और तप.

महात्मा गांधी ने एक धोती में जीवन बिताना इसलिए शुरू कर दिया क्योंकि उन्होंने ऐसी महिला को देखा था जिसके पास पहनने को एक ही वस्त्र था. गांधीजी की यह सोच उनको 'महात्मा' पद पर प्रतिष्ठित कर पाई.

कीजिए मदद

खुशियां उनको मिलती हैं जो दूसरों को खुश देखकर खुश होते हैं. किसी को दुःख देकर कभी खुशियों की उम्मीद नहीं की जा सकती. अगर आप सक्षम हैं तो किसी जरूरतमंद की मदद जरूर करें. ऐसा करके जो खुशी मिलती है, वैसी खुशी कभी-कभी अपने आपको खुश करके भी नहीं मिलती. अच्छी और ऊंची सोच जीवन की सफलता के मूल मंत्र हैं. हम अपने घर, परिवार और हमसे जुड़े हुए लोगों को खुशी दे पाएं तो जीवन की सार्थकता का यही मतलब है. अठारह पुराणों में वर्णित सारे सदुपदेशों का सार इस श्लोक में समेट दिया गया है -

अष्टादश पुराणेशु व्यासस्य वचनं द्वयम्।
परोपकार पुण्याय पापाय परपीडनम्।।

और इससे भी सरल सहज शब्दों में गोस्वामी तुलसीदास लिखते हैं -

देह धरे का यह फल भाई।
भजहु राम सब काम बिहाई।।

और यह अयोध्या के राजा दशरथ के पुत्र राम नहीं हैं, बल्कि घट-घट में रम रहे राम हैं. नर सेवा को नारायण सेवा मानते हुए घट-घट वासी इस राम की अभ्यर्थना में ही मानव जीवन की सार्थकता है.

खुशी संदेश

शिक्षा सबसे बड़ा धन

मुकेश चौहान

एक राजा शिकार करने के क्रम में जंगल के काफी अंदर चला गया. हिरण का पीछा करते-करते अपने सैनिकों से बिछड़ गया. हिरण नहीं मिलने पर हार कर एक जगह रुकता है तो, देखता है कि वह बिल्कुल सुनसान जगह पर खड़ा है. आस-पास कहीं सैनिक भी नहीं है. रास्ता तलाशने में काफी वक्त गुजर जाता है, पर रास्ता नहीं मिलता. भूख-प्यास से उसकी हालत खराब हो रही थी.

तभी उसे तीन बालक खेलते हुए दिखे. राजा ने अपना दर्द बच्चों को बताया. बच्चे राजा को अपनी पोटली का खाना खिलाया और रास्ता भी दिखा दिया. राजा खुश होकर बोलें- मैं यहां का राजा हूं. तुम लोग मुझसे कुछ भी मांग लो. एक बालक धन-दौलत, दूसरे ने घोड़ा-बंगला मांगा. लेकिन तीसरे ने ज्ञान मांगा. कहा, वह पढ़ना चाहता है. राजा ने दोनों बालक को धन, घोड़ा-बंगला आदि दे दिया. तीसरे के लिए राज्य के सबसे बड़े राजगुरु को पढ़ाने का जिम्मा सौंप दिया.

कई वर्ष बाद राजा को तीनों बालक के बारे में जानने की इच्छा हुई. तीनों बालक जो बड़े हो गए थे, सामने आए तो राजा देखते हैं कि दो बालक अपने सारे धन-दौलत को ऐशोआराम में गंवा कर फिर से गरीब हो चुके हैं. जबकि तीसरा बालक उन्हीं के दरबार का सबसे होशियार मंत्री बन चुका है. लब्बोलुआब यह, शिक्षा यानी जागृति, सृजनता से बहुमूल्य चीज कुछ है ही नहीं. अपनी पीढ़ी को यह कीमती धन जरूर दें.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

स्पोर्ट्स+

ब्रीफ खबरें

लक्ष्य इंडोनेशिया ओपन के क्वार्टर फाइनल में

जकार्ता। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन जापान के केंता निशिमोतो को हराकर इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट के पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए. सेन ने प्री क्वार्टर फाइनल में 21 . 9, 21 . 15 से जीत दर्ज की. त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद हालांकि महिला युगल में हारकर बाहर हो गई. उन्हें जापान की मायु मत्सुमोतो और वाकाना नागाहारा के हाथों पराजय झेलनी पड़ी. तनीषा क्रास्टो और अश्विनी पोनप्पा को दक्षिण कोरिया की हा ना बाएक और सो ही ली ने 21 . 13, 19 . 21, 21 . 13 से हराया, जिससे महिला युगल में भारत की चुनौती खत्म हो गई. मिश्रित युगल में बी सुमीत रेड्डी और सिक्की रेड्डी की टक्कर चीन की सिवेइ झेंग और याकिओंग हुआंग से होगी.

आईसीसी ने पाक टीम का होटल बदला

इस्लामाबाद। आईसीसी ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की शिकायत के बाद पाकिस्तान टीम का न्यूयॉर्क में होटल बदल दिया है. पीसीबी ने शिकायत की थी कि टी20 विश्व कप के दौरान होटल से स्टेडियम जाने में 90 मिनट का समय लगता है. पीसीबी के एक सूत्र ने बताया कि अध्यक्ष मोहसिन नकवी के दखल के बाद पाकिस्तान टीम को दूसरे होटल में भेज दिया गया जो मैदान से सिर्फ पांच मिनट की दूरी पर है. पाकिस्तान को रविवार को न्यूयॉर्क में भारत से खेलना है और 11 जून को कनाडा से सामना होगा. भारतीय टीम को तीन ग्रुप मैच न्यूयॉर्क में खेलने हैं और उसका टीम होटल मैदान से दस मिनट की दूरी पर है. भारत ने आयरलैंड के खिलाफ पहला मैच जीत लिया है.

प्रज्ञानानंदा का सामना कारूआना से होगा

स्टावेंजर (नॉर्वे)। ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट के नौवे दौर में अमेरिका के फेबियानो कारूआना से खेलेंगे. भारत के प्रज्ञानानंदा ने क्लासिकल से दो मैच और आर्मागेडोन से दो मैच जीते और वह तीसरे स्थान पर हैं. टूर्नामेंट के दो ही दौर बाकी हैं. उन्होंने क्लासिकल में नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन को और कारूआना को हराया था. आर्मागेडोन में हालांकि उन्हें तीन पराजय भी झेलनी पड़ी. कार्लसन 14 . 5 अंक लेकर शीर्ष पर हैं जबकि अमेरिका के हिकारू नकामूरा उनसे एक अंक पीछे दूसरे स्थान पर हैं. प्रज्ञानानंदा 12 अंक के साथ तीसरे स्थान पर है और फ्रांस के फिरोजा अलीरजा उनसे एक अंक पीछे हैं. ऐसा लग रहा है कि कार्लसन और नकामूरा के बीच सीधा मुकाबला है.

गेंद बहुत स्विंग ले रही थी : अर्शदीप

न्यूयॉर्क। तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने कहा कि आयरलैंड के खिलाफ मैच में उन्होंने अपनी रणनीति पर अडिग रहने पर ही फोकस किया चूंकि 'ड्रॉप इन' पिच पर गेंद पर नियंत्रण रख पाना कठिन हो रहा था. भारत ने आयरलैंड को 16 ओवर में 96 रन पर समेटने के बाद 12 . 2 ओवर में लक्ष्य हासिल किया. अर्शदीप ने स्वीकार किया कि स्विंग पर नियंत्रण रखना मुश्किल हो रहा था और उन्होंने इसके लिये जसप्रीत बुमराह से सलाह ली. उन्होंने कहा, मैंने डगमगाती सीम से गेंद डालने की पूरी कोशिश की. मेरी कई गेंद वाइड गई. पांच वाइड गेंद डालने वाले अर्शदीप ने सलामी बल्लेबाज एंडी बालबर्नी और कप्तान पॉल स्टर्लिंग के विकेट लिये.

रोहित शर्मा की चोट गंभीर नहीं, 'ड्रॉप इन' पिच की हो रही है आलोचना

भाषा। न्यूयॉर्क

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा की बाजू पर लगी चोट पाकिस्तान के खिलाफ रविवार को होने वाले मैच से पहले ठीक होने की उम्मीद है. वहीं, अमेरिका में क्रिकेट के प्रचार के लिए अहम माने जा रहे टी20 विश्व कप के इस मुकाबले से पहले नासाउ काउंटी की खुली दरारों वाली खतरनाक पिच सभी के लिये चिंता का सबब बनी हुई है. इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन समेत कई दिग्गजों ने पिच पर सवाल उठाये हैं.

यह भी कहा जा रहा है कि विश्व कप मैच कराने से पहले इस पर कुछ अभ्यास मैच क्यो नहीं खेले गए. रोहित को आयरलैंड के खिलाफ मैच के दौरान तेज गेंदबाज जोश लिटिल की गेंद दाहिनी बाजू के ऊपरी हिस्से में लगी थी. उन्हें मैदान छोड़कर जाना पड़ा. ऋषभ पंत को भी बायीं कोहनी में बाउंसर लगा था.

खास बातें

- रविवार को पाक टीम के साथ है भारत का मुकाबला
- रोहित शर्मा के चोटिल होने से टीम इंडिया खेमे में चिंता

बीसीसीआई के एक सूत्र ने बताया, रोहित की चोट गंभीर नहीं है. उन्होंने खुद कहा है कि यह मामूली घाव है. वह पाकिस्तान के खिलाफ मैच तक ठीक हो जायेंगे. उससे पहले दो अभ्यास सत्र भी खेले जाने हैं.एडीलेड से खास विश्व कप के लिये यहां लाई गई पिच की काफी आलोचना हो रही है. भारत को इस स्टेडियम में दो मैच और खेलने हैं. भारत की टी20 विश्व कप में खिताबी जीत में फाइनल में प्लेयर आफ द मैच रहे इरफान पठान ने पिच को असुरक्षित बताया. उन्होंने कहा, हम अमेरिका में क्रिकेट को बढावा देना चाहते हैं, लेकिन यह पिच खिलाड़ियों के लिये सुरक्षित नहीं है. अगर भारत में इस तरह की पिच होती तो लंबे समय तक वहां दोबारा मैच नहीं खेला जाता. उन्होंने कहा, पिच अच्छी नहीं है. हम विश्व कप की बात कर रहे हैं, किसी द्विपक्षीय श्रृंखला की नहीं. इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने कहा , अमेरिका में क्रिकेट का प्रचार अच्छी बात है लेकिन इसके लिये खिलाड़ियों को इस तरह की पिच पर खिलाना अस्वीकार्य है. आप विश्व कप खेलने के लिये काफी मेहनत करते हैं और फिर इस तरह की पिच पर खेलना पड़ता है. पिच के स्वभाव से रोहित हैरान हैं और उन्होंने स्वीकार किया कि वह नहीं जानते कि पाकिस्तान के खिलाफ मैच में इससे क्या अपेक्षा की जाये . वहीं भारत के बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने कहा कि भारत के पास इससे निपटने के लिये पर्याप्त अनुभव और कौशल है. भारतीय टीम प्रबंधन कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं करने वाला लेकिन पिच को लेकर नाराजगी जाहिर है. सूत्र ने कहा, यह ताजा पिच है. इस पर घास है लेकिन बड़ी बड़ी दरारें भी हैं.

गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने किया टी20 विश्व कप में अपने अभियान का आगाज

स्टोइनिस के शानदार प्रदर्शन से ऑस्ट्रेलिया ने ओमान को हराया

भाषा। ब्रिजटाउन

मार्कस स्टोइनिस के आक्रामक अर्धशतक और तीन विकेट की बदौलत गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने टी20 विश्व कप में अपने अभियान का आगाज गुरुवार को ओमान पर 39 रन से जीत के साथ किया. स्टोइनिस ने 36 गेंद में नाबाद 67 रन बनाये जिसकी मदद से ऑस्ट्रेलिया ने पांच विकेट पर 164 का स्कोर बनाया. डेविड वॉर्नर ने भी 56 रन की पारी खेली. इसके बाद स्टोइनिस ने तीन ओवर में 19 रन देकर तीन विकेट चटकाये. ओमान की टीम 20 ओवर में नौ विकेट पर 125 रन ही बना सकी. ऑस्ट्रेलिया के लिए नाथन एलिस ने 28 रन देकर और आईपीएल स्टार मिचेल स्टार्क ने 20 रन देकर दो-दो विकेट लिये. स्टार्क ने ओमान की पारी की तीसरी गेंद पर प्रतीक अठावले (0) को आउट कर दिया. मैदानी अंपायर द्वारा नॉट आउट दिये जाने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने डीआरएस लिया जिसमें फैसला उसके पक्ष में रहा. एलिस ने कश्यप प्रजापति (सात) को पगबाधा आउट किया जिस पर ओमान ने रिव्यू लिया, लेकिन नाकामी हाथ लगी. स्टोइनिस ने पावरप्ले की आखिरी गेंद पर ओमान के कप्तान आकिब इलयास (18) को आउट किया, जिनका कैच विकेट के पीछे मैथ्यू वेड ने लपका. स्टोइनिस ने जीशान मकसूद (1) को आठवें ओवर में पवेलियन भेजा. अयान खान ने 30 गेंद में दो चौकों और दो छक्कों की मदद से 36 रन बनाये और सातवें विकेट के लिए 37 रन की साझेदारी की. इससे पहले बल्लेबाजी के लिये भेजे जाने पर ऑस्ट्रेलिया ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 164 रन बनाये. ट्रेविस हेड (12) और कप्तान मिचेल मार्श (14) सस्ते में आउट हो गए. अनुभवी हरफनमौला ग्लेन मैक्सवेल का खराब फॉर्म जारी रहा जो खाता भी नहीं खोल सके. मेहरान की गेंद पर इलयास ने उनका बेहतरीन कैच लपका. स्टोइनिस और वॉर्नर ने चौथे विकेट के लिये 64 गेंद में 102 रन जोड़े. ऑस्ट्रेलिया का स्कोर एक समय तीन विकेट पर 50 रन था जिसके बाद इन दोनों ने पारी को संभाला. वॉर्नर 56 रन की पारी के साथ ही टी20 क्रिकेट में आस्ट्रेलिया के लिये सर्वाधिक रन (3,120) बनाने वाले बल्लेबाज हो गए, जिन्होंने पूर्व कप्तान आरोन फिंच को पछाड़ा. दूसरी ओर स्टोइनिस ने 36 गेंद की अपनी पारी में दो चौके और छह छक्के लगाये. ओमान के लिए मेहराल खान ने दो विकेट लिये जबकि बिलाल खान और कलीमुल्लाह को एक एक विकेट मिला. इलयास ने चार ओवर में सिर्फ 18 रन दिये लेकिन उन्हें विकेट नहीं मिल सकी.

ओमान के साथ मैच के दौरान शॉट लगाते मारकस.

युगांडा ने पापुआ न्यू गिनी को हराया

प्रोविडेंस। युगांडा ने टी20 विश्व कप में पहली जीत दर्ज करते हुए पापुआ न्यू गिनी को कम स्कोर वाले मैच में तीन विकेट से हराया . युगांडा ने पापुआ न्यू गिनी को 77 रन पर आउट कर दिया लेकिन जवाब में उसके पांच विकेट 26 रन पर गिर गए थे . उसने हालांकि 10 गेंद बाकी रहते सात विकेट खोकर 78 रन बना लिये . रियाजत अली ने 33 रन बनाये लेकिन कोई और बल्लेबाज उनका साथ नहीं दे सका . उन्हें अपनी पारी में दो जीवनदान मिले और टीम के जीत से तीन रन दूर रहते वह आउट हो गए . उन्हें पहला जीवनदान उस समय मिला, जब युगांडा का स्कोर तीन विकेट पर आठ रन था . इसके बाद पांच विकेट पर 35 रन पर भी उन्हें जीवनदान मिला जब चार्ल्स अमीनी ने उनका कैच छोड़ा . रियाजत और जुमा मियागी (13) ने छठे विकेट के लिये 35 रन की साझेदारी की .

युगांडा टीम के रियाजत शॉट लगाते हुए.

भारत के खिताब नहीं जीतने पर बोले पोंटिंग

टीम इंडिया को फैन के दबाव से निपटने का तरीका तलाशना होगा

भाषा। नयी दिल्ली

रिकी पोंटिंग की कप्तानी वाली आस्ट्रेलियाई टीम को आईसीसी टूर्नामेंटों में सही समय पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का शऊर बखूबी आता था और दो बार के विश्व कप विजेता कप्तान का मानना है कि भारत को भी आईसीसी खिताब का सूखा दूर करने के लिए मानसिक बाधाओं से पार पाकर ऐसा ही कुछ करना होगा. क्रिकेट की महाशक्ति भारत ने आखिरी बाद 2013 में चैम्पियंस ट्रॉफी के रूप में आईसीसी खिताब जीता था. भारतीय टीम ने टी20 विश्व कप में न्यूयॉर्क में आयरलैंड को हराकर शानदार शुरुआत की. न्यूयॉर्क से पीटीआई से बातचीत में पोंटिंग ने कहा कि भारतीय टीम को अपने प्रशंसकों के जबर्दस्त दबाव से निपटने का तरीका तलाशना होगा. आपको स्पष्ट रहना होगा कि आपका फोकस टूर्नामेंट पर है, ना कि बाहरी दबाव के बारे में चिंता करने पर या बहुत अधिक आगे की सोचने पर. भारतीय टीम में प्रतिभा की कमी नहीं है लेकिन हमें यह भी नहीं भूलना चाहिए कि विश्व कप जीतना आसान नहीं होता . एक ही समय में दुनिया के सभी सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी इसमें खेलते हैं. आस्ट्रेलिया को बतौर कप्तान 2003 और 2007 विश्व कप दिलाने वाले पोंटिंग ने कहा , इसका संबंध मानसिकता से है. आप दबाव का सामना कैसे करते हैं. दबाव के हालात में आप कैसे सोचते हैं, इसी में जीत और हार का अंतर होता है.

उन्होंने कहा, विश्व कप में आपके सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को हर समय अच्छा खेलना होता है. आस्ट्रेलियाई टीमें बड़े टूर्नामेंटों में सही समय पर अच्छा प्रदर्शन करना जानती रहीं हैं. छह महीने पहले आस्ट्रेलिया ने सही समय पर अच्छा प्रदर्शन करते हुए पैट कमिंस की कप्तानी में वनडे विश्व कप जीता था. भारतीय टीम के पास आस्ट्रेलिया, इंग्लैंड या दक्षिण अफ्रीका जैसे पावर हिटर भले ही नहीं हो लेकिन पोंटिंग का मानना है कि वेस्टइंडीज के हालात में खेलने के लिये उनके पास पर्याप्त प्रतिभा है . नॉकआउट मैच वेस्टइंडीज में होने हैं. सब कुछ पावर हिटिंग ही नहीं होता, स्ट्राइक रेट भी अहम है. भारतीय बल्लेबाजों का स्ट्राइक रेट किसी से कम नहीं है. आस्ट्रेलिया के पास मार्श, स्टोइनिस, मैक्सवेल या कैमरन ग्रीन हैं तो दक्षिण अफ्रीका के पास स्टब्स, क्लासेन या डेविड मिलर हैं. इनके पास ताकत है लेकिन सूर्यकुमार यादव किसी भी मैदान पर रन बनाने में सक्षम है.

खास बातें

- भारतीय टीम को मानसिक रूप से तैयार रहने की सलाह
- सूर्यकुमार यादव किसी पिच पर शानदार खेल सकते हैं

न्यूयॉर्क की चुनौतीपूर्ण पिच से निपटने पर दी प्रतिक्रिया

भारत के पास पर्याप्त अनुभव और कौशल : विक्रम राठौड़

भाषा। न्यूयॉर्क

भारत के बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने कहा कि उनकी टीम के पास नासाउ काउंटी मैदान की चुनौतीपूर्ण पिच से निपटने के लिये पर्याप्त अनुभव और कौशल है. आयरलैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप के पहले मैच में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को जोश लिटिल की गेंद दाहिने हाथ के ऊपरी हिस्से में लगने के कारण मैदान छोड़ना पड़ा. वहीं असमान उछाल वाली पिच पर ऋषभ पंत को भी बायीं कोहनी में बाउंसर लगा. राठौड़ ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, हम उसी पर नियंत्रण कर सकते हैं जो हमारे बस में है. यह चुनौतीपूर्ण विकेट है और हमें ऐसी ही आशा थी क्योंकि हमने यहां अभ्यास मैच खेला था. उन्होंने कहा, हमें इससे निपटने का तरीका तलाशना होगा . टीम में कौशल की कमी नहीं है और पर्याप्त अनुभव भी है . हमें कोई दिक्कत नहीं होगी.

विश्व कप में तीसरे नंबर पर खेलेंगे पंत

न्यूयॉर्क। भारतीय टीम के बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने कहा कि टी20 विश्व कप में विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते रहेंगे . उन्होंने पूरी तरह फिट हार्दिक पंड्या के प्रदर्शन पर भी खुशी जताई . पंत और पंड्या ने आईपीएल के जरिये वापसी की है और लंबे ब्रेक के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल रहे हैं . आयरलैंड पर पहले मैच में आठ विकेट से मिली जीत में दोनों ने अहम भूमिका निभाई . राठौड़ ने मैच के बाद मीडिया से कहा, पंत शानदार बल्लेबाजी कर रहा है . दोनों मैचों (अभ्यास मैच और आयरलैंड मैच) में उसने अच्छी बल्लेबाजी की .

नासाउ की पिच से हैरान रोहित, बुमराह खुश दिखे

न्यूयॉर्क। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा नासाउ काउंटी मैदान की असमान उछाल वाली 'ड्रॉप इन' पिच से ज्यादा खुश नजर नहीं आये, लेकिन तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को खुशी है कि पाकिस्तान के खिलाफ रविवार को होने वाले टी20 विश्व कप के अहम मुकाबले से पहले पिच तेज गेंदबाजों की मदद कर रही है. आयरलैंड के खिलाफ पहले मैच में रोहित ने 37 गेंद में 52 रन बनाये, लेकिन गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाज जोश लिटिल की शॉर्टपिच गेंद पर पूल शॉट खेलने के प्रयास में वह चूके और गेंद उनकी दाहिनी बाजू के ऊपरी हिस्से में जा लगी. उन्हें मैदान छोड़कर भी जाना पड़ा. चोट के बारे में उन्होंने कहा, यह मामूली सा घाव है. मैंने टॉस के समय भी कहा था कि पता नहीं ये पिच कैसी होगी. नया मैदान, नया वेन्यू और हम देखना चाहते थे कि यहां खेलकर कैसा लगता है. मुझे लगता है कि पिच अभी जमी नहीं है और गेंदबाजों की काफी मदद कर रही थी. ऐसे में अपने बेसिक्स पर डटे रहना और टेस्ट मैच गेंदबाजी को याद रखना जरूरी था.

आज के मैच एंडी बालबर्नी, पॉल स्टर्लिंग और हैरी जैसे खिलाड़ियों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा

आयरलैंड को कनाडा के खिलाफ जीत का है भरोसा

भाषा। न्यूयॉर्क

भारत के खिलाफ पहले मैच में मिली हार के बाद आयरलैंड को कनाडा जैसी खतरनाक टीम के खिलाफ शुक्रवार को टी20 विश्व कप में अपने अभियान को ढर्रे पर लाना है तो एंडी बालबर्नी, पॉल स्टर्लिंग और हैरी टेक्टर जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा. आयरलैंड को पहले मैच में भारत ने आठ विकेट से हराया जबकि कनाडा को सह मेजबान अमेरिका ने सात विकेटसे मात दी. आठवीं बार टी20 विश्व कप खेल रही आयरलैंड टीम अपना प्रभाव छोड़ने में नाकाम रही है हालांकि उसके कई प्रमुख खिलाड़ी इंग्लिश काउंटी क्रिकेट खेलते हैं .

अभी तक आयरलैंड एक ही बार 2009 में सुपर 8 चरण में पहुंचा. बालबर्नी और कप्तान स्टर्लिंग के पास कुल मिलाकर 250 टी20 मैचों का अनुभव है लेकिन वे टीम को नासाउ काउंटी स्टेडियम पर अच्छी शुरूआत नहीं दिला सके . भारत ने कप्तान रोहित शर्मा और ऋषभ पंत की उम्दा पारियों के दम पर जीत दर्ज की.

टीमें

कनाडा : साद बिन जफर (कप्तान), आरोन जॉनसन, रविंदरपाल सिंह, नवनीत धालीवाल, कलीम सना, दिलोन हेलीगर, जेरेमी गॉर्डन, निखिल दत्ता, परगट सिंह, निकोलस किरटन, रेयानखान पठान, जुनैद सिद्दीकी, दिलप्रीत बाजवा, श्रेयस मोव्वा, ऋषिव जोशी . रिजर्व : तजिंदर सिंह, आदित्य वरदराजन, अम्मार खालिद, जतिंदर मथारू, परवीन कुमार .

आयरलैंड : पॉल स्टर्लिंग (कप्तान), मार्क अडायर, रॉस अडायर, एंड्रयू बालबर्नी, कर्टिस कैंपर, गैरेथ डेलानी, जॉर्ज डॉकरेल, ग्राहम ह्यूम, जोश लिटिल, बैरी मैकार्थी, नील रॉक, हैरी टेक्टर, लोरकन टकर, बेन व्हाइट, क्रेग यंग . मैच का समय : रात आठ बजे से .

बराबरी के मुकाबले में स्कॉटलैंड और नामीबिया आमने-सामने

भाषा। ब्रिजटाउन

ओमान के खिलाफ टी20 विश्व कप के पहले मैच में सुपर ओवर में मिली जीत के बाद आत्मविश्वास से ओतप्रोत नामीबिया का सामना अब शुक्रवार को स्कॉटलैंड से होगा. स्कॉटलैंडऔर इंग्लैंड के बीच मैच बारिश के कारण रद्द हो गया था. स्कॉटलैंड ने हालांकि गत चैम्पियन टीम के खिलाफ अपनी प्रतिभा की बानगी दी थी लेकिन बारिश के कारण अंक बांटने पड़े. नामीबिया का भरोसा कप्तान गेरहार्ड इरास्मस और हरफनमौला डेविड वीसे जैसे अनुभवी खिलाड़ियों पर रहेगा. उनके पास पिछले दो टी20 विश्व कप का अनुभव है. इसके अलावा नामीबिया ने स्कॉटलैंड के खिलाफ पिछले तीन टी20 मैच भी जीते हैं जिससे उसे मनोवैज्ञानिक बढ़त मिलेगी.

टीमें

नामीबिया : गेरहार्ड इरास्मस (कप्तान), ज़ेन ग्रीन, माइकल वैन लिंगेन, डायलन लीचर, रूबेन ट्रम्पेलमैन, जैक ब्रासेल, बेन शिकोंगो, टैंगेनी लुंगामेनी, निको डेविन, जेजे स्मिट, जान फ्रिलिंक, जेपी कोट्ज, डेविड विसे, बर्नार्ड शोल्ट्ज़, मालन क्रूगर, पीडी ब्लिगनॉट .

स्कॉटलैंड : रिची बेरिंगटन (कप्तान), मैथ्यू क्रॉस, ब्रैड करी, क्रिस ग्रीव्स, ओली हेयर्स, जैक जार्विस, माइकल जोन्स, माइकल लीस्क, ब्रैंडन मैकमुलेन, जॉर्ज मुन्से, सफयान शरीफ, क्रिस सोल, चार्ली टियर, मार्क वाट, ब्रैड व्हील .

मैच का समय : रात 12 .30 से .

फ्रेंच ओपन ज्वेरेव शुक्रवार को सेमीफाइनल में कैस्पर रूड का सामना करेंगे

अलेक्जेंडर ज्वेरेव लगातार चौथे साल सेमीफाइनल में

एजेंसी। पेरिस

विश्व के चौथे नंबर के खिलाड़ी अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने 11वीं वरीयता प्राप्त एलेक्स डी मिनौर पर 6-4, 7-6(5), 6-4 से जीत के बाद लगातार चौथे साल फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली. पहले सेट में ब्रेक एडवांटेज गंवाने के बाद ज्वेरेव ने वापसी की और पहला सेट जीत लिया. इसके बाद उन्होंने दूसरे सेट के टाई-ब्रेक में 3-5 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए मैच पर नियंत्रण कर लिया. इसके बाद ज्वेरेव ने तीसरे सेट में फ्रंट-फुट टेनिस खेला, 5-3 पर मैच में सर्विस गंवाने के बाद वापसी की और अगले गेम में डी मिनौर की सर्विस तोड़कर जीत हासिल की.

पेरिस के रोलांड गैरोस स्टेडियम में गुरुवार को जर्मनी की लॉरा सीजमंड और फ्रांसेस एडौर्ड रोजर-वासेलिन ने अमेरिका की डेसिरे क्रॉस्जिक और ब्रिटेन के नील स्कूपस्की के खिलाफ फाइनल जीत कर फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के मिश्रित युगल फाइनल मैच में जीत का जश्न मनाया.

बोपन्ना-एबडेन की जोड़ी पुरुष युगल के सेमीफाइनल में

पेरिस। रोहन बोपन्ना और मैथ्यू एबडेन की जोड़ी ने गुरुवार को फ्रेंच ओपन 2024 के पुरुष युगल के सेमीफाइनल में जगह बना ली है . गुरुवार को कोर्ट सुज़ैन लेंग्लेन में बोपन्ना-एबडेन ने सैंडर गिल और जोरन व्लिगेन की बेल्जियम की जोड़ी के खिलाफ 7-6(3), 5-7, 6-1 से जीत दर्ज की . बोपन्ना और एबडेन ने पहला सेट 7-6 से जीता लेकिन इसके बाद गिल और जोरन ने शानदार वापसी करते हुए दूसरा सेट 7-5 से जीत लिया और मैच को तीसरे सेट में ले गए .

सरबजोत ने विश्व कप में स्वर्ण पदक जीता

भाषा। म्यूनिख

सरबजोत सिंह ने गत विश्व चैंपियन और चार बार के ओलंपियन की मौजूदगी वाली पुरुष 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर गुरुवार को यहां आईएसएसएफ विश्व कप में भारत के पदक का खाता खोला. भारत के 22 साल के सरबजोत ने आठ निशानेबाजों के फाइनल में 242.7 अंक जुटाए. उन्होंने चीन के अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी चीन के बू शुआईहेंग को 0.2 अंक से पछाड़ा.

जर्मनी के रोबिन वाल्टर ने कांस्य पदक जीता. सरबजोत ने बुधवार को क्वालीफाइंग में 588 अंक के साथ शीर्ष पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाई थी. फाइनल में गत विश्व चैंपियन चीन के बोवेन झेंग और तुर्की के चार बार के ओलंपिक यूसुफ डिकेक भी चुनौती पेश कर रहे थे. सरबजोत ने हालांकि फाइनल में लगातार अच्छा प्रदर्शन करते हुए आईएसएसएफ विश्व कप में अपना दूसरा व्यक्तिगत पदक जीता. इससे पहले उन्होंने पिछले साल भोपाल में भी स्वर्ण पदक जीता था. युवा भारतीय निशानेबाज ने शुरुआती पांच शॉट में तीन बार 10 से अधिक अंक जुटाकर शुरुआती बढ़त बनाई. सरबजोत ने लगातार अच्छी निशानेबाजी की और 14वें शॉट से पहले तक बढ़त बरकरार रखी जब वाल्टर ने उनकी बराबरी कर ली.

ब्रीफ खबरें

घर पर गिरा पेड़, एक महिला की मौत

पूर्वी चंपारण । जिले में बुधवार की देर रात आयी तेज आंधी और बारिश ने कहर मचाया है. जहां एक घर पर आम का पेड़ गिरने से एक महिला की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य घायल हो गए. घटना जिले के सुगौली थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 12 की है. घायलों में राजा आलम 17 वर्ष पिता मो खलील, मो रफीक 38 पिता जैनुल मिया, इम्तियाज आलम 45 वर्ष पिता सगीर, फैशन आलम उम्र 4 वर्ष रफीक मिया, रौशन खातून पिता रफीक मिया, मुन्नी खातून 32 वर्ष पति सगीर शामिल है. घायलों में दो की स्थिति नाजुक है.

तालाब में डूबकर युवक की मौत, मचा कोहराम

भागलपुर । जिले के सनोखर थाना क्षेत्र के अगैया गांव निवासी महेन्द्र यादव के 24 वर्षीय पुत्र अमित कुमार यादव की तालाब में डूबने से मौत होने के बाद पुलिस ने मृतक के शव को गुरुवार को पोस्टमार्टम के लिए भागलपुर भेज दिया है. अमित कुमार यादव की मौत बीते बुधवार को तालाब में डूबकर हो गई थी. मृतक के परिजन ने बताया कि मंगलवार सुबह अमित अपने भैंस को लेकर बहियार चराने के लिए गया था. दोपहर बारह बजे के आसपास गांव के ही बगल में स्थित तलाब में प्रत्येक दिन भैंस को नहलाता था और एक बजे के बाद घर आ जाता था. एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद तालाब से शव को खोज कर निकाला गया.

दो दिनों से लापता युवक का मिला शव

जमुई । जमुई पुलिस ने बुधवार देर रात खैरा प्रखंड अंतर्गत नवडीहा गांव निवासी 18 वर्षीय युवक सत्यदेव आर्य का शव बल्लोपुर बहियार में बने गड्ढे से बरामद किया है. वह पिछले दो दिनों से घर से लापता था. शव मिलने के बाद मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया है. पुलिस ने इस मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया है. एसडीपीओ सतीश सुमन ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि खैरा थाना अंतर्गत गांव नौडीहा में 20 वर्षीय युवक सत्यदेव आर्य पिता संजय कुमार साह को किसी व्यक्ति के द्वारा फोन किया गया और उस फोन के बाद युवक अपने घर से चला गया.

बिहार के इन 25 जिलों में तेज हवा के साथ बारिश का अलर्ट

संवाददाता ।पटना

बिहार के कई जिलों में चल रही ठंडी हवाओं ने गर्मी से राहत दिलाई है. गुरुवार सुबह मौसम विभाग ने कई जिलों में तेज हवा के साथ बारिश का अलर्ट जारी किया है. मौसम विभाग ने पटना, भोजपुर, बक्सर, वैशाली, मुजफ्फरपुर, शिवहर, सीतामढ़ी, सारण, पूर्वी चंपारण, पश्चिम चंपारण, गोपालगंज, सीवान, सहरसा, मधुपरा, सुपौल, अररिया, पूर्णिया, किशनगंज, कटिहार, मुजफ्फपुर, समस्तीपुर, दरभंगा, मधुबनी, भागलपुर, खगड़िया जिले में बारिश का अलर्ट जारी किया है. इस दौरान 30 से 40 किमी प्रति घंटे से हवा चलने के आसार हैं.

दो लाख का इनामी बदमाश पुलिस मुठभेड़ में मारा गया

- बिहार एसटीएफ और उत्तर प्रदेश एसटीएफ ने की संयुक्त कार्रवाई
- बेगूसराय जिले के रहने वाले निलेश, कई थानों में था गंभीर मामला दर्ज

संवाददाता ।पटना

उत्तर प्रदेश पुलिस ने प्रदेश के मुजफ्फरनगर में बिहार पुलिस की सूचना के आधार पर एक मुठभेड़ के दौरान दो लाख रुपये के इनामी बदमाश निलेश राय को मारा गिराया है. पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि एसटीएफ की गुप्त सूचना पर उत्तर प्रदेश एसटीएफ एवं वहां की पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में कुख्यात वांछित अपराधी निलेश राय पांच जून को मुठभेड़ में मारा गया. उन्होंने बताया कि राय पर दो लाख रुपये का इनाम था. बेगूसराय जिले के रहने वाले निलेश पर बेगूसराय एवं बरौनी रेल पुलिस थाने तथा झारखंड के जसीडीह के थानों में 16 से अधिक गम्भीर कांड दर्ज हैं. इनमें हत्या, डकैती के साथ हत्या, रंगदारी, लूट, शस्त्र अधिनियम एवं पुलिस पर हमला जैसे कई गंभीर अपराध शामिल हैं. उन्होंने बताया कि बिहार एसटीएफ से प्राप्त सूचना के आधार पर कुख्यात अपराधी निलेश राय को पकड़ने का प्रयास उप्र पुलिस कर रही थी. मृत अपराधी के पास से पुलिस ने तीन पिस्तौल, 19 कारतूस, खोखा और एक बाइक बरामद की गयी है.

बिहार बीजेपी अध्यक्ष सम्राट चौधरी का बड़ा बयान

नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही लड़ा जाएगा विधानसभा चुनाव

संवाददाता ।पटना

बिहार बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने गुरुवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा है कि 2025 में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ा जाएगा इसमें दिक्कत कहां है. बिहार चुनाव प्रबंधन समिति के साथ बैठक के बाद चौधरी ने कहा कि बिहार की जनता ने हमें 75 परसेंट नंबर दिया है. जो लोग दावे कर रहे थे कि पहले 6 फेज के चुनाव में 28 सीट जीत रहे उनको जनता ने जवाब दिया है. हमने बेहतर प्रदर्शन किया है. जहां चूक हुई वो चिंता का विषय है. दरअसल गुरुवार को भाजपा के प्रदेश कार्यालय में चुनाव परिणाम पर महत्वपूर्ण बैठक बुलाई गई थी. बैठक में पार्टी के प्रदर्शन पर समीक्षा की गई. इसके बाद सम्राट चौधरी ने मीडिया से बात की. उन्होंने कहा कि हम कई सीट हार गए इस पर समीक्षा होगी और इसके बाद ही कुछ कहा जा सकता है कि आखिर हार क्यों हुई.

'1996 से नीतीश कुमार के नेतृत्व में काम कर रही बीजेपी'

सम्राट चौधरी ने कहा कि हम इससे और अच्छा प्रदर्शन कर सकते थे लेकिन क्यों नहीं हुआ इसकी समीक्षा हो रही है. सम्राट चौधरी से पत्रकारों ने सवाल किया कि जेडीयू का कहना है कि 2025 में भी बिहार विधानसभा का चुनाव नीतीश कुमार के नेतृत्व में लड़ा जाएगा. इस पर जवाब देते हुए उन्होंने कहा है इसमें दिक्कत क्या है? 1996 से नीतीश कुमार के नेतृत्व में बीजेपी काम कर रही है. वर्षों से मांग हो रही है कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जे मिले. जेडीयू की ओर से भी इसकी मांग की जा रही है. गुरुवार को जेडीयू के वरिष्ठ नेता केसी त्यागी ने भी कहा कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा मिलना चाहिए. विशेष राज्य के दर्जे की मांग के सवाल पर सम्राट चौधरी ने कुछ भी नहीं कहा.

वहीं जदयू के वरिष्ठ नेता विजय कुमार चौधरी ने कहा है कि एनडीए बिहार में वर्ष दो हजार पच्चीस का विधानसभा चुनाव मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही लड़ेगा. जदयू प्रदेश कार्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मलेन को संबोधित करते हुए चौधरी ने कहा कि लोकसभा चुनाव में बिहार के नतीजों से स्पष्ट हो गया है कि मुख्यमंत्री की लोकप्रियता और विश्ववश्नियता बरकरार है. चौधरी ने कहा कि जदयू एनडीए में है और एनडीए में ही रहेगा. उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी बिहार के लिए विशेष राज्य का दर्जा चाहती है.

चिराग मंत्री पद के लिए नहीं रखेंगे कोई शर्त

चिराग पासवान ने एनडीए सरकार में अपनी पार्टी द्वारा 2-3 कैबिनेट पदों की मांग की खबरों को खारिज किया है. उन्होंने कहा कि कोई मांग नहीं है और कोई मांग हो भी नहीं सकती है. हमारा लक्ष्य ही नरेंद्र मोदी को फिर से प्रधानमंत्री बनाना था. लोजपा (रामविलास) प्रमुख चिराग पासवान ने कहा, नरेंद्र मोदी तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं. बुधवार को एनडीए के नेताओं की बैठक थी. प्रधानमंत्री मोदी की वजह से ही एनडीए को प्रचंड बहुमत मिली है. बुधवार को एनडीए के घटक दलों ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व को स्वीकारा है.

सिक्किम की युवती से किशनगंज में गैंगरेप

साथ आए युवक का हाथ-पैर बांधा, पीटा, फिर किया गंदा काम

संवाददाता ।किशनगंज

किशनगंज में सिक्किम से घूमने के लिए पहुंची एक युवती से बुधवार की रात गैंगरेप हुआ है. घटना किशनगंज टाउन थाना क्षेत्र की है. दो युवतियां एक लड़के के साथ सिक्किम से किशनगंज घूमने के लिए पहुंचीं थीं. दो युवकों ने युवती को झांसे में ले लिया और अपने मकान पर ले जाकर उसके साथ गैंगरेप किया. घटना के संबंध में बताया जाता है कि बदमाशों ने युवती के साथ आए युवक का हाथ-पैर बांध दिया और उसके बाद गैंगरेप किया. एक युवती किसी तरह मौके से भागी और उसने पुलिस को इसके बारे में सूचना दी. इसके बाद टाउन थानाध्यक्ष संदीप कुमार पुलिस बल अन्य टीम के साथ मौके पर पहुंचे. पीड़ित युवती को बरामद किया गया. इसके साथ ही पुलिस ने दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया.

एफएसएल की टीम पहुंची : गिरफ्तार आरोपितों की पहचान अरहान अख्तर और अमजद हुसैन के रूप में हुई है. ये बहादुरगंज महादेव दिग्गी के रहने वाले हैं. घटना के बाद एफएसएल की टीम भी भागलपुर से पहुंची. टीम ने साक्ष्य एकत्रित किए. एफएसएल की टीम ने घटनास्थल से तकनीकी अनुसंधान के जरिए कई साक्ष्यों को जुटाया है.

घटनास्थल से मिले कई आपत्तिजनक सामान : बताया जाता है कि जिस जगह इस गंदा काम को अंजाम दिया गया है वहां से बीयर की बोतल के ढक्कन सहित कई आपत्तिजनक सामान मिले हैं. इससे ऐसा लगता है कि युवकों ने पहले पार्टी की होगी उसके बाद युवती को हवस का शिकार बनाया. युवती को अंदरूनी चोट भी पहुंची है. सदर अस्पताल में युवती की मेडिकल जांच कराई गई है. इस मामले में टाउन थानाध्यक्ष संदीप कुमार ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है. सख्त सजा दिलाई जाएगी.

जहानाबाद में इनामी बदमाश पप्पू शर्मा को गिरफ्तार किया

संवाददाता ।जहानाबाद

जहानाबाद में कुख्यात इनामी बदमाश पप्पू शर्मा एसटीएफ के हत्थे चढ़ गया. उस पर दो लाख का इनाम रखा गया था. एसटीएफ की टीम ने गुरुवार की सुबह पारस बिगहा थाना क्षेत्र के सेंधवा गांव से खदेड़कर बदमाश पप्पू शर्मा को गिरफ्तार किया. पप्पू शर्मा जहानाबाद जिले का कुख्यात बदमाश है. उसके खिलाफ कई थानों में एक दर्जन से ज्यादा मामले दर्ज हैं. दरअसल, जहानाबाद के पारस बिगहा थाना के सेंधवा गांव का पप्पू शर्मा जिले के टॉप टेन बदमाश की सूची में शामिल है. उस पर जहानाबाद समेत कई जिलों में हत्या, लूट, अपहरण और जालसाजी के कई मामले दर्ज हैं और उसकी आपराधिक कारनामों को देख सरकार ने दो लाख रुपये का इनाम घोषित कर रखा था. वहीं, कुख्यात ने अपनी मौत की झूठी खबर फैला रखी थी. बता दें कि 2018 में भी अगला थाने की पुलिस ने छापेमारी कर एक कार्बाइन और 29 कारतूस बरामद किया था.

स्कूलों का समय सुबह 6:30 से 10:50 बजे तक संचालित होंगे

पटना । बिहार में बदल रहे मौसम को देखते हुए शिक्षा विभाग ने स्कूलों के समय में बदलाव किया है. शिक्षा विभाग ने गुरुवार को इस संबंध में आदेश जारी किया है. आदेश के अनुसार 10 जून से 30 जून तक सभी सरकारी स्कूल सुबह 6:30 से 10:50 बजे तक संचालित होंगे. बिहार माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने पूरा शिड्यूल जारी करते हुए जारी आदेश में कहा है कि शिक्षकों को सुबह 6:20 बजे स्कूल पहुंचना होगा और साढ़े 6 बजे स्कूलों को खोलना होगा.

कारोबार

समीर बंसल को प्रबंध निदेशक नियुक्त किया

नयी दिल्ली । पीएनबी मेटलाइफ ने समीर बंसल को प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी नियुक्त किया है. वह एक जुलाई से कार्यभार संभालेंगे. वह आशीष श्रीवास्तव का स्थान लेंगे. श्रीवास्तव को भारत में मेटलाइफ इंक की ग्लोबल शेयर्ड सर्विसेज दल का प्रबंध निदेशक नियुक्त किया गया है. निजी क्षेत्र की बीमा कंपनी ने बयान में कहा, पीएनबी मेटलाइफ इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ने गुरुवार को समीर बंसल को प्रबंध निदेशक (एमडी) और (सीईओ) के रूप में नियुक्त करने की घोषणा की.

निसाबा गोदरेज ने बोर्ड से दिया इस्तीफा

नयी दिल्ली । गोदरेज कंज्यूमर की कार्यकारी चेयरपर्सन निसाबा गोदरेज ने नेतृत्व की जवाबदेही और उत्तराधिकार योजना पर मतभेदों का हवाला देते हुए यात्रा सहायक उपकरण बनाने वाली कंपनी वीआईपी इंडस्ट्रीज के बोर्ड से स्वतंत्र निदेशक के पद से इस्तीफा दे दिया है. गोदरेज ने अपने इस्तीफे में कहा, नेतृत्व की जवाबदेही और उत्तराधिकार नियोजन पर मेरे भिन्न दृष्टिकोण के कारण मैं तीन जून 2024 से निदेशक मंडल से इस्तीफा दे दूंगी. निसाबा को स्वतंत्र निदेशक के रूप में फिर से नियुक्त किया गया.

रिन्यू एनर्जी ग्लोबल पीएलसी का लाभ बढ़ा

नयी दिल्ली । रिन्यू एनर्जी ग्लोबल पीएलसी का वित्त वर्ष 2023-24 की जनवरी-मार्च तिमाही में शुद्ध लाभ सात गुना होकर 70 लाख अमेरिकी डॉलर रहा. कंपनी बयान के अनुसार, चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में कुल राजस्व 4.4 प्रतिशत घटकर 29.7 करोड़ अमेरिकी डॉलर रह गया, जो वित्त वर्ष 2022-23 की इसी अवधि में यह 31.1 करोड़ अमेरिकी डॉलर था. रिन्यू एनर्जी ने राजस्व में गिरावट का कारण अपनी 'ट्रांसमिशन' परियोजनाओं से कम आय को बताया. समूचे वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी का शुद्ध लाभ पांच करोड़ अमेरिकी डॉलर रहा, वित्त वर्ष 2022-23 में उसने छह करोड़ अमेरिकी डॉलर का शुद्ध घाटा दर्ज किया था.

आईफोन बनाने वाली कंपनी एप्पल को पीछे छोड़ा

दुनिया की दूसरी मूल्यवान कंपनी बनी एनवीडिया

- एनवीडिया का मार्केट कैप 3 ट्रिलियन डॉलर के पार
- अमेरिका की सेमीकंडक्टर चिप बनाने वाली है कंपनी
- एनवीडिया के शेयर में पिछले 5 कारोबारी दिनों में 6.93% और 6 महीने में 169.08% की तेजी आई

एजेंसी ।कैलिफोर्निया

अमेरिका की सेमीकंडक्टर चिप बनाने वाली कंपनी एनवीडिया एपल को पीछे कर दुनिया की दूसरी सबसे वैल्युएबल कंपनी बन गई है. एनवीडिया कॉर्प का शेयर बुधवार 5 जून को 60.03 डॉलर (5.16%) की तेजी के साथ 1,224.40 डॉलर (करीब 1,86,958 रुपए) पर बंद हुआ. शेयर में आई इस तेजी से कंपनी का मार्केट कैप 3.01 ट्रिलियन डॉलर (करीब 251 लाख करोड़ रुपए) हो गया है.

वहीं, एप्पल का मार्केट कैप 3 ट्रिलियन डॉलर (करीब 250 लाख करोड़) है. बुधवार को एप्पल का शेयर 0.78% की तेजी के साथ 195.87 डॉलर पर बंद हुआ है. साल 2002 में भी एनवीडिया का मार्केट कैप एप्पल से आगे पहुंच गया था. तब दोनों कंपनियों का मार्केट कैप 10 बिलियन डॉलर यानी, करीब 83,000 करोड़ रुपए से कम था. 5 साल बाद 2007 में एप्पल ने पहला आईफोन लॉन्च किया, उसके बाद उसका मार्केट कैप तेजी से बढ़ा.

पिछले 6 महीने में एनवीडिया के शेयर ने 169.08% का रिटर्न दिया : एनवीडिया के शेयर में पिछले 5 कारोबारी दिनों में 6.93% और 6 महीने में 169.08% की तेजी आई है. इस साल अब तक एनवीडिया के शेयर ने 154.19% का रिटर्न दिया है. वहीं, पिछले एक साल में एनवीडिया का शेयर 216.76% और पिछले 5 साल में 3,265.59% चढ़ा है. एनवीडिया पहले से ही दुनिया की सबसे वैल्युएबल सेमीकंडक्टर फर्म है. एनवीडिया के भारत में चार इंजीनियरिंग डेवलपमेंट सेंटर हैं. ये हैदराबाद, पुणे, गुरुग्राम और बेंगलुरु में स्थित हैं. ब्लूमबर्ग के मुताबिक, एनवीडिया अपने एआई एक्सेलरेटर को अपग्रेड करने की योजना बना रही है.

जीपीयू को डिजाइन और मैन्युफैक्चर करती है कंपनी : एनवीडिया एक टेक्नोलॉजी कंपनी है, जो ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट के डिजाइन और मैन्युफैक्चरिंग के लिए जानी जाती है. 1993 में जेन्सेन हुआंग, कर्टिस प्रीम और क्रिस मालाचोव्स्की ने इसकी स्थापना की थी. इसका मुख्यालय कैलिफोर्निया के सांता क्लारा में है. एनवीडिया गेमिंग, क्रिप्टोकरेंसी माइनिंग और प्रोफेशनल एप्लिकेशन्स के लिए चिप को डिजाइन और मैन्युफैक्चर करती है. इसके साथ-साथ व्हीकल्स, रोबोटिक्स और अन्य उपकरणों में भी उसके चिप सिस्टम का इस्तेमाल होता है.

एनवीडिया के भारत में चार इंजीनियरिंग डेवलपमेंट सेंटर हैं

विजय कुमार येल्ने को अध्यक्ष किया नियुक्त

एजेंसी ।मुंबई

इलेक्ट्रिक मोबिलिटी कंपनी ईकेए मोबिलिटी ने विजय कुमार येल्ने को कंपनी का अध्यक्ष नियुक्त करने की गुरुवार को घोषणा की. कंपनी बयान के अनुसार, मुरली राजू को मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी (सीसीओ) तथा जोएब करमपुरवाला को मुख्य उत्पाद अधिकारी (सीपीओ) नियुक्त किया गया है. इन तीन वरिष्ठ अधिकारियों की नियुक्ति ऐसे समय में की गई है, जब पुणे स्थित कंपनी ने पिछले वर्ष जापानी कंपनी मित्सुई कंपनी तथा नीदरलैंड की वीडीएल समूह को इक्विटी साझेदार के रूप में 850 करोड़ रुपये की निवेश योजना के तहत शामिल किया था.

ईकेए मोबिलिटी ने मार्च 2024 में मित्सुई कंपनी के नोबुयोशी उमेजावा को अपना मुख्य रणनीति अधिकारी भी नियुक्त किया था. ईकेए (पिनेकल मोबिलिटी सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड) के संस्थापक एवं चेयरमैन सुधीर मेहता ने कहा, हम ईकेए मोबिलिटी परिवार में जोएब, मुरली और विजयकुमार का स्वागत करते हैं. अपने-अपने क्षेत्रों में उनका व्यापक अनुभव हमारे लिए महत्वपूर्ण होगा. हम इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में अपने विस्तार को नया रूप देना और बढ़ाना जारी रखेंगे.

वित्त वर्ष 2024-25

अलौह धातुओं की मांग करीब 10 प्रतिशत रहेगी : इक्रा

एजेंसी ।नयी दिल्ली

तांबा और एल्यूमीनियम सहित अलौह धातुओं की मांग चालू वित्त वर्ष 2024-25 में करीब 10 प्रतिशत रहने की संभावना है, जो वैश्विक मांग में दो प्रतिशत की अपेक्षित वृद्धि से काफी अधिक है. रेटिंग एजेंसी इक्रा के अनुसार, इसके अलावा कोयले की कीमत में कमी से कच्चे माल की लागत का दबाव भी कुछ हद तक कम होने की संभावना है.

एजेंसी ने बयान में कहा, घरेलू मोर्चे पर वित्त वर्ष 2024-25 में अलौह धातुओं की मांग करीब 10 प्रतिशत रहने की उम्मीद है, जो वैश्विक मांग में लगभग दो प्रतिशत की अपेक्षित वृद्धि से काफी अधिक है. इक्रा ने कहा, कोयले पर घरेलू ई-नीलामी प्रीमियम हाल के महीनों में कम किया गया.

अप्रैल 2024 में यह करीब 50 प्रतिशत था जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में करीब 150 प्रतिशत के अत्यधिक स्तर पर था. रेटिंग एजेंसी ने कहा कि उसे उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2024-25 में मजबूत धातु कीमतें और कच्चे माल की अनुकूल लागत से घरेलू अलौह धातु इकाइयों की लाभप्रदता बढ़ सकती है.

वित्त वर्ष 2024-25

प्रॉपटेक में वित्त पोषण 4% घटा 65.7 करोड़ डॉलर रह गया

एजेंसी ।नयी दिल्ली

वित्त वर्ष 2023-24 में प्रॉपटेक कंपनियों में वित्त पोषण मामूली रूप से चार प्रतिशत घटकर 65.7 करोड़ अमरीकी डॉलर रह गया, जो वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद जुझारुपन को दर्शाता है.

हाउसिंग डॉट कॉम की रिपोर्ट के अनुसार, प्रॉपटेक कंपनियों ने 2010-11 से 2023-24 के बीच कुल 4.6 अरब अमरीकी डॉलर जुटाए, जो 40 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़ रहा है. हाउसिंग डॉट कॉम और प्रॉपटाइगर डॉट कॉम के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (समूह) ध्रुव अग्रवाल ने कहा, पिछले कुछ वर्षों में वैश्विक अनिश्चितताओं और विभिन्न क्षेत्रों में वित्त पोषण में मंदी के बावजूद प्रॉपटेक क्षेत्र ने उल्लेखनीय जुझारुपन दिखाया है. उन्होंने बताया कि 2010-11 से प्रॉपटेक कंपनियों में निवेश 40 प्रतिशत की प्रभावशाली सीएजीआर पर कायम है.

गर्मी से राहत पेय पदार्थ विनिर्माताओं ने कहा- पूर्वी, उत्तर और मध्य भारत में मांग बढ़ी है

गर्मी के बीच कोला, आइसक्रीम की बिक्री में जोरदार उछाल

- हैवमोर आइसक्रीम के अनुसार, उसने उत्पादन बढ़ा दिया है क्योंकि इस साल की मांग पिछले साल से अधिक हो गई है

एजेंसी ।नयी दिल्ली

देश के कई हिस्सों में भीषण गर्मी के बीच कोला, पेय पदार्थ, आइसक्रीम सहित गर्मी से राहत प्रदान करने वाले अन्य उत्पादों की मांग लगातार बढ़ रही है. पेप्सिको इंडिया और कोका कोला जैसे पेय पदार्थ विनिर्माताओं ने कहा कि पूर्वी, उत्तर और मध्य भारत में मांग में भारी उछाल आया है. कंपनियों ने मांग में भारी बढ़ोतरी की संभावना को देखते हुए अपना भंडार (इन्वेंट्री) बढ़ा लिया है. उत्पाद ई-वाणिज्य सहित खुदरा मंच पर उपभोक्ताओं के लिए उपलब्ध हों यह सुनिश्चित किया जा रहा है. पेप्सिको इंडिया के प्रवक्ता ने कहा, देशभर में तापमान बढ़ने से लोग गर्मी से राहत प्रदान करने वाले पेय पदार्थों की तलाश कर रहे हैं. कोका-कोला इंडिया ने कहा कि गर्मी के मौसम के चरम पर पहुंचने के साथ ही भारतीय पेय बाजार में मांग में उल्लेखनीय तेजी आई है. कोक, थम्सअप, माज़ा, स्प्राइट और मिनट मेड बनाने वाली इस कंपनी की बिक्री में लगातार वृद्धि देखी जा रही है. हैवमोर आइसक्रीम के अनुसार, उसने उत्पादन बढ़ा दिया है क्योंकि इस साल की मांग पिछले साल से अधिक हो गई है.

हैवमोर आइसक्रीम अब दक्षिण कोरियाई कन्फेक्शनरी कंपनी लोटे वेलफूड कंपनी का हिस्सा है. हैवमोर आइसक्रीम के प्रबंध निदेशक कोमल आनंद ने कहा, पिछले साल हमने सबसे भीषण गर्मियों में एक का अनुभव किया. इस साल तो तापमान उसे भी पार कर गया है. उन्हें उम्मीद है कि इस श्रेणी की गति जारी रहेगी. डाबर इंडिया के बिक्री प्रमुख अंशुल गुप्ता ने कहा, पूर्व, उत्तर और मध्य भारत में गर्मी बढ़ने से हम अपने गर्मी में बिकने वाले उत्पादों खासकर ग्लूकोज की बढ़ती मांग देख रहे हैं. इस बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए हमने खुदरा और स्टॉकिस्ट दोनों स्तर पर पहले से ही इसका भंडार बढ़ा लिया है. एफएमसीजी (दैनिक उपयोग की घरेलू वस्तुओं) विनिर्माता डाबर इंडिया, रियल ब्रांड जूस और ग्लूकोज के साथ पेय पदार्थ खंड में मौजूद है.

शेयर बाजार से गौतम अडाणी को झटका

रईस कारोबारियों की सूची में अडाणी 14वें स्थान पर फिसले

एजेंसी ।नई दिल्ली

एग्जिट पोल के रुझानों और मतगणना के नतीजे के कारण इस सप्ताह पहले दिन से ही शेयर बाजार में लगातार उतार-चढ़ाव बना हुआ है. इस उतार-चढ़ाव के कारण भारतीय उद्योगपति गौतम अडाणी काफी प्रभावित हुए हैं. पहले 3 दिन में ही गौतम अडाणी की संपत्ति में 8 अरब डॉलर की कमी आ गई है. इसके साथ ही दुनिया के सबसे रईस कारोबारियों की सूची में गौतम अडाणी खिसक कर 14वें स्थान पर आ गए हैं. वहीं, रिलायंस इंडस्ट्रीज के मुकेश अंबानी इस सूची में 11वें स्थान पर हैं.

ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स द्वारा गुरुवार को जारी आंकड़ों के अनुसार मंगलवार को बाजार में आई जोरदार गिरावट के कारण गौतम अडाणी की व्यक्तिगत संपत्ति 111 अरब डॉलर से घट कर 97.41 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गई थी. हालांकि बुधवार को अडाणी की संपत्ति 5.59 अरब डॉलर बढ़ कर 103 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गई.

ब्रीफ खबरें

पाक पीएम बीजिंग पहुंचे चिनफिंग से करेंगे भेंट

बीजिंग। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने, देश को आर्थिक संकट से उबारने के लिए और सहायता के अनुरोध तथा निवेश की संभावनाओं चर्चा करने के लिए बीजिंग पहुंच चुके हैं और उपरोक्त मुद्दों को लेकर वह चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग और अन्य नेताओं के साथ बातचीत करेंगे. चार जून से चीन की पांच दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर आए शरीफ ने बुधवार को अत्याधुनिक शहर शेनझेन का दौरा किया और निवेशकों की बैठक को संबोधित किया.

अभ्यर्थी ने 9वीं मंजिल से कूद कर ली खुदकुशी

कोटा (राजस्थान) : राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-यूजी (नीट-यूजी) के परिणाम घोषित होने के एक दिन बाद ही राजस्थान के कोटा में 18 वर्षीय एक अभ्यर्थी ने एक इमारत की नौवीं मंजिल से कथित तौर पर कूदकर खुदकुशी कर ली. पुलिस ने गुरुवार को बताया कि मृतका की पहचान बागीशा तिवारी के रूप में हुई है और वह इसी इमारत की पांचवीं मंजिल पर अपनी मां और भाई के साथ रहती थी. पुलिस ने बताया कि उसे एक निजी अस्पताल ले जाया गया लेकिन इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया.

दिल्ली की अदालत ने कार्ति को जमानत दी

नयी दिल्ली । दिल्ली की एक अदालत ने कथित चीनी वीजा घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में कांग्रेस नेता कार्ति चिदंबरम को गुरुवार को जमानत दे दी. कार्ति चिदंबरम एक समन की तामील करते हुए अदालत में पेश हुए थे और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) तथा केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के लिए विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने उन्हें राहत प्रदान की. अदालत ने इससे पहले मामले में ईडी द्वारा दायर आरोपपत्र का संज्ञान लेते हुए आरोपी के खिलाफ समन जारी किया था.

नाव में विस्फोट, चालक सहित छह लोगों की मौत

मनीला । फिलिपीन के सूबू प्रांत में समुद्र में मछली पकड़ने वाली एक नाव में विस्फोट होने से आग लग गई, जिससे चालक दल के कम से कम छह लोगों की मौत हो गई जबकि अन्य छह को सुरक्षित बचा लिया गया. तटरक्षक अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी. तटरक्षक अधिकारियों ने बताया कि बुधवार रात सेबू प्रांत के नागा शहर के पास 'एफ/बी किंग ब्रायन' नामक नाव में विस्फोट होने से आग लग गई थी. उन्होंने बताया कि नाव के कप्तान सहित जीवित बचे चालक दल के सदस्यों का अस्पताल में इलाज जारी है.

रेल दुर्घटना में चार की मौत, 23 यात्री घायल

प्राग (एपी) । चेक गणराज्य में एक यात्री रेलगाड़ी और एक मालगाड़ी के बीच टक्कर में कम से कम चार यात्रियों की मौत हो गई. अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी. गृह मंत्री विट रकुसन ने बताया कि इस दुर्घटना में कम से कम 23 यात्री घायल हुए हैं. उन्होंने बताया कि यह घटना बुधवार देर रात प्राग से लगभग 100 किलोमीटर पूर्व में पर्डूबिस शहर में हुई. गृह मंत्री ने बताया कि यात्री रेलगाड़ी निजी कंपनी 'रेजियोजेट' की थी. अधिकारी इस घटना की जांच कर रहे हैं.

नीलगिरी : नीलगिरी जिले के उधगमंडलम (ऊटी) में बारिश के दौरान पानी से भरी सड़क पर फंसी एक कार को धक्का देते लोग वहीं बारिश के दौरान रेलवे पुलिस स्टेशन पानी से भर गया है.

यूपी की जनता ने फिर से पुराना आदर्श स्थापित किया : प्रियंका

एजेंसियां । लखनऊ

कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी ने लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में अपनी पार्टी के प्रदर्शन के लिए जनता और कार्यकर्ताओं को धन्यवाद देते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि अवाम ने आज की राजनीति में एक पुराना आदर्श फिर से स्थापित किया है. प्रियंका ने सोशल मीडिया मंच ''एक्स'' पर पोस्ट किए गए संदेश में कहा, उप्र कांग्रेस के मेरे सभी साथियों को मेरा सलाम. मैंने आपको धूप और धूल में कड़ी मेहनत करते हुए देखा, आप झुके नहीं, आप रुके नहीं, कठिन से कठिन दौर में आपने लड़ने की हिम्मत दिखाई. आपको प्रताड़ित किया गया, आप पर फर्जी मुकदमे लगाये गये, जेल में डाला गया, बार-बार नजरबंद किया गया, मगर आप डरे नहीं. कई नेता डर के चले गये, आप टिके रहे. उन्होंने इसी संदेश में कहा, मुझे गर्व है आप पर और उत्तर प्रदेश की जागरूक जनता पर, जिसने इस देश की गहराई और सच्चाई को समझा और हमारे संविधान को बचाने का ठोस संदेश पूरे भारत को दिया. आपने आज की राजनीति में एक पुराना आदर्श फिर से स्थापित किया है.

लोकसभा चुनाव 2019 की तुलना में 2024 में क्षेत्रवार कैसे रहे नतीजे

किस पार्टी को कहां फायदा और कहां हुआ है नुकसान

लगातार न्यूज नेटवर्क । नयी दिल्ली

लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजे घोषित किए जा चुके हैं. 4 जून के परिणामों में लोगों की नजरें क्षेत्रवार नतीजों पर भी हैं. तमाम दलों ने क्षेत्र के हिसाब से अपनी रणनीतियां बनाईं और इसके तहत चुनाव प्रचार किया है. नतीजे बताएंगे कि किसकी मेहनत कितनी रंग लाई. आइए जानते हैं कि 2019 के लोकसभा चुनाव में क्षेत्रवार नतीजे कैसे थे? किस क्षेत्र में किसे ज्यादा सीटें आईं और किसे कहां झटका लगा?

उत्तर भारत में भाजपा को लगा बड़ा झटका

उत्तर भारत क्षेत्र में लोकसभा की कुल 205 सीटें आती हैं. ये सीटें जम्मू कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, राजस्थान, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड को मिलाते हुए कुल 12 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश की हैं. इस लोकसभा चुनाव में 205 में से 90 सीटें भाजपा के खाते में गईं. मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस के 32 सांसद जीते. वहीं 83 सीटों पर अन्य को जीत मिली. पिछले लोकसभा चुनाव में 205 में से 146 सीटें भाजपा के खाते में गई थीं. कांग्रेस के महज 11 सांसद ही जीत सुनिश्चित कर पाए थे. वहीं 48 सीटों पर अन्य को जीत मिली थी.

दक्षिण भारत में भाजपा-कांग्रेस से आगे क्षेत्रीय दल

इस क्षेत्र से कुल 132 सांसद चुन कर आते हैं. दक्षिण भारत की ये सीटें तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, पुडुचेरी, लक्ष्यद्वीप और अंडमान निकोबार जैसे कुल आठ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से आती हैं. लोकसभा चुनाव 2024 में 132 में से कांग्रेस ने 42 सीटों पर जीत हासिल की. भाजपा ने 30 सीटों पर जीत हासिल की. वहीं इन दलों से काफी आगे क्षेत्रीय पार्टियों के 60 सांसद चुने गए हैं. 2019 के लोकसभा चुनाव में 132 में से कांग्रेस और भाजपा दोनों ने 29-29 सीटों पर जीत हासिल की थी. वहीं क्षेत्रीय पार्टियों के 74 सांसद चुन कर लोकसभा पहुंचे थे.

प भारत में भाजपा को नुकसान तो कांग्रेस को फायदा

इस क्षेत्र से लोकसभा की कुल 78 सीटें आती हैं. ये सांसद गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, दादरा नगर हवेली, दमन-दीव से चुन कर संसद पहुंचते हैं. इस लोकसभा चुनाव में भाजपा ने 78 में से 36 सीटों पर जीत दर्ज की. वहीं कांग्रेस के केवल 15 उम्मीदवार लोकसभा संसद चुने गए. वहीं अन्य दलों के 27 सांसद जीते हैं. बीते लोकसभा चुनाव में भाजपा ने 78 में से 51 सीटों पर अपना परचम लहराया था. वहीं देश की सबसे पुरानी पार्टी के केवल दो उम्मीदवार लोकसभा संसद चुने गए थे. अन्य दलों के 25 सांसद जीतकर संसद पहुंचे थे.

पूर्वी भारत में अन्य दलों और भाजपा की टक्कर

देश के इस हिस्से से कुल 88 सीटें आती हैं. ये सांसद पश्चिम बंगाल, ओडिशा, असम, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मिजोरम, मेघालय, त्रिपुरा, सिक्किम और नगालैंड जैसे 10 राज्यों से चुने जाते हैं. लोकसभा चुनाव 2024 में 88 में से 45 सीटों पर भाजपा ने सफलता हासिल की. दूसरी ओर कांग्रेस के केवल नौ सांसद लोकसभा तक पहुंचेगे. इसके अलावा 35 सांसद अन्य दलों के जीतकर आए. पिछले लोकसभा चुनाव में 88 में से 40 सीटों पर भाजपा ने जीत हासिल की थी. कांग्रेस के महज सात सांसद संसद के निचले सदन तक पहुंचे थे. इसके अलावा 41 सांसद अन्य दलों के जीतकर आए थे.

मध्य भारत में एक सीट पर सिमटी कांग्रेस | इस क्षेत्र में कुल 40 लोकसभा सीटें हैं. जहां मध्य प्रदेश से लोकसभा के 29 सांसद चुने जाते हैं तो छत्तीसगढ़ में 11 सीटें हैं. इस चुनाव में 40 में से 39 सीटों पर भाजपा को जीत मिली है. वहीं कांग्रेस के खाते में मात्र एक सीट ही आई. पिछले चुनाव में 40 में से 37 सीटों पर भाजपा को जीत मिली थी. वहीं कांग्रेस के खाते में मात्र तीन सीटें ही आई थीं.

बिहार और आंध्र प्रदेश का मामला

क्या मोदी विशेष राज्य के दर्जे का वादा पूरा करेंगे : जयराम

एजेंसियां । नयी दिल्ली

कांग्रेस ने गुरुवार को तंज कसते हुए निवर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक तिहाई प्रधानमंत्री करार दिया और उनसे यह बताने को कहा कि क्या वह आंध्र प्रदेश और बिहार के लिए विशेष राज्य के दर्जे के वादे को पूरा करेंगे? इस लोकसभा चुनाव के बाद राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में जनता दल (यूनाइटेड) और तेलुगू देशम पार्टी की महत्वपूर्ण भूमिका होगी. कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, बार-बार दावा किया जा रहा है कि अब मोदी 3.0 सरकार बनेगी. हकीकत यह है कि अबकी बार, मोदी एक तिहाई सरकार. उन्होंने कहा, एक तिहाई प्रधानमंत्री बनने जा रहे मोदी जी से हमारे 4 सवाल : 30 अप्रैल 2014 को पवित्र नगरी तिरुपति में आपने आंध्र प्रदेश को विशेष दर्जा देने का वादा किया था. क्या वह वादा अब पूरा होगा? रमेश ने सवाल किया कि क्या आप विशाखापत्तनम स्टील प्लांट के निजीकरण को अब रोकेंगे? उन्होंने यह भी पूछा, क्या आप बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देकर अपने 2014 के चुनावी वादे और अपने सहयोगी नीतीश की 10 साल पुरानी मांग को पूरा करेंगे?

दिल्ली में जल संकट

न्यायालय ने 137 क्यूसेक जल छोड़ने के दिए निर्देश

नयी दिल्ली । राष्ट्रीय राजधानी में जारी जल संकट के बीच उच्चतम न्यायालय ने हिमाचल प्रदेश को 137 क्यूसेक अतिरिक्त जल छोड़ने का निर्देश गुरुवार को दिया. न्यायमूर्ति पी के मिश्रा और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की अवकाशकालीन पीठ ने कहा कि हिमाचल प्रदेश सरकार को कोई आपत्ति नहीं है और वह उसके पास उपलब्ध अतिरिक्त जल छोड़ने को तैयार है. पीठ ने निर्देश दिया कि हिमाचल प्रदेश द्वारा छोड़े गए अतिरिक्त जल के प्रवाह को हरियाणा सुगम बनाए रखने में मदद करे ताकि जल राष्ट्रीय राजधानी तक पहुंच सके. उच्चतम न्यायालय ने स्पष्ट किया कि दिल्ली सरकार को पानी की बर्बादी नहीं करनी चाहिए. न्यायालय ने हिमाचल प्रदेश को सात जून को अतिरिक्त जल छोड़ने का निर्देश दिया.

सुलीवन भारत की यात्रा पर जाएंगे : व्हाइट हाउस

वाशिंगटन : भारत के प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी के लगातार तीसरी बार शपथ लेने की तैयारी के बीच अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलीवन अमेरिका-भारत साझा प्राथमिकताओं पर नयी सरकार के साथ चर्चा करने के लिए नयी दिल्ली जाएंगे. व्हाइट हाउस ने यह जानकारी दी. अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने प्रधानमंत्री मोदी को फिर से चुने जाने पर बधाई देने के लिए बुधवार को फोन किया और इसी दौरान दोनों नेताओं के बीच सुलीवन की यात्रा पर चर्चा की गई. व्हाइट हाउस ने कहा, राष्ट्रपति जो बाइडन ने बुधवार को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात की और उन्हें तथा राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को भारत के आम चुनाव में जीत पर बधाई दी. बाइडन ने लोकतांत्रिक प्रक्रिया में 65 करोड़ भारतीयों के हिस्सा लेने पर उनकी सराहना की. व्हाइट हाउस ने कहा, दोनों नेताओं ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलीवन की नयी दिल्ली की आगामी यात्रा पर भी चर्चा की.

चंडीगढ़ हवाई अड्डे पर महिला सिपाही ने कंगना को मारा थप्पड़

एजेंसी । चंडीगढ़/नयी दिल्ली

चंडीगढ़ हवाई अड्डे पर सीआईएसएफ की एक महिला सिपाही ने गुरुवार को दिल्ली जा रही भाजपा की नवनिर्वाचित सांसद कंगना रनौत को कथित रूप से थप्पड़ मार दिया. अधिकारियों ने बताया कि महिला सिपाही को निलंबित कर दिया गया है और उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है. उन्होंने बताया कि कंगना के विमान में सवार होने से पहले हवाई अड्डे पर सुरक्षा जांच के दौरान सीआईएसएफ सिपाही ने कथित रूप से अभिनेत्री को थप्पड़ मारा. वहीं, कंगना ने एक वीडियो बयान जारी कर कहा कि दिल्ली जाते वक्त चंडीगढ़ हवाई अड्डे पर सुरक्षा जांच के दौरान सीआईएसएफ की एक महिला सिपाही ने उन्हें थप्पड़ मारा और उनके साथ गाली-गलौज की. कंगना ने पंजाब में आतंक और हिंसा में हैरान करने वाली वृद्धि शीर्षक से एक वीडियो बयान पोस्ट किया. कंगना ने वीडियो में कहा कि वह सुरक्षित और ठीक हैं, लेकिन पंजाब में बढ़ते आतंकवाद को लेकर चिंतित भी हैं. कंगना ने दिल्ली पहुंचने के बाद बयान जारी कर कहा कि महिला सिपाही उनकी ओर आई. कंगना ने कहा, उसने मुझे थप्पड़ मारा और मुझे गाली देनी शुरू कर दी. उन्होंने कहा, जब मैंने उससे पूछा कि उसने ऐसा क्यों किया, तो उस सिपाही ने कहा कि वह किसान आंदोलन का समर्थन करती है.

दुनिया के सबसे ताकतवर रॉकेट का चौथा टेस्ट

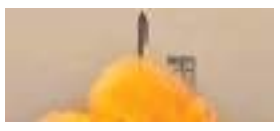

टेक्सास । दुनिया के सबसे ताकतवर रॉकेट स्टारशिप को गुरुवार को टेक्सास के बोका चिका से शाम 6.20 बजे लॉन्च किया गया. ये टेस्ट 65 मिनट का है. इसमें स्टारशिप को स्पेस में ले जाने के बाद वापस पृथ्वी पर लाया जाएगा और पानी में लैंडिंग कराई जाएगी. इस बार के टेस्ट का मेन गोल यह देखना है कि स्टारशिप पृथ्वी के वातावरण में एंट्री के दौरान सर्वाइव कर पाती है या नहीं. इससे पहले रॉकेट का तीसरा टेस्ट करीब-करीब सक्सेसफुल था, जिसे 14 मार्च को शाम 6:55 बजे टेक्सास के बोका चिका से लॉन्च किया गया था.

जहरीली गैस की चपेट में आने से तीन लोगों की हो गई मौत

एजेंसी । सतना (मध्य प्रदेश)

मध्य प्रदेश के सतना जिले में एक गाय को बचाने के लिए कुएं में उतरे तीन लोगों की संदिग्ध जहरीली गैस की चपेट में आने से मौत हो गई और दो अन्य को अस्पताल में भर्ती कराया गया है.

उन्होंने बताया कि यह घटना बुधवार रात उमरी गांव में हुई. नागौद थाना प्रभारी अशोक पांडे ने बताया, ग्रामीणों के एक समूह ने देखा कि एक गाय कुएं में गिर गई है जिसके बाद उनमें से तीन रस्सी के सहारे नीचे उतरे और गाय को बाहर निकाला गया. उन्होंने बताया कि कुएं में उतरने के बाद उन्हें सांस लेने में तकलीफ हुई. उनमें से एक व्यक्ति किसी तरह बाहर निकल आया और बेहोश हो गया. इसके बाद ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी. पांडे ने बताया कि पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और उनकी मदद से कुछ स्थानीय निवासी गीले कपड़े से मुंह ढककर कुएं में उतरे और अंदर फंसे लोगों को बाहर निकाला.

उन्होंने कहा कि गांव वालों ने तीनों लोगों को कुएं से बाहर निकाल लिया, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका. मौके पर बुलाए गए एक डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. मृतकों की पहचान अशोक सिंह (45), रामरतन (22) और विष्णु (24) के रूप में हुई है.

सुपरटेक के प्रमुख आरके अरोड़ा को मिली जमानत

नयी दिल्ली : दिल्ली की एक अदालत ने धनशोधन मामले में गुरुवार को सुपरटेक के चेयरमैन आरके अरोड़ा को जमानत दे दी. अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश देवेन्द्र कुमार जांगला ने अरोड़ा को राहत प्रदान करते हुए कहा कि उनके मुकदमे से भागने या जांच को प्रभावित करने की कोई आशंका नहीं है. अरोड़ा को पिछले साल जून में गिरफ्तार किया गया था. दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू), हरियाणा पुलिस और उत्तर प्रदेश पुलिस ने सुपरटेक लिमिटेड और समूह की कंपनियों तथा अरोड़ा के खिलाफ आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी और आपराधिक विश्वासघात के आरोप में 26 प्राथमिकी दर्ज की थीं.

गाजा के स्कूल पर इजराइली हमले में 30 की मौत, पांच बच्चे भी शामिल

गाजा पट्टी । मध्य गाजा में एक स्कूल पर इजरायली हमले में पांच बच्चों सहित कम से कम 30 लोग मारे गए. इजराइली सेना ने कहा कि इस स्कूल का इस्तेमाल हमास के अड्डे के रूप में किया जा रहा था. स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों ने यह जानकारी दी. यह हमला तब हुआ जब सेना ने कहा कि वह मध्य गाजा में नए हवाई और जमीनी अभियान शुरू कर रही है और एक अंतरराष्ट्रीय चिकित्सा समूह ने हताहतों की संख्या में वृद्धि की सूचना दी है.

चिंता | अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिकों की हमारी टीम ने अपने ज्ञान को मिलाकर यह मॉडल तैयार किया है

भूजल गर्म हो रहा है, जिससे हमारा जीवन खतरे में पड़ रहा है

एजेंसियां । डार्विन/हैलिफैक्स

आपके पैरों के नीचे दुनिया का सबसे बड़ा जल भंडार है. भूजल सभी उपयोग योग्य मीठे पानी का 97% हिस्सा होता है. यह कहां है? चट्टानों के भीतर खाली जगहों में और दरारों में. हम इसे तब देखते हैं जब यह झरनों में, गुफाओं में सतह पर आ जाता है, या जब हम इसे उपयोग के लिए पंप करते हैं. जबकि भूजल अक्सर छिपा हुआ होता है, यह दुनिया भर के पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करता है और लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन है.

आप सोच सकते हैं कि भूजल को जलवायु परिवर्तन से बचाया जाएगा, क्योंकि यह भूमिगत है. लेकिन अब ऐसा नहीं है. जैसे-जैसे वातावरण गर्म होता जा रहा है, अधिक से अधिक गर्मी भूमिगत रूप से प्रवेश कर रही है. इस बात के पहले से ही पर्याप्त सबूत हैं कि उपसतह गर्म हो रही है. अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिकों की हमारी टीम ने अपने ज्ञान को मिलाकर यह मॉडल तैयार किया है कि भविष्य में भूजल कैसे गर्म होगा. वास्तविक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन परिदृश्य के तहत, अनुमानित औसत वैश्विक वायुमंडलीय तापमान 2.7 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि के साथ, भूजल 2000 की तुलना में 2100 तक औसतन 2.1 डिग्री सेल्सियस तक गर्म हो जाएगा. यह तापमान क्षेत्र के हिसाब से अलग-अलग होता है और सतह की तुलना में इसमें दशकों की देरी होती है, क्योंकि भूमिगत द्रव्यमान को गर्म होने में समय लगता है.

ऊष्मा दसियों मीटर गहरी परतों में संग्रहित होती है

आप सोच रहे होंगे कि गर्म भूजल के परिणाम क्या होंगे. सबसे पहले, अच्छी खबर. जमीन की सतह के नीचे गर्मी बढ़ने से समुद्र की तुलना में 25 गुना कम ऊर्जा फंस रही है, लेकिन यह अभी भी महत्वपूर्ण है. यह ऊष्मा दसियों मीटर गहरी परतों में संग्रहित होती है, जिससे उस तक पहुंच आसान हो जाती है. हम इस अतिरिक्त गर्मी का उपयोग सतह से कुछ मीटर नीचे से अपने घरों को लगातार गर्म करने के लिए कर सकते हैं. नवीकरणीय ऊर्जा से बिजली द्वारा संचालित ताप पंपों का उपयोग करके गर्मी निकाली जा सकती है. पूरे यूरोप में अंतरिक्ष हीटिंग के लिए जियोथर्मल हीट पंप की लोकप्रियता बढ़ रही है.

भूजल क्यों महत्वपूर्ण है

दुनिया के कई हिस्सों में लोग पीने के पानी के मुख्य स्रोत के रूप में भूजल पर निर्भर हैं. लेकिन भूजल के गर्म होने से हमारे द्वारा पीने वाले पानी की गुणवत्ता खराब हो सकती है. तापमान रासायनिक प्रतिक्रियाओं से लेकर माइक्रोबियल गतिविधि तक हर चीज को प्रभावित करता है. उदाहरण के लिए, गर्म पानी अधिक हानिकारक प्रतिक्रियाओं को ट्रिगर कर सकता है, जहां धातुएं पानी में बाहर निकल जाती हैं. यह उन क्षेत्रों में विशेष रूप से चिंताजनक है जहां स्वच्छ पेयजल तक पहुंच पहले से ही सीमित है. खेती, विनिर्माण और ऊर्जा उत्पादन जैसे उद्योग अक्सर अपने संचालन के लिए भूजल पर निर्भर होते हैं. यदि वे जिस भूजल पर निर्भर हैं वह बहुत अधिक गर्म या अधिक प्रदूषित हो जाता है, तो यह उनकी गतिविधियों को बाधित कर सकता है .हमारा अध्ययन वैश्विक है, लेकिन हमें इस बारे में और अधिक पता लगाना होगा कि भूजल कैसे गर्म हो रहा है और इसका स्थानीय स्तर पर क्या प्रभाव पड़ सकता. समय के साथ और विभिन्न क्षेत्रों में भूजल तापमान कैसे बदल रहा है.

मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने कहा

लोस चुनाव में डाक मत पत्र को छोड़ कर 65.79 % मतदान हुआ

एजेंसियां । दिल्ली

निर्वाचन आयोग ने गुरुवार को कहा कि हाल में संपन्न लोकसभा चुनाव में 65.79 प्रतिशत मतदान हुआ लेकिन अंतिम आंकड़ों में बदलाव हो सकता है क्योंकि इसमें डाक मतपत्र शामिल नहीं हैं. मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने हाल ही में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा था कि इस लोकसभा चुनाव में कुल 64.2 करोड़ मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया था. साल 2019 के संसदीय चुनावों में 67.40 प्रतिशत मतदान हुआ था. साल 2019 में भारत में 91.20 करोड़ मतदाता थे और इनमें से 61.5 करोड़ ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया था. 2024 के चुनावों में, मतदाताओं की संख्या बढ़कर 96.88 करोड़ हो गई. आयोग ने एक बयान में कहा, आम चुनाव, 2024 में मतदान केंद्रों पर कुल मिलाकर 65.79 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया. मतदान केंद्र पर मतदान का मतलब है इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों से किया गया मतदान. आयोग ने कहा कि डाक मतों की संख्या और सकल मतदान प्रतिशत वाली विस्तृत सांख्यिकीय रिपोर्ट राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से मानक प्रक्रिया के अनुसार उपलब्ध कराई जाएगी.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा राजकमल प्लाजा, रूम नंबर 102 जयप्रकाश नगर, डीनोवली स्कूल रोड बरटांड़, धनबाद-826001 झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **दीपक कुमार अम्बष्ठ***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)